राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 25 जून 2026
वर्ष 07, अंक 258, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भ्रष्टाचार में लिप्त वीडिओ फर्जी कार्य पर कार्यवाही को नहीं जुटा पा रहे हिम्मत...02

लखनऊ की घटना के बाद कानपुर में कोचिंग संस्थानों को सील करने का क्रम जारी....11

भारत-रूस के सुप्रीम कोर्ट के बीच ऐतिहासिक समझौता

● अब न्यायिक सहयोग को मिलेगी नई दिशा

● भारत और रूस के सुप्रीम कोर्ट के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ है, जिससे दोनों देशों के न्यायिक सहयोग को एक नई दिशा मिलेगी

● दोनों देशों के सुप्रीम कोर्ट ने मॉस्को में न्यायिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर साइन किए, जिसमें टेक्नोलॉजी संचालित न्यायालय प्रशासन पर विशेष ध्यान दिया गया है

भारत और रूस ने अब न्यायिक रिश्ते भी मजबूत करने की ओर अपने कदम बढ़ा लिए हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश और रूसी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के बीच मॉस्को में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में भारत के सर्वोच्च न्यायालय और रूस के सर्वोच्च न्यायालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और रूस के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश इगोर क्रास्नोव ने मॉस्को में इस समझौता ज्ञापन पर साइन किया।

रूस के सुप्रीम कोर्ट में बोलते हुए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि भारतीय और रूसी सुप्रीम कोर्ट, विभिन्न कानूनी परंपराओं के माध्यम से विकसित होने के बावजूद न्याय प्रशासन में जनता के विश्वास को बनाए रखने के साथ-साथ तेजी से हो रहे तकनीकी और सामाजिक परिवर्तनों के अनुकूल होने की एक समान चुनौती का सामना करते हैं. टेक्नोलॉजी को न्यायिक फैसले लेने के विकल्प के बजाय न्याय तक पहुंच के साधन के रूप में काम करना चाहिए, इस बात पर जोर देते हुए कि जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका में भारत के डिजिटल परिवर्तन का मार्गदर्शन अदालतों को अधिक सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

16 क्षेत्रीय भाषाओं में होता है फैसलों का अनुवाद

न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग का जिक्र करते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक दस्तावेजों के अनुवाद को सुगम बनाने के लिए एसयूवीएएस यानी सर्वोच्च न्यायालय विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर (SUVAS) जैसे उपकरण विकसित किए हैं, जिसके तहत अंग्रेजी में लिखे गए फैसलों का 16 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जाता है। उन्होंने हाल ही में लॉन्च किए गए AI-संचालित चैटबॉट 'Su Sahay' के बारे में भी बताया, जो वादियों, वकीलों और आम जनता को अदालती प्रक्रियाओं, मामलों की स्थिति और फाइलिंग संबंधी जरूरतों के बारे में जानकारी देता है।

'एक मामला, एक डेटा' पहल

जस्टिस सूर्यकांत ने न्यायिक प्लेटफार्म्स पर प्रत्येक मामले के लिए मानकीकृत डिजिटल रिकॉर्ड बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई 'एक मामला, एक डेटा' पहल का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि ऑनलाइन मध्यस्थता और सुलह को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी का तेजी से उपयोग किया जा रहा है, जिससे दक्षता (एफिशियंसी) में सुधार, लागत में कमी और विवादों के समय पर समाधान में मदद मिल रही है।

साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि न्याय प्रशासन मूल रूप से मानवीय प्रयास ही रहना चाहिए।

'साक्ष्यों का मूल्यांकन नहीं कर सकती'

हालांकि AI ट्रांसलेशन, ट्रांसक्रिप्शन, इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट और एडमिनिस्ट्रेटिव सपोर्ट के माध्यम से न्यायाधीशों की मदद कर सकती है, लेकिन यह फैसलों का निर्धारण नहीं कर सकती, गवाहों की विश्वसनीयता का आकलन नहीं कर सकती, साक्ष्यों का मूल्यांकन नहीं कर सकती या न्यायिक विवेक का प्रयोग नहीं कर सकती। उन्होंने न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में नोटिफाइड ड्राफ्ट रेगुलेशन का जिक्र किया, जिनका उद्देश्य न्यायिक स्वतंत्रता और मानवीय निगरानी को बनाए रखते हुए AI की जिम्मेदार तैनाती सुनिश्चित करना है।

पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, ये ट्रैवल डॉक्यूमेंट... भारत के विदेश मंत्रालय का बयान

● विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का सबूत नहीं

● मंत्रालय ने ये भी बताया है कि हाल ही में 1.39 करोड़ से अधिक पासपोर्ट जारी किए गए और केंद्रों की संख्या 77 से बढ़कर 545 हो गई है

● भारतीयों के लिए वीजा-मुक्त देशों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है

अगर आप पासपोर्ट को नागरिकता का सबूत समझते हैं तो विदेश मंत्रालय का ताजा बयान पढ़ लेना चाहिए. विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने दो टूक कहा है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का सबूत नहीं. उन्होंने ये भी बताया कि 2025 में 1.5 करोड़ पासपोर्ट और उससे जुड़ी सेवाएं दी गईं, जिनमें से अकेले पासपोर्ट की संख्या 1.39 करोड़ थी।

मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि पुलिस वेरिफिकेशन को छोड़कर, पासपोर्ट के लिए छह कामकाजी दिन लगते हैं. PSK (पासपोर्ट सेवा केंद्र) और POPSK (डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र) में 45 मिनट से भी कम समय लगता है. देश भर में 545 पासपोर्ट केंद्र हैं. जबकि 10 साल पहले सिर्फ 77 पासपोर्ट केंद्र थे. केंद्रों की संख्या में छह गुना बढ़ोतरी हुई है. हमने पिछले साल 10 POPSK खोले थे. इस साल 10 और खोले जाएंगे।

मंत्रालय ने और क्या बताया?

अधिकारी ने कहा कि भारतीयों के लिए वीजा-फ्री एंट्री वाले देशों की संख्या 27 है, जो 2019 में 16 थी. 47 देशों में भारतीयों के लिए 'वीजा ऑन अराइवल' की सुविधा है और 66 देश भारतीयों को इलेक्ट्रॉनिक वीजा देते हैं. ज़्यादातर यूरोप के साथ मोबिलिटी एग्रीमेंट (आवाजाही से जुड़े समझौते) किए गए हैं. ये एकेडमिक्स, छात्रों, अप्रेंटिस, आम पर्यटकों और कारोबारियों की आसान आवाजाही में मदद करते हैं. साथ ही ये गैर-कानूनी प्रवासियों की आसानी से वापसी के लिए एक सिस्टम भी बनाते हैं।

क्या कहता है कानून?

अगर आपका जन्म 1 जुलाई 1987 के बाद हुआ है तो यह साबित करने के लिए कि आप भारतीय नागरिक हैं, इसके लिए सिर्फ जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट या आधार कार्ड काफी नहीं हो सकता है. कानून के अनुसार, 1 जुलाई 1987 के बाद भारत में पैदा हुआ कोई व्यक्ति तब तक अपने-आप नागरिकता का दावा नहीं कर सकता, जब तक कि उसके माता-पिता में से कम से कम एक भारतीय न हो।

साल 2013 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक मामले में 4 लोगों को राहत देने से इनकार कर दिया था। इन पर अवैध प्रवासी होने का आरोप था, भले ही इन्होंने यह साबित करने के लिए पासपोर्ट (जो बाद में रद्द कर दिए गए थे), आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र पेश किए थे कि वे भारतीय हैं. जस्टिस केयू चंडीवाल ने उनकी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा, कानून के तहत ऐसे आवेदक के लिए यह साबित करना जरूरी है कि उसके माता-पिता भारतीय नागरिक थे. ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया है.

कानून के तहत, अगर किसी व्यक्ति का जन्म 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद लेकिन 1 जुलाई 1987 से पहले भारत में हुआ है, तो वह जन्म से भारतीय है. अगर किसी व्यक्ति का जन्म जुलाई 1987 के बाद हुआ है तो वह नागरिकता का दावा तभी कर सकता है जब उसके माता-पिता में से कोई एक नागरिक हो।

संक्षिप्त ख़बरें

शांतिभंग की आशंका में पांच गिरफ्तार

रतनपुर/ महाराजगंज। परसामलिक पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और संभावित विवाद को रोकने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत महदेईया निवासी पांच अभियुक्त प्रहलाद (50) पुत्र शिवचरन, अभिषेक यादव (22) पुत्र प्रहलाद, चौथी यादव (59) पुत्र शिवचरन, धनराज यादव (23) पुत्र चौथी और राजेश (25) पुत्र ध्रुप यादव को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह के अनुसार पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है।

प्रशिक्षण प्राप्त कर पूरी संवेदनशीलता के साथ जन सेवा करें, खंड विकास अधिकारी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर नव नियुक्त खण्ड विकास अधिकारियो को राज्य ग्राम्य विकास संस्थान मे प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन खण्ड विकास अधिकारियो को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि वे अपनी प्रतिभा, क्षमता और प्रशासनिक दक्षता का भरपूर उपयोग करते हुए ग्रामीण जनता की सेवा पूरे समर्पण भाव से करें तथा गांवों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर जन सेवा करें। कहा कि खण्ड विकास अधिकारी ग्रामीण विकास की अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी हैं। गांवों में सरकार की योजनाओं का वास्तविक क्रियान्वयन उन्हीं के माध्यम से होता है। राज्य ग्राम विकास संस्थान, लखनऊ में संचालित नवचयनित खंड विकास अधिकारियों के आवासीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण के 23वें दिन मंगलवार को 'मॉडल संकुल स्तरीय संघ' विषय पर विशेष सत्र आयोजित हुआ। सत्र की मुख्य प्रस्तुति उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त मिशन निदेशक श्री प्रवीणा नन्द ने दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों को स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के प्रति संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

अलीगंज अग्निकांड के बाद सिपाही जितेन्द्र राठौर ने फायर के पूर्व डीजी पर लगाया 500 करोड़ के घोटाले का आरोप

● फायर बुलेट की खरीद में ही कमीशनखोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राहुल तिवारी

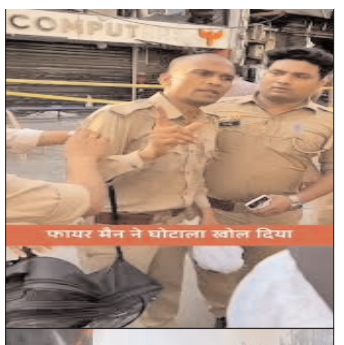

लखनऊ। राजधानी में उस समय हड़कंप मच गया जब आगरा में तैनात फायर विभाग के एक सिपाही अलीगंज में आग लगने की घटना सुनकर फायर विभाग के पूर्व डीजी को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। सिपाही ने पूर्व डीजी पर बड़े घोटाले करने का आरोप लगाया है। इस सिपाही ने अग्निशमन विभाग में तैनात रहे पूर्व डीजी फायर अविनाश चंद्र के भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी। सिपाही ने मीडिया के सामने बताया कि अग्निशमन विभाग में बहुत बड़ा घोटाला हुआ है जिसे स्वयं पूर्व डीजी फायर अविनाश चंद्र ने किया है। बताया गया कि फायर बुलेट का तो अलीगंज में आग बुझाने के लिए प्रयोग ही नहीं किया गया और फायर बुलेट थी ही नहीं आखिर होती भी कैसे जब एक फायर बुलेट को 11 लाख रुपए में पूर्व डीजी फायर अविनाश चंद्र द्वारा खरीदा गया जबकि इस बुलेट की कीमत महज 3 लाख रुपए ही है। मतलब प्रति बुलेट पर 8 लाख का कमीशन और लगभग 500 सौ बुलेट खरीदी गई मतलब लगभग 5 सौ करोड़ का घोटाला। अविनाश चंद्र के कार्यकाल में तमाम बड़े घोटाले हुए और सरकार के बड़े नुमाइंदे सोते रहे जो आज 15 होनहार बच्चों की मौत के कारण बन गये। लेकिन उसके बाद भी सरकार का ध्यान इस महाभ्रष्टाचारी अविनाश चंद्र के ऊपर नहीं गया। अब सवाल यह उठ रहे हैं कि अविनाश चंद्र इतना बड़ा घोटाला अकेले तो कर नहीं सकते जरूर बड़े बड़े अफसरों का भी हाथ इसमें जरूर होगा। सरकार ने अभी तक न तो इस भ्रष्टाचारी पूर्व डीजी फायर की जांच की और न ही गिरफ्तार किया। जो 15 मौतों का जिम्मेदार है और अभी भी सेफ जोन में बैठा आराम फरमा रहा है। अब देखना यह है कि क्या वर्तमान डीजी फायर व पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस भ्रष्टाचारी पर कार्रवाई करेंगे क्या इनका बुलडोजर अविनाश चंद्र के घर पर चलेगा।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान में जिलाधिकारी ने तेजी लाने का दिया निर्देश

देवरिया। जनपद में संचालित फार्मर रजिस्ट्री अभियान को गति देने के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में विकास खंडवार प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को अभियान में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गांव-गांव जाकर किसानों को योजना के बारे में जागरूक किया जाए तथा पात्र किसानों का पंजीकरण कराया जाए। समीक्षा के दौरान जिन क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिली, वहां संबंधित अधिकारियों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का डाटा व्यवस्थित होगा और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सकेगा। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी वी.के. सिंह सहित कृषि, राजस्व और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार की आग में जल रहा बस्ती इसे रोकने अधिकारी फेल नजर आ रहे कैसे होगा ग्राम पंचायत का विकास

● नौकरी की अंतिम बेला में पहुँचे बीडीओ माल समेटने में व्यस्त, ब्लाक में मची लूट और भ्रष्टाचार

ग्राम पंचायतों में बिना काम भुगतान की मची होड़, मुँह खोलने से गुरेज कर रहे बीडीओ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले बिना काम किए ग्राम पंचायतों में भुगतान हेतु मची होड़ ऊपर से खण्ड विकास अधिकारी की चुप्पी बिना कहे ही बहुत कुछ कह रही है। समझने वाले सब समझ रहे हैं परन्तु सेवा के अंतिम पड़ाव में पहुंच चुके बीडीओ माल समेटने में मस्त हैं, समस्याओं के तरफ उनका ध्यान ही नहीं जा रहा है क्योंकि व्यवस्था प्रीपेड चल रही है सरकार भले ही भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन व जीरो टालरेंस का दावा करे पर सरकारी दावों की पोल खोलने में खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज जरा सा भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। सूत्रों की माने तो खण्ड विकास अधिकारी के सेवा का अंतिम वर्ष चल रहा है जिसके कारण व्यवस्थाएं प्रीपेड हो गयी है जिससे उन्हें समस्याएं दिख ही नहीं रही हैं द्य विकास खण्ड स्तर की बात करें तो दर्जनों ग्राम पंचायतों में बिना काम कराए भुगतान की प्रक्रिया अंतिम दौर में है मगर बीडीओ को ये समस्याएं दिख नहीं रही हैं। मीडिया के सवालों को अपने कुतर्कों से रौदने का बीडीओ द्वारा पूरा प्रयास किया जाता है अन्य जिम्मेदार भी मुँह खोलने से परहेज कर रहे हैं। सवालों का जवाब न देना पड़े इसलिए बीडीओ अक्सर छुट्टियों का बहाना बनाकर जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ने में माहिर हैं। देखना यह है कि बीडीओ की नींद टूटेगी या यूँ ही प्रीपेड लूटपाट व्यवस्था जारी रहेगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा लखनऊ कोचिंग अग्निकांड का मामला, अधिवक्ता ने चीफ जस्टिस से की ये मांग

» लखनऊ में बीते 22 जून को एक कोचिंग सेंटर में लगी भयंकर आग में 15 बच्चों की मौत हो गई थी. अब ये मामले इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है. अधिवता गौरव द्विवेदी ने इस मामले में एक याचिका दायर कर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से जरूरी दिशा-निर्देश देने की मांग की है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ में हुए दर्दनाक कोचिंग अग्निकांड का मामला अब इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है. अधिवक्ता गौरव द्विवेदी ने हाईकोर्ट में पत्र याचिका दाखिल की है और चीफ जस्टिस से याचिका पर संज्ञान लेकर जरूरी दिशा-निर्देश देने की मांग की है। याचिका में मानकों की अनदेखी और मनमानी को लेकर सवाल उठाए गए हैं, जिसमें कोचिंग संस्थानों के साथ बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल भी शामिल हैं. याचिका में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और भीड़भाड़ वाले एरिया में संभावित अग्निकांड जैसी स्थितियों से निपटने की तैयारियों को लेकर एक डिटेल गाइडलाइन जारी करने की मांग की गई है और साथ ही आग जैसी घटनाओं की सूचना पर त्वरित एक्शन प्लान तैयार करने के लिए भी जरूरी दिशा-निर्देश देने की मांग की गई है।

याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता गौरव द्विवेदी ने इस मामले में कहा कि जिस तरह से राज्य में लगातार अग्निकांड की घटनाएं सामने आ रही हैं, उसमें प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता साफ नजर आ रही है. उन्होंने कहा कि पैरेंट्स अपने बच्चों का भविष्य संवारने के लिए उन्हें कोचिंग संस्थानों में पढ़ने के लिए भेजते हैं, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी की वजह से एक ही बार में कई परिवारों की खुशियां उजड़ जाती हैं।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान ऐसे मकानों में चल रहे हैं, जहां जरूरत पड़ने पर आग से सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम ही नहीं हैं. कई संस्थान तो बेसमेंट में ही चल रहे हैं, जहां आग लगने पर बाहर निकलने के लिए इमरजेंसी एग्जिट जैसी बुनियादी सुविधाएं ही मौजूद नहीं हैं।

15 बच्चों की हुई दर्दनाक मौत

लखनऊ के अलीगंज इलाके में 22 जून की दोपहर एक व्यावसायिक इमारत में आग लगने की वजह से 16 साल से 25 साल की उम्र के 15 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई. आग बिल्डिंग के अंदर लगी और इतनी तेजी से फैली कि बच्चों को अंदर से निकलने का मौका ही नहीं मिला

2016 में जारी हुआ था बिल्डिंग को गिराने का आदेश

इस घटना की जब जांच हुई तो पता चला कि जिस बिल्डिंग में आग लगी, वो अवैध थी। साल 2016 में ही उस बिल्डिंग को गिराने का आदेश जारी कर दिया गया था, लेकिन बाद में उसे आदेश को निरस्त

भी कर दिया गया था। लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि बिल्डिंग के मालिक को नोटिस जारी किया गया है और 15 दिन में जवाब मांगा गया है. इसके बाद बिल्डिंग पर बुलडोजर चलेगा और उसे ढहा दिया जाएगा. वहीं, घटना के बाद राज्य भर में मौजूद कोचिंग और होटलों में जबरदस्त छापेमारी चल रही है. अब तक 45 से अधिक उन कोचिंग संस्थानों और होटलों को सील किया गया है, जिसमें आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

ओ0बी0सी0 छात्र/छात्राओं हेतु 'ओ' लेवल तथा 'सी0सी0सी0' निःशुल्क कम्प्यूटर प्रषिक्षण हेतु आवेदन की अन्तिम तिथि 10 जुलाई, 2026

लखनऊ: उ0प्र0 सरकार पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा ओ0बी0सी0 समाज के इण्टरमीडिएट पास छात्र/छात्राओं को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने हेतु समय सारिणी जारी कर दी है। ऐसे छात्र/छात्राओं जिनके माता-पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 01 लाख रूपये तक या इससे कम है, और वह किसी शिक्षण संस्थान से छात्रवृत्ति प्राप्त न कर रहा हो, को भारत सरकार की नीलिट से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किये जाने का प्राविधान है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक अभियार्थियों के लिए 10 जुलाई 2026 तक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उ0प्र0 की वेबसाइट https://obccomputertraining.upsdc.gov.in/पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। संस्थाओं के चयन का कार्य पूर्ण हो चुका है। 01 अगस्त, 2026 से प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण प्रारम्भ हो जाएगा। 'ओ' लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अवधी 01 वर्ष तथा 'सी0सी0सी0' कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अवधी 03 माह है। 'ओ' लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु भुगतान की जाने वाली धनराशि 15000/- प्रति प्रशिक्षार्थी तथा 'सी0सी0सी0' कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए 3500/- प्रति लाभार्थी को विभाग द्वारा सीधे भुगतान करने की व्यवस्था है।

संक्षिप्त खबरें

सुविधा शुल्क के लिए सचिव ने पीड़ित का प्रमाण पत्र फार्म फाड़कर दिया फेंक-लगा आरोप

बीडीओ की चुप्पी और सचिव की मनमानी से जनता परेशान

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खंड कप्तानगंज भारत सरकार भले ही भ्रष्टाचार मुक्ति का दावा करती है लाखों रुपए खर्च कर बैनरों पोस्टरों के माध्यम से ढिंढोरा पीटवा रही है ।सरकारी दावे महज दिखावा बनकर रह गया है। कप्तानगंज ब्लाक के चर्चित सचिव पंकज सिंह का मृत्यु प्रमाण पत्र फार्म फाड़कर फेंकने का ताजा मामला सुर्खियों में है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने अपनी मां का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए फार्म भरकर दिया था ।जिनका देहांत 4 जून को हुआ था ।सचिव द्वारा सुविधा शुक्ल की मांग की गई। मांग पूरा न करने पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए फार्म फाड़ कर फेंकने की घटना से पीड़ित आहत हैं। पीड़ित ने बताया कि जब तक सुविधा शुल्क नहीं मिलेगा तब तक आपको प्रमाण पत्र नहीं दिया जाएगा।ऑफिस से दुतकार खाने के बाद पीड़ित किसी तरीके से 200 लेकर साहब के चेंबर में पहुंचकर नजराना पेश किया। लगभग दो हफ्ते बीत चुका पीड़ित को अभी तक कागज नही मिल पाया है ।सवाल यह है कि क्या सचिव पंकज सिंह को सरकार वेतन नही देती हैं जो सरकारी कागज बनाने के नाम पर गरीब जनता से रिश्वत की डिमांड करते हैं। सवाल यह भी है कि सेवा के अंतिम दौर में पहुंचे बीडीओ चंद्रभान उपाध्याय चुप्पी साधे हुए क्यों है।

सिद्धार्थनगर में ग्राम प्रशासकों ने उप निदेशक पंचायती राज को सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन

सिद्धार्थनगर। जनपद मुख्यालय पर ग्राम प्रशासकों के प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत विभाग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पंचायती राज उप निदेशक बस्ती मंडल समरजीत यादव से मुलाकात की। इस दौरान ग्राम प्रशासकों ने पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए लंबित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति देने के लिए नए कार्यों की स्वीकृति प्रदान की जाए। साथ ही पूर्व में कराए गए कार्यों का लंबित भुगतान शीघ्र कराया जाए, ताकि ग्राम पंचायतों के विकास कार्य प्रभावित न हों। इसके अतिरिक्त ग्राम प्रशासकों ने मानदेय भुगतान सहित पंचायत प्रशासन से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान की भी मांग उठाई। ग्राम प्रशासकों का कहना था कि पंचायत स्तर पर कई आवश्यक कार्य लंबित हैं, जिससे ग्रामीण विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पंचायतों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की। उप निदेशक पंचायत ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए मांगों पर नियमानुसार विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रधान संगठन के सोनू यादव, यशोदानंदन सहित आदि लोग उपस्थित रहें।

वीरांगना दुर्गावती की पांच सौ दो वीं पुण्य तिथि पर शिक्षाविदों,तथा सपा महानगर का सेमिनार

कानपुर। वीरांगना दुर्गावती की पांच सौ दो पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी महानगर के कार्यकर्ताओं,फ्रंटल संगठनों, पीडीए टीम, शिक्षाविदों तथा युवाओं टीम ने लड़कियों को शिक्षा मे महत्व दिये जाने को लेकर सेमिनार सपा अध्यक्ष हाजी फज़ल महमूद की अध्यक्षता में सपा हाल नवीन मार्केट परेड में आरम्भ हुआ। जिसका संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। सर्व प्रथम सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फज़ल महमूद ने वीरांगना दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रदासुमन अर्पित किये और इसके बाद सेमिनार को सम्बोधित करते हुए कि वीरांगना दुर्गावती ने अन्याय, अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करके लडकियो को तीर धनुष की ट्रेनिंग देकर,अन्याय के खिलाफ संघर्ष की शिक्षा देकर समाज मे महिलाओ की रक्षा के साथ शिक्षा का बिगुल बजाकर राजाओं के छकके छुड़ाकर देश की एकता तथा आत्म सुरक्षा का सन्देश दिया। अध्यक्ष फजल महमूद ने सम्बोधन मे कहा कि वीरांगना दुर्गावती ने समाज मे जब लड़कियों को घर के बाहर नहीं निकलती थी तब उन्होने लड़कियों को शिक्षा के लिये गांव गांव चौपाल लगाकर शिक्षित किया। लेकिन आज का भाजपा नेतृत्व महिलाओ की रक्षा एव उनको शिक्षा क्षेत्र में सुविधा देने से कतराती रहती है, जबकि महिलाएं आज शिक्षित होकर विश्व में अग्रणी भूमिका निभा रही है। सेमिनार मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के के शुक्ला,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, रजत मिश्रा, विनय गुप्ता, अजय शर्मा, अकुज वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार में लिप्त वीडिओ फर्जी कार्य पर कार्यवाही को नहीं जुटा पा रहे हिम्मत

- जेई, प्रधान, सचिव तथा रोजगार सेवक बीडीओ के सय पर भ्रष्टाचार की सीमा किए पार
- जांच में क्या हुई कार्यवाही का सवाल पूछने पर पत्रकार से तू तड़ाक पर उतारू बीडीओ
- अंतिम सांस से गिन रहे खंड विकास अधिकारी पर कारवाई कब होगी
- खेल मैदान व पानी भरे तालाब की खुदाई पर दुबारा फर्जी मस्टर रोल हुआ जारी सचिव और रोज गार सेवक मिलकर लगा रहे भ्रष्टाचार की हाजिरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। भारत सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त दावों को खोखला करने का प्रयास खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज द्वारा किया जा रहा है। भ्रष्टाचार की खबरें पिछले 15 दिनो प्रमुखता से उजागर होने के बाद भी बीडीओ कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार कप्तानगंज ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत नरहरपुर में हुए भ्रष्टाचार को लेकर उच्चतम अधिकारी ने नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। नोटिस का जवाब बीडीओ तथा उनके मातहत कर्मचारी अपने उच्च अधिकारी को प्रेषित करना मुनासिब नही समझ रहे हैं। बावजूद खेल मैदान व तालाब पर पुनः मस्टर रोल जारी करके फर्जी हाजिरी लगाई जा रही है। जिसमे जेई,प्रधान,सचिव तथा रोजगार सेवक की भूमिका अहम दिखाई देती है या निभाई जा रही है। वही बीडीओ के सय पर भ्रष्टाचार की सीमा को पार करने में कोई कोर कसर नही छोड़ा जा रहा है।

पानी भरे तालाब में लगी फर्जी हाजिरी/जांच के बाद पुनः उसी पर मस्टररोल जारी होने से सेवा के अंतिम दौर में पहुंचे बीडीओ से जब मीडिया टीम ने जानकारी लेनी चाहि तो साहब ने बताया कि तुम हमारे अधिकारी नही हो मै तुम्हे कोई जानकारी नही दे सकता हूं। बडा सवाल यह है कि क्या बीडीओ भ्रष्टाचार कराए और सवाल भी न पूछा जाए। अब देखना यह है कि क्या जिले के उच्च अधिकारी भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे बीडीओ व मातहत

कर्मचारी पर कोई कार्यवाही करते है या फिर लेनदेन कर मामले को रफादफा कर दिया जाएगा। लेकिन सवाल या खड़ा होता है क्या खंड विकास अधिकारी चंद दिनों के मेहमान है और फिर भी भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी लगाने से चूक नहीं रहे हैं विकासखंड अंतर्गत में इतना भ्रष्टाचार चल रहा है की फर्जी रिपोर्ट लगाना फर्जी हाजिरी लगाना खंड विकास अधिकारी फर्जी कामों के लिए मशहूर हो गए हैं क्या इन पर जिले के अधिकारी कार्रवाई नहीं कर सकते हैं या फिर जिले पर भी रेवड़ी बांट रहे हैं ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर कारवाई कब होगी।

शेखाझील को गहरा करने की तैयारी, वाटर रीचार्ज के बाद सालभर रहेगा पानी; पिकनिक स्पॉट

अलीगढ़। शेखाझील को रामसर साइट में शामिल कर लिया गया है। इससे यहां विकास व कायाकल्प के कार्यों को भी प्रमुखता से कराया जाएगा। इसके लिए शासन से बजट भी शीघ्र मिलने की राह खुल गई है। ऐसे में वन विभाग ने शेखाझील को गहरा करने की योजना बनाई है। इसका प्रस्ताव भी शासन को भेज दिया गया है। झील के गहरी होने से इसमें वर्षभर पानी भरा रहेगा और वाटर रीचार्ज में भी सहायक होगा। इस झील में उत्पन्न होने वाली जलकुंभी को हटाने के लिए भी शासन से बजट की मांग की गई है। अक्टूबर 2025 में विभाग ने झील से जलकुंभी हटवाई थी। शेखाझील को पिछले महीने ही रामसर साइट में शामिल करने संबंधी निर्णय लिया गया था। अलीगढ़ के धनीपुर ब्लाक में स्थापित शेखाझील लंबे समय से पक्षी प्रेमियों के लिए उत्कृष्ट पर्यटन स्थल में शामिल रहा है। इसमें अपर गंगनहर से पानी लाया जाता है। गर्मियों में पानी का स्तर कम होने के कारण झील सूख जाती थी। मगर अब इसकी गहराई बढ़ाने से इसमें वर्षभर पानी रहेगा।इससे झील का आकर्षण भी नहीं खत्म होगा और जमीन के नीचे वाटर रीचार्ज भी बेहतर ढंग से होगा।

कोचिंग संस्थानों की संयुक्त जांच, मानक पूरे न करने वालों को जारी किया गया नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में संचालित कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा, व्यवस्थाओं एवं मानकों की जांच के लिए क्षेत्राधिकारी सदर सत्येन्द्र भूषण तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) बस्ती तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी (CFO) बस्ती की संयुक्त टीम द्वारा व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न कोचिंग संस्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर निर्धारित मानकों की जांच की गई।निरीक्षण के दौरान टीम ने संस्थानों में अग्निरोधक व्यवस्थाओं, भवन की संरचनात्मक स्थिति, संचालन संबंधी मान्यता के आवश्यक दस्तावेजों, प्रवेश एवं निकास मार्गों की उपलब्धता, अग्निशमन उपकरणों की कार्यशीलता, विद्युत सुरक्षा मानकों, पार्किंग व्यवस्था, सीढ़ियों एवं लिफ्ट की स्थिति सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं का गहन परीक्षण किया।

अधिकारियों ने कोचिंग संस्थान संचालकों को छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कई संस्थानों में सुरक्षा एवं संचालन संबंधी मानकों का अनुपालन

संतोषजनक पाया गया, जबकि कुछ संस्थानों में आवश्यक व्यवस्थाओं में कमी मिलने पर संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किया गया। संयुक्त टीम ने स्पष्ट किया कि जिन संस्थानों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संचालकों को निर्धारित समयावधि के भीतर कमियों को दूर करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रकार के निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे। प्रशासन की इस कार्रवाई से कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर की तौहीन, बजरंग दल का प्रदर्शन, कोतवाल पर लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। सोशल मीडिया पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा से जुड़ी कथित फर्जी तस्वीर वायरल होने के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। इस प्रकरण को लेकर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दही कोतवाली पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और निष्पक्ष जांच की मांग की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भीम आर्मी से जुड़े एक युवक द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कथित रूप से फर्जी तस्वीर तैयार कर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया, जिससे समाज में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई। मामले को लेकर पहले दही कोतवाली में प्रदर्शन भी किया गया था।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं का कहना है कि पुलिस द्वारा वार्ता के लिए बुलाए जाने पर जब वे कोतवाली पहुंचे तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी ने उनकी बात सुनने के बजाय उन्हें ही आरोपी को बचाने का आरोप लगाया तथा कार्रवाई की चेतावनी दी। कार्यकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और पुलिस कार्यप्रणाली के

खिलाफ आवाज उठाने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

एसपी कार्यालय पहुंचे कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। वहीं, दही थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई कर रही है। उनके अनुसार संबंधित मामले में दो युवकों को हिरासत में लिया गया था और कुछ लोग उन्हें छुड़ाने के उद्देश्य से थाने पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, मामले को लेकर दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे हैं और पुलिस प्रशासन द्वारा जांच जारी है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय लिया जाएगा।

CM योगी का हेलीकॉप्टर AMU में उतरने पर छात्र ने उठाए सवाल... कहा कुछ तो शर्म करो; सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हेलीकॉप्टर के अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के क्रिकेट मैदान में उतरने पर यूनिवर्सिटी के विदेशी भाषा विभाग के छात्र अज़ीमुर रहमान ने सवाल उठाए हैं। कहा है, मुख्यमंत्री वैसे तो एएमयू को लेकर बयानबाजी करते हैं। अलीगढ़ आते हैं तो यहां की जमीन का इस्तेमाल करते हैं। 'कुछ तो शर्म करो।' सोशल मीडिया पर बयान का वीडियो जारी कर छात्र ने कहा है कि यहां के सांसद सतीश गौतम एएमयू के खिलाफ जहर उगलते हैं। आतंकवादी, देशद्रोही कहते हैं। योगी आदित्यनाथ जब भी अलीगढ़ आते हैं, एएमयू में उतरते हैं। 'योगी आदित्यनाथ जी आपकी शर्म कहां चली जाती है। जिस यूनिवर्सिटी के खिलाफ आप बोलने से बचते नहीं हैं, हमेशा उसी यूनिवर्सिटी की जमीन पर उतरते हैं। कोई तो शर्म होनी चाहिए।' सवाल किया है कि आप इतने असुरक्षित क्यों हो जाते हैं, जब यहां का प्रशासन मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारता है। इसकी वजह बताएंगे? मैं जिस शहर में रहता हूं, वहां रात भर भजन चलता है। कांवड़ यात्रा पर आप इतना गाना-बजाना करते हो, डीजे बजता है।

पेपर लीक, छात्रों की आत्महत्या को लेकर त्याग पत्र दें धर्मेन्द्र प्रधान- पुनीत पाठक

- 12 वर्षों में 23 राष्ट्रीय परीक्षाओं के पेपर लीकशिक्षा व्यवस्था वसूली तन्त्र बन गया- कांग्रेस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक ने कहा कि पेपरलीक मामलों में केन्द्र सरकार की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ छात्रों की आत्महत्या और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के त्याग पत्र की मांग को अनसुना कर देना चिन्ताजनक है। कहा कि कांग्रेस लगातार शिक्षा के सवाल को लेकर संघर्षरत है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पेपरलीक के मामले को प्रमुखता से उठाया, छात्रों का हौसला बढाया और आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों से मिले किन्तु परीक्षा में सुझाव देने वाले प्रधानमंत्री खामोश हैं और अनगिनत खामियों के बावजूद केन्द्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा त्याग पत्र न दिया जाना लोकतांत्रिक नैतिकता के विरूद्ध है।

पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये पुनीत पाठक ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के अलावा सीबीएससी की उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन में गड़बड़ियों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश में चाहे लेखपाल भर्ती परीक्षा हो, यूपीएसआई, पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा हो, आरओ-एआरओ भर्ती परीक्षा हो. एसएससी जीडी भर्ती परीक्षा हो, सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा हो, ऐसी तमाम प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक के माध्यम से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयीं। हाल ही में हुई नीट परीक्षा के पेपर लीक के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा आवाज उठाने एवं सड़कों पर संघर्ष करने के चलते सरकार को पुनः परीक्षा कराने का निर्णय लेना पड़ा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि नीट पेपर लीक से पैदा हुए मानसिक तनाव के कारण देश के विभिन्न राज्यों से अब तक 12 छात्र अपनी जान गंवा चुके हैं। कांग्रेस पार्टी इसे आत्महत्या नहीं बल्कि सरकार उत्प्रेरित हत्या मानती है। राजस्थान में प्रदीप मेघवाल, दिल्ली में अंशिका पाण्डेय, उ0प्र0 में रितिक मिश्रा व शिवानी यादव, गोवा में सिद्धार्थ हेगडे, कर्नाटक में भाग्यश्री, मध्य प्रदेश में आकांक्षा चतुर्वेदी, राजस्थान में उमेश माली और रेणु मीणा, उत्तराखण्ड में रिया कुमारी थापा, तमिलनाडु में अनुकीर्तना, गुजरात में कहान पटेल ने मानसिक तनाव में अपनी जान दे दी।दुर्भाग्यपूर्ण है कि परीक्षा के प्रश्नपत्र छपने के बाद बिचौलियों के जरिए परीक्षा से पहले बड़ी संख्या में प्रश्नपत्र बेंचे जाते हैं। जांच में कुछ छात्रों ने बताया है कि उन्होने लीक पेपर के लिए 25हजार से 40 लाख रूपये तक चुकाये। पिछले 12 वर्षों में 23 राष्ट्रीय

परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं यानी लगभग हर वर्ष दो पेपर लीक हुए हैं। अब तक देश भर में लगभग 90 से अधिक पेपर लीक हो चुके हैं लेकिन दोषियों को सजा मिलने के मामले न के बराबर है। कांग्रेस इन सवालों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है। कांग्रेस नेता वृजेश आर्य, शौकत अली नन्हू, डा. वाहिद अली सिद्दीकी , संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था आज सिर्फ एक वसूली तन्त्र बनकर रह गया है। इन्हीं पीड़ाओं को लेकर राहुल गांधी पूरे देश में छात्रों की गूंज कार्यकम अभियान के माध्यम से निष्पक्ष और सस्ती-बेहतर शिक्षा प्रणाली की आवाज बनेंगे। छात्रों की गूंज अभियान पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के अग्रिम संगठन एनएसयूआई और युवा और युवा कांग्रेस के माध्यम से चलाया जाएगा। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से साधू शरन आर्य, अलीम अख्तर, सुधीर यादव, राहुल चौधरी, प्रशान्त पाठक, संजय कुमार, अवनीश पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

कप्तानगंज विकासखंड के ग्राम पंचायतरखिया में उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन में ग्रामीणों ने किया हंगामा

- उचित दर विक्रेता (कोटेदार) की दुकान के चयन प्रक्रिया के नियम के बारे में पहले नही दी गई थी सारी जानकारी- ग्रामीण
- ग्राम प्रधान समेत सभी ग्रामीणों ने बैठक को निरस्त कर पुनः उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन के लिए किया मांग
- उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन में हुए अनियमितता को लेकर उच्च अधिकारियों से होगी शिकायत- ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले के विकासखंड कप्तानगंज ग्राम पंचायत रखिया में उचित दर विक्रेता (कोटेदार) की दुकान के चयन के लिए पंचायत भवन पर बैठक आयोजित की गई थी । बैठक में खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज चंद्रभान उपाध्याय, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सुशील कुमार श्रीवास्तव,सहायक विकास अधिकारी (कृषि) अरुण पटेल,सचिव अरविंद चौधरी,ग्राम प्रधान सुग्रीव यादव व कप्तानगंज पुलिस की मौजूदगी में हुई। उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन के लिए सबसे पहले ग्राम पंचायत मतदाता सूची के एक चौथाई मतदाता का बैठक में उपस्थित होना आवश्यक था। खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि पहले ग्राम पंचायत के मतदाता सूची के हिसाब से 426 मतदाताओं को बैठक में उपस्थित होने के बाद ही अन्य प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित सबसे पहले हस्ताक्षर के माध्यम से ग्रामीणों की उपस्थित दर्ज कराई और बाद में उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन के लिए जारी नियमों को बताया गया। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन के लिए जारी नियमों को बताते समय ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन के लिए पहले सारे नियमों को नही बताया गया था और ग्रामीणों की खुली बैठक में चयन प्रक्रिया को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया था। ग्रामीणों का कहना था कि चयन प्रक्रिया ग्रामीणों की खुली बैठक में हो लेकिन चयन प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों व कर्मचारियों ने कहा कि हम सब खुली बैठक में चयन नही कर सकते और हम कानून से कार्य करेंगे। थोड़ी देर बाद चयन प्रक्रिया के पहले ही बीडीओ व एडीओ पंचायत बैठक से उठकर ब्लाक मुख्यालय चले गए।

बैठक में उपस्थित महिलाओं ने बैठक का बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और बैठक को निरस्त कर पुनः उचित दर विक्रेता की दुकान की चयन के लिए तिथि निर्धारित करने की मांग पर अड़े रहे। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों के हंगामे के बीच सचिव अरविंद चौधरी ने एक समूह की महिला का आवेदन उचित दर विक्रेता की दुकान के लिए ले लिया। जब ग्रामीणों को पता चला कि सचिव

द्वारा एक समूह की महिला का आवेदन लिया गया है तो महिलाएं उग्र हो गई और सचिव अरविंद चौधरी के गाड़ी के आगे आकर विरोध-प्रदर्शन करने लगी। महिलाओं के कड़े विरोध प्रदर्शन को देखते हुए कप्तानगंज पुलिस ने कप्तानगंज थाने पर फोन के माध्यम से सूचना देकर पुनः भारी संख्या में पुलिस बल भेजने की मांग की। थोड़ी देर बाद भारी संख्या कप्तानगंज की टीम पहुंची और आक्रोशित महिलाओं को समझो जाकर मामले को शांत कराया। इस संबंध में ग्राम प्रधान सुग्रीव यादव ने कहा कि उचित दर विक्रेता की दुकान के चयन की प्रक्रिया हंगामा होने के कारण पूर्ण नहीं हो पाई है चयन प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से पुनः मांग की जायेगी एवं सचिव अरविन्द चौधरी ने फोन रिसीव नहीं किया। उक्त प्रकरण में खंड विकास अधिकारी चंद्रभान उपाध्याय ने बताया कि सचिव द्वारा जानकारी दी गई है कि एक समूह द्वारा एक फार्म दिया गया है लेकिन अभी चयन प्रक्रिया की सारी कार्रवाई पूर्ण नहीं हो पाई है। ग्राम प्रधान व ग्रामीणों की सहमति के आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

'मुर्दा' का बयान दर्ज कर कोर्ट में आख्या देने वाले दरोगा निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में एक हैरान करने वाले मामले में मृत महिला का बयान दर्ज कर उसे जीवित दिखाते हुए कोर्ट में जांच आख्या प्रस्तुत करने वाले उपनिरीक्षक (एसआई) जावेद खान को पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई सिविल जज सीनियर डिवीजन (एफटीसी) शुभम द्विवेदी के आदेश के बाद की गई। कोर्ट ने एसआई के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 379 के तहत प्रकीर्ण वाद चलाने का भी आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार, सिविल जज सीनियर डिवीजन एफटीसी की अदालत में ओमप्रकाश बनाम प्रहलाद आदि का मुकदमा विचाराधीन है। अदालत ने 10 फरवरी 2026 को मुंडेरवा थाने से मामले की जांच रिपोर्ट तलब की थी। इसके क्रम में तत्कालीन जांच अधिकारी एसआई जावेद खान ने 10 मार्च 2026 को अपनी आख्या प्रस्तुत की, जिसमें घायल पीड़िता बिन्दवासिनी पत्नी ओमप्रकाश सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज होने का उल्लेख किया

गया। मामले में प्रतिवादी प्रहलाद ने 1 मई 2026 को शपथ-पत्र दाखिल कर दावा किया कि बिन्दवासिनी की मृत्यु 26 नवंबर 2024 को हो चुकी है। इसके समर्थन में उन्होंने न्यायालय में चल रहे एक अन्य मुकदमे के दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिसमें बिन्दवासिनी को मृत दर्शाते हुए वरासत का आवेदन किया गया था। इस पर कोर्ट ने एसआई से स्पष्टीकरण मांगा। जवाब में उन्होंने स्वीकार किया कि उनसे भूलवश यह त्रुटि हुई है। हालांकि अदालत ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए जानबूझकर शिथिलता बरतने की टिप्पणी की और एसपी को कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद एसपी ने एसआई को निलंबित कर जांच क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार को सौंप दी तथा इसकी सूचना उच्च अधिकारियों और न्यायालय को भेज दी।

सिद्धार्थनगर में ग्राम प्रशासकों ने उप निदेशक पंचायती राज को सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन

सिद्धार्थनगर। जनपद मुख्यालय पर ग्राम प्रशासकों के प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत विभाग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पंचायती राज उप निदेशक बस्ती मंडल समरजीत यादव से मुलाकात की। इस दौरान ग्राम प्रशासकों ने पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए लंबित समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति देने के लिए नए कार्यों की स्वीकृति प्रदान की जाए। साथ ही पूर्व में कराए गए कार्यों का लंबित भुगतान शीघ्र कराया जाए, ताकि ग्राम पंचायतों के विकास कार्य प्रभावित न हों। इसके अतिरिक्त ग्राम प्रशासकों ने मानदेय भुगतान सहित पंचायत प्रशासन से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान की भी मांग उठाई। ग्राम प्रशासकों का कहना था कि पंचायत स्तर पर कई आवश्यक कार्य लंबित हैं, जिससे ग्रामीण विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पंचायतों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की। उप निदेशक पंचायत ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए मांगों पर नियमानुसार विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्र, सोनू यादव, यशोदानंदन सहित आदि लोग उपस्थित रहें।

दो बाइकों की टक्कर मे घायल युवक की मौत, तिवारीपुर गांव मे मातम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले मे दो बाइकों की टक्कर मे घायल युवक की इलाज के दौरान लखनऊ मेडिकल कॉलेज में मौत हो गयी। दुबौलिया थाना क्षेत्र के मझियार गांव के पास राम-जानकी मार्ग पर 21 जून को दो मोटरसाइकिल सवारों में आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। टक्कर इतना तेज रहा कि दोनों मोटर साइकिल सवार सड़क पर गंभीर रूप से जख्मी होकर गिरे और तड़पने लगे। मौके पर पहुंचे लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दिये। आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

घायलों में मुकामी थाना क्षेत्र के तिवारी पुर गांव के नन्द किशोर तिवारी उम्र 30 बर्ष और कलवारी थाना क्षेत्र के अमिलिहा निवासी रंजीत के रूप में हुई। नन्द किशोर तिवारी अपने घर से दुबौलिया की तरफ और रंजीत दुबौलिया की ओर से कलवारी की तरफ जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रंजीत काफी स्पीड में लापरवाही पूर्वक बाइक चलाते हुए नन्द किशोर तिवारी की बाइक में जबरदस्त ठोकर मारा।

घटना मे दोनों सवार सड़क पर गिर कर घायल हो गये। जिला अस्पताल बस्ती में भर्ती नन्द किशोर तिवारी की हालत नाजुक देख डाक्टरों ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ

के लिए रेफर कर दिया जहां जिंदगी मौत से जुझते हुए नन्द किशोर तिवारी की मौत हो गयी। नन्द किशोर तिवारी की दो साल पहले शादी हुई थी और एक साल का लड़का है दो भाई में नन्द किशोर तिवारी बड़े थे। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इस घटना से न केवल तिवारी पुर गांव के लोग गमजदा है अपितु क्षेत्र में शोक की लहर है।

वाहन पार्किंग में खड़ा करें और अपने शहर को जाम से बचाएं - कमिश्नरेट यातायात पुलिस

- नो पार्किंग जोन में खड़े 7 वाहनों को यातायात पुलिस ने पहुंचाया थाने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 24.06.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सुगम यातायात योजना' Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme' के अंतर्गत शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा लाउड हेलर के माध्यम से वाहन स्वामियों/चालकों को सूचित करते हुए अपने वाहनों को तत्काल नो पार्किंग क्षेत्र से

हटाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बावजूद भी जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहन नहीं हटाए गए, उनके वाहनों को क्रेन के माध्यम से कुल 07 चार पहिया वाहनों को सम्बन्धित थाने में भेजा गया। वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु अंतिम चेतावनी देते हुए नियमानुसार उनके वाहन सुपुर्द किए गए।

यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें। यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। यातायात पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं किसी भी असुविधा की स्थिति में ट्रैफिक कण्ट्रोल/हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

संक्षिप्त खबरें

गुरु दीक्षा और विशाल भंडारे के साथ संपन्न हुई श्रीहरि कथा

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के करुणा बाजार चौराहा स्थित आयोजन स्थल पर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से आयोजित चार दिवसीय श्रीहरि कथा का मंगलवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के अंतिम दिन श्रीहरि संकीर्तन का आयोजन हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा प्रदान की गई। प्रख्यात संत आशुतोष महाराज के शिष्य स्वामी शिवशरणानंद जी महाराज ने विधि विधान से शिष्यों को दीक्षा दी। उन्होंने अनुयाईयों को सनातन संस्कृति के आदर्शों पर चलने और आध्यात्मिक जीवन अपनाने का संदेश दिया। समापन समारोह में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय अध्यक्ष अमित सिंह वत्स, विहिप के प्रांत उपाध्यक्ष रामगोपाल त्रिपाठी, केसी गुप्ता, पीके गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता दीपेंद्र गुप्ता, राजू सिंह, देवराज मास्टर, पवन सिंह, बेनीमाधव यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बहन से छेड़छाड़ और जबरन शादी का दबाव, युवक ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

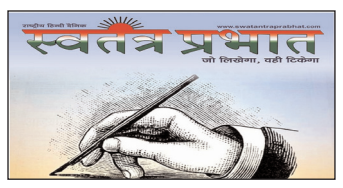

उन्नाव। शहर के आदर्श नगर, नहर किनारा बगिया रोड स्थित मकान संख्या 786 के निवासी रोमी सोनकर पुत्र रमेश सोनकर ने एक युवक पर अपनी बहन के साथ छेड़छाड़ करने, जबरन शादी का दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत उन्होंने 20 जून 2026 को जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई है। रोमी सोनकर का आरोप है कि विजय सोनकर पिछले लगभग तीन महीनों से उनकी बहन शिखा सोनकर (बदला हुआ नाम) के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहा है और उस पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहा है। आरोप है कि विरोध करने पर वह जान से मारने की धमकी देता है तथा सोशल मीडिया के माध्यम से बदनाम करने की बात कहकर परिवार को भयभीत कर रहा है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि इस संबंध में जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की गई है। रोमी सोनकर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले में निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

अग्गरपुर ककरामऊ नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में लहरपुर पावर हाउस इलेवन ने जीता फाइनल

रंजीत वर्मा ने मेडल देकर खिलाड़ियों को किया सम्मानित

तालगांव सीतापुर- क्षेत्र के ककरामऊ गांव में नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया इस टूर्नामेंट के आयोजक रंजीत वर्मा ने क्रिकेट खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए क्रिकेट की बारीकियों के बारे में बताया टूर्नामेंट का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक अनिल वर्मा के पुत्र अतुल वर्मा व नि विधायक सुनील वर्मा ने फीता काटकर किया टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने मेहनत मशक्कत करते हुए क्रिकेट खेला फाइनल मैच लहरपुर पावर हाउस इलेवन व परसेंडी गढ़ी इलेवन के बीच खेला गया लहरपुर इलेवन ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया पहले बल्लेबाजी करते हुए लहरपुर इलेवन ने चार ओवर में 28 रन का लक्ष्य दिया जवाब में परसेंडी गढ़ी इलेवन मात्र 27 रन बना पाई फाइनल मैच जीतते ही हजारों की संख्या में इस्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने तालिया बजाकर कर उत्साह वर्धन किया इस टूर्नामेंट में सहयोगी धीरू यादव प्रतिनिधि सदस्य जिला पंचायत ,डॉक्टर अजीम,आदि ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई।

यूपी में किसानों के आएंगे अच्छे दिन, 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड बनाएगी योगी सरकार

● सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड बनाने और 58.90 लाख पुराने कार्डों के नवीनीकरण का लक्ष्य रखा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। किसानों को कृषि निवेश उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने इस बार किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और फसली ऋण वितरण के लक्ष्य तय कर लिए है। चालू वित्तीय वर्ष में 25 लाख नए केसीसी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं 58.90 लाख केसीसी का नवीनीकरण कराने को कहा गया है। इसके साथ खरीफ सीजन में किसानों को 2,14,457.75 करोड़ रुपये का फसली ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए कृषि विभाग, बैंकिंग संस्थाओं संग समन्वय बनाकर अभियान चलाएगा। कृषि विभाग के अनुसार खरीफ 2025 में प्रदेश के किसानों को 53,194.80 करोड़ रुपये का फसली ऋण वितरित किया गया था, जो उस समय निर्धारित लक्ष्य का लगभग 71 प्रतिशत रहा था। पिछले वर्ष लक्ष्य से पीछे रहने के कारण इस बार विभाग विशेष रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है।

पात्र लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर

फसली ऋण किसानों को बीज, उर्वरक, कीटनाशक और अन्य कृषि निवेश खरीदने में मदद करता है, जिससे खेती की लागत का प्रबंधन आसान होता है। सरकार ने सभी जिलों में कृषि विभाग और बैंकों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत ऋण वितरण की नियमित समीक्षा होगी। वहीं किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के भी विस्तार की योजना है। वर्ष 1999-2000 में शुरू की गई इस योजना के तहत वर्ष 2025-26 तक प्रदेश में 76.91 लाख किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। अब वर्ष 2026-27 में 25 लाख नए केसीसी बनाने व पुराने केसीसी का नवीनीकरण करने के लिए अभियान चलाने और लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी पात्र लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। इसे पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारियों को अधिक से अधिक पात्र किसानों को केसीसी से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

आईआईएससी बेंगलुरु में चयनित हुईं अंशिका

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल की कक्षा-12 की छात्रा अंशिका शर्मा ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनका चयन देश के प्रतिष्ठित विज्ञान शोध संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) बेंगलुरु के चार वर्षीय बीएससी (रिसर्च) कार्यक्रम में हुआ है। अंशिका की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक सुनील सिंह और प्रबंधक शांतनु सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय के प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि अंशिका ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में ओएसएम प्रणाली की विसंगतियों को लेकर पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया था। पुनर्मूल्यांकन के बाद उनके अंक 92.2 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हो गए हैं।आईआईएससी में प्रवेश और बोर्ड परीक्षा में अंकों की वृद्धि, अंशिका की दोहरी उपलब्धि मानी जा रही है। विद्यालय ने अंशिका और उनके अभिभावकों को बधाई दी है। प्रधानाचार्य अभिषेक रंजन, सभी शिक्षकों तथा सहपाठियों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

लखनऊ हादसे से भी नहीं मिली सीख, लालगंज में बिना फायर एनओसी चल रहे कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। लखनऊ में हाल ही में हुए अग्निकांड में छात्रों की मौत के बाद भी लालगंज में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर में संचालित अधिकांश कोचिंग सेंटर, कंप्यूटर संस्थान और लाइब्रेरी बिना फायर एनओसी के चल रहे हैं। कई संस्थानों में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं हैं। नगर क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक कोचिंग सेंटर, कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान और लाइब्रेरी संचालित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इनमें से अधिकांश संस्थानों ने अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया है। कई जगह अग्निशमन यंत्र भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। लोगों का कहना है कि कुछ संस्थानों में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई करते हैं। इसके बावजूद आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी की व्यवस्था नहीं है। आग जैसी दुर्घटना होने पर हालात गंभीर हो सकते हैं। स्थिति यह भी है कि फायर स्टेशन लंबे समय से संसाधनों और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। स्टेशन पर नियमित प्रभारी अधिकारी न होने की भी चर्चा है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद भी नगर में कोई व्यापक जांच अभियान शुरू नहीं हुआ है। न ही विभाग के पास यह स्पष्ट आंकड़ा है कि कितने कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी और अन्य संस्थान संचालित हैं और उनमें सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है या नहीं। इस संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश पर जिले के कई कोचिंग संस्थानों की जांच की गई है। अन्य स्थानों पर भी जांच अभियान शुरू कराया जाएगा।

महराजगंज प्रशासन ने मानकविहीन कोचिंग सेंटरों एवं ई-लाइब्रेरी के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महराजगंज प्रशासन ने मानकविहीन कोचिंग सेंटरों एवं ई-लाइब्रेरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम के नेतृत्व में बुधवार को चलाए गए विशेष जांच अभियान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर चार संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। गौरतलब है कि हाल ही में लखनऊ में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में सार्वजनिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी क्रम में महराजगंज में भी कोचिंग सेंटरों और ई-लाइब्रेरी की व्यापक जांच कराई गई, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। संयुक्त जांच टीम में क्षेत्राधिकारी, अग्निशमन विभाग, पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल रहे। टीम ने चंदापुर चौराहे स्थित श्री ई-लाइब्रेरी, पावरहाउस के सामने संचालित लक्ष्य ई-लाइब्रेरी, तथा रायबरेली रोड पर संचालित जीवनधारा एवं ज्ञान गंगा कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि चारों संस्थान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। कई स्थानों पर अग्निशमन संबंधी आवश्यक उपकरण नहीं मिले, वहीं संस्थानों के पास फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) एवं अन्य आवश्यक पंजीकरण दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे। छात्रों की सुरक्षा से जुड़े गंभीर पहलुओं को देखते हुए प्रशासन ने सभी चारों संस्थानों को सील कर दिया। उपजिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम ने स्पष्ट किया कि बिना वैध पंजीकरण, फायर एनओसी तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन के किसी भी संस्थान को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसडीएम ने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में कस्बे के मॉल, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य भीड़भाड़ वाले संस्थानों में भी सुरक्षा मानकों की विशेष जांच की जाएगी। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस अभियान में क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार, कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव, एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया, लेखपाल संतोष पटेल सहित पुलिस, राजस्व एवं अग्निशमन विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रधान प्रतिनिधि डब्बू सिंह द्वारा निजी खर्च से मूंगताल ड्रेन की सफाई शुरू किसानों में खुशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/ रायबरेली: केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार भले ही किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का दावा करती हों, लेकिन महराजगंज तहसील क्षेत्र में किसानों की समस्याओं को लेकर प्रशासनिक उदासीनता की तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली मूंगताल ड्रेन की पिछले लगभग 10 से 15 वर्षों से समुचित सफाई न होने के कारण हर वर्ष हजारों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो जाती है, जिससे किसानों की धान सहित अन्य फसलें बर्बाद हो जाती हैं। लगातार हो रहे नुकसान से क्षेत्र के हजारों किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और किसान क्रेडिट कार्ड से लिया गया लोन आदा नहीं कर पा रहे हैं। मूंगताल ड्रेन की सफाई की मांग को लेकर किसानों ने कई बार शासन, प्रशासन और संबंधित विभागों के अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष जन्मेजय सिंह ने भी जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका से मुलाकात कर इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर ड्रेन की सफाई का कार्य जून के प्रथम सप्ताह में शुरू कराने का आश्वासन दिया था। हालांकि जून माह समाप्ति की ओर है, लेकिन विभागीय स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं हुई। ऐसे समय में जब किसानों की धान की पौध रोपाई के लिए पूरी तरह तैयार है और मानसून दस्तक देने वाला है, किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही थी। इसी बीच सिकंदरपुर ग्राम पंचायत की महिला ग्राम प्रधान एवं उनके प्रतिनिधि डब्बू सिंह ने किसानों की पीड़ा को समझते हुए बड़ा कदम उठाया। किसानों से मुलाकात के बाद उन्होंने भरोसा दिलाया कि, ड्रेन की सफाई के लिए उन्हें शासन-प्रशासन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अपने वादे को निभाते हुए बुधवार से उन्होंने निजी खर्च पर जेसीबी मशीन लगाकर मूंगताल ड्रेन की सफाई का कार्य शुरू करा दिया। ड्रेन की सफाई शुरू होते ही क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। किसानों का कहना है कि, यदि समय रहते ड्रेन की सफाई पूरी हो जाती है तो जलनिकासी की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी और वे बिना किसी भय के धान की रोपाई कर सकेंगे। कई किसानों ने अपने खेतों में रोपाई की तैयारी भी तेज कर दी है। सिकंदरपुर ग्राम पंचायत तथा आसपास के गांवों के किसानों ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि डब्बू सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, वह उनके लिए किसी जनप्रतिनिधि से बढ़कर हैं। किसानों के अनुसार, डब्बू सिंह हर सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहते हैं। चाहे किसी गरीब की बेटी का विवाह हो या किसी परिवार पर संकट की घड़ी, वह बिना किसी भेदभाव के सहायता के लिए हमेशा आगे आते हैं। गौरतलब है कि, क्षेत्रीय समाजवादी पार्टी विधायक श्यामसुंदर भारतीय ने भी किसानों की इस समस्या को विधानसभा में उठाया था, लेकिन इसके बावजूद समाधान नहीं निकल सका। किसानों का कहना है कि, जुलाई माह शुरू होने वाला है और मानसूनी बारिश कभी भी शुरू हो सकती है। ऐसे में प्रशासन की निष्क्रियता किसानों के लिए भारी पड़ सकती थी। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि, जिस कार्य को शासन और संबंधित विभाग वर्षों से नहीं करा सके, उसे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा अपने निजी संसाधनों से शुरू कराया जाना प्रशासनिक व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। किसानों का कहना है कि, यह पहल इस बात का उदाहरण है कि, यदि जनप्रतिनिधि जनता के प्रति संवेदनशील और जवाबदेह हो, तो अनेक समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही संभव है। मूंगताल ड्रेन से जुड़े हजारों किसानों ने एक स्वर में कहा कि, भविष्य के पंचायत, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में ऐसे जनप्रतिनिधियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि जनता के सुख-दुख में हर समय साथ खड़े दिखाई दें। किसानों को उम्मीद है कि, ड्रेन की सफाई पूरी होने के बाद वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या से उन्हें स्थायी राहत मिलेगी।

संस्थापक प्रधानाचार्य के सम्मान में विद्यालय का विशाल हाल बना रामानुज पांडे सभागार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। ऐहार स्थित श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में बुधवार को संस्थापक प्रधानाचार्य स्मृतिशेष रामानुज पांडे को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। उनकी स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिए विद्यालय के विशाल हाल का नामकरण रामानुज पांडे सभागार किया गया। इस निर्णय से विद्यालय परिवार और क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक कार्तिकेय शंकर बाजपेई ने स्वर्गीय रामानुज पांडे के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि रामानुज पांडे ने वर्ष 1955 से 1980 तक विद्यालय के प्रथम प्रधानाचार्य के रूप में कार्य किया। उनके समर्पण, अनुशासन और दूरदर्शी सोच ने विद्यालय को नई पहचान दिलाई। उन्होंने बताया कि विद्यालय की स्थापना और विकास में स्वर्गीय पांडे का योगदान अतुलनीय रहा। उनके नेतृत्व में शिक्षा के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला। विद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रबंधक ने कहा कि स्वर्गीय पांडे ने जनसहयोग और चंदे के माध्यम से विद्यालय के लिए संसाधन जुटाए। उनके प्रयासों से संस्थान मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि भविष्य में रामानुज पांडे सभागार को और अधिक भव्य व सुविधायुक्त बनाया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अवनींद्र पांडे, अनुशासन प्रमुख दिलीप द्विवेदी, डॉ. कमलाकांत त्रिवेदी, मनीष कुमार मिश्रा, अरुण कुमार पांडे, सुशील बाबू तिवारी, राधेश्याम, राजेश पाल, सुनील चौधरी, रामू, पवन कुमार बल सहित विद्यालय परिवार के अनेक सदस्य मौजूद रहे। हाल का नाम स्वर्गीय रामानुज पांडे के नाम पर रखे जाने पर पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह, शिक्षक नेता कमलेश द्विवेदी, शिक्षक नेता शिवसागर शुक्ला, पूर्व विधायक अशोक सिंह, विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, रामगोपाल त्रिपाठी, विमलेश अग्निहोत्री, आशुतोष शुक्ला, उमाशंकर गुप्ता, पुरुषोत्तम शुक्ला, कमल नारायण शुक्ला, गिरीश नारायण शुक्ला, शिवेंद्र प्रताप सिंह, सत्येंद्र सिंह, बाबूजी, राकेश बहादुर सिंह, ग्राम प्रधान राजेश सिंह, राजेश यादव फौजी, भाजपा नेता धीरेंद्र मिश्रा और दिलीप शुक्ला समेत बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की। सभी ने विद्यालय प्रबंधन के इस निर्णय की सराहना की है।

बड़े मंगल पर सदर कैंट में भव्य भंडारा, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 23 जून ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल के पावन अवसर पर हनुमान भक्तों द्वारा सदर कैंट स्थित लाला महावीर प्रसाद रोड पर विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी सुभाष अग्रहरि के नेतृत्व में मंगलवार सायं 4 बजे से प्रभु की इच्छा तक किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया और बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम सुंदरकांड पाठ के साथ किया गया। इसके पश्चात संत रविशंकर जी महाराज (गुरु भाई) के करकमलों द्वारा प्रसाद वितरण का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से कोल्ड्रिंक, बूंदी तथा पनीर बिरयानी सहित विभिन्न प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। जिसका लाभ बड़ी संख्या में राम भक्तों ने उठाया। इस अवसर पर पूर्व छावनी परिषद सदस्य एवं वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लखनऊ के आमंत्रित सदस्य संजय कुमार वैश्य दयाल, सुभाष अग्रहरि, दीप चन्द्र गुप्ता, मनोज गोयल, राजेश वैश्य, अमित गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर बड़े मंगल की शुभकामनाएं दीं। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगल का पर्व सेवा, समर्पण और लोककल्याण का प्रतीक है। इसी भावना के साथ प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। देर शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और पूरे क्षेत्र में भक्ति एवं उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए भगवान हनुमान से सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

25 जून, 2026 से डिप्लोमा इंजीनियरिंग एवं अन्य पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग शुरू

लखनऊ: संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डिप्लोमा इंजीनियरिंग एवं अन्य पाठ्यक्रमों (फार्मेसी पाठ्यक्रम को छोड़कर) की ऑनलाइन काउंसलिंग 25 जून, 2026 से प्रदेश स्तर पर प्रारंभ की जा रही है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि इस काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश की कुल 365 पॉलीटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें 156 राजकीय (ळवअमतदउमदज), 18 अनुदानित (।पकमक), 29 पी. पी. पी. (“’) मॉडल एवं 162 निजी (च्तपअंजम) क्षेत्र की पॉलीटेक्निक संस्थाएं सम्मिलित हैं, जिनकी कुल प्रवेश क्षमता 1,20,984 है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से घोषित परिणाम में अर्ह (फनंसपपिमक) पाए गए अभ्यर्थी इस ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र हैं। समस्त अर्ह अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे समय सारणी के अनुसार काउंसलिंग पोर्टल रममबनचण्कउपेपवदेण्दपबण्पद पर जाकर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें।

PM स्वनिधि योजना का लाभ देने के लिए गांव-गांव चलाएं अभियान

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ गांवों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अधिक से अधिक पात्र स्ट्रीट वेंडर्स, युवाओं और महिलाओं को योजना से जोड़ा जाए। ब्लॉक और ग्राम स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर लोगों को योजना की जानकारी दी जाए। बुधवार को विभागीय बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए अधिकतम पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। सभी जिलों में अधिकारी कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करें। अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। योजनाओं में पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए मौके पर ही सहायता और परामर्श दिया जाए। ऋण प्रक्रियाओं और बैंकिंग सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उनकी झिझक को दूर किया जाए। युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए परामर्श केंद्रों और जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन भी किया जाए।

एक के बाद एक घटना पर सुधर नहीं रहे हैं अधिकारी

● भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कार्यशाला में व्यवस्था में घोर लापरवाही, भीषण गर्मी से बेहाल दिखे छात्र और अभिवावक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। एक के बाद एक घटना के बाद भी अधिकारी न तो सीख लेने को तैयार और न ही सुधरने को। ऐसा ही लापरवाही भरा नजारा बुधवार को भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में देखने को मिला जहां पर इस भीषण गर्मी में आयोजित कार्यक्रम में आए छात्रों और अभिभावकों को राहत देने के लिए न तो एसी की व्यवस्था थी और न ही कूलर की जिससे छात्र और उनके परिजन बुरी तरह बेहाल नजर आए यही नहीं कार्यक्रम में कई घंटे बिजली भी गुल रही जिससे स्थिति और भी भीषण हो गई। कोई भी जिम्मेदार वहां पर छात्रों और अभिभावकों का हाल चाल लेने के लिए मौजूद नहीं था ऐसे में अगर छात्रों य आए अन्य लोगों की तबियत अचानक बिगड़ जाती तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होता ये बड़ा सवाल है। भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में बुधवार को ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कार्यशाला 2026 का समापन कार्यक्रम आडिटोरियम में आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय की पूर्व प्रो. पूर्णिमा पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय की वर्तमान कुलपति के आने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई और रजिस्ट्रार कार्यक्रम से नदारद थे ऐसे में अव्यवस्थाओं से निपटने के लिए किसे जिम्मेदार बनाया गया था इसका जवाब किसी के पास नहीं था। कार्यक्रम के दौराम भीषण गर्मी से तरबतर छात्र और अभिवावक इसके लिए शिकायत करते नजर आए पर उनकी सुनने वाला कोई नहीं था। जिला प्रसाशन को ऐसे लापरवाही भरे आयोजन के भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय प्रसाशन से कारण तलब कर कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए।

मानक की अनदेखी पर एसडीएम हुए सख्त, रुकवाया कार्य

● अवैध छज्जे,शौचालय व अतिक्रमण हटाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर)। नगर पालिका परिषद मिश्रिख क्षेत्र में कराए जा रहे सड़क एवं नाली निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की शिकायत पर प्रशासन सख्त हो गया। शिकायत मिलने के बाद एसडीएम अभिनव कुमार यादव ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और नालियों पर बने अवैध छज्जों, अतिक्रमण तथा अवैध निर्माणों को हटाकर कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप कराने के निर्देश दिए। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि वार्ड संख्या-4 की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़क एवं नाली निर्माण कार्य बिना सूचना पट्ट लगाए कराया जा रहा है। निर्माण कार्य की लागत, कार्यदायी संस्था, सड़क की चौड़ाई तथा नाली निर्माण संबंधी मानकों की कोई जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं की गई थी। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि मार्ग पहले से ही संकरा है तथा नालियों के ऊपर बने छज्जों और अन्य अवैध निर्माणों के कारण अतिक्रमण की समस्या बनी हुई है। इसके बावजूद अतिक्रमण हटाए बिना नाली निर्माण कराया जा रहा था, जिससे भविष्य में भी आवागमन प्रभावित होने की आशंका थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम अभिनव कुमार यादव मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य को रुकवा दिया है।निरीक्षण के दौरान उन्होंने नालियों पर बने अवैध छज्जों, शौचालयों एवं अन्य अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप कराने के लिए कहा।एसडीएम की सख्ती के बाद निर्माण कार्य करा रहे लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि यदि पहले अतिक्रमण हटाकर सड़क एवं नाली का निर्माण कराया जाए तो नगर वासियों को लंबे समय तक बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।एसडीएम अभिनव कुमार यादव ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा तथा सार्वजनिक हित से जुड़े निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

ईरान, होर्मुज और बदलती विश्व व्यवस्था

विश्व राजनीति में शक्ति का अर्थ समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। इतिहास के विभिन्न कालखंडों में शक्ति के मानक बदलते रहे हैं। कभी विशाल और अजेय सेनाएं किसी साम्राज्य या देश की ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती थीं, तो कभी औद्योगिक क्रांति के बाद औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक क्षमता को वैश्विक शक्ति का मुख्य आधार समझा गया। 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, विशेषकर शीतयुद्ध के दौर में, परमाणु हथियारों को सर्वोच्च शक्ति और संप्रभुता का प्रतीक माना जाने लगा। ऐसा माना जाता था कि परमाणु क्षमता से संपन्न देश ही वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय कर सकते हैं। किंतु 21वीं शताब्दी के आगमन ने इन सभी पारंपरिक धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। आज के दौर में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तकनीकी नेटवर्क और समुद्री मार्गों ने शक्ति की परिभाषा को एक बिल्कुल नया और बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया है। हाल के वर्षों में ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़े तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उभरी परिस्थितियों ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में केवल सैन्य सामर्थ्य ही निर्णायक नहीं है। किसी महत्वपूर्ण भौगोलिक मार्ग, संसाधन अथवा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही प्रभावशाली और रणनीतिक साधन बन सकता है। यही वह महत्वपूर्ण संदेश है जो ईरान की वर्तमान रणनीति के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है। भौगोलिक दृष्टि से यह फारस की खाड़ी को अरब सागर और हिंद महासागर से जोड़ता है। इस संकरे मार्ग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे दुनिया के सबसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का समुद्री निर्यात इसी मार्ग से होकर गुजरता है। वैश्विक कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रोजाना इस संकरे जलमार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचता है। इसके अलावा, तरल प्राकृतिक गैस के वैश्विक समुद्री व्यापार का भी एक बहुत बड़ा भाग इसी रास्ते से तय होता है। इसलिए होर्मुज केवल एक साधारण जलमार्ग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यदि इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है या तनाव बढ़ता है, तो उसका सीधा और तात्कालिक प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और दुनिया भर के उपभोक्ता बाजारों पर दिखाई देने लगता है। इस पूरे परिदृश्य में ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे इस क्षेत्र में एक विशिष्ट सामरिक महत्व प्रदान करती है। इस जलडमरूमध्य के उत्तरी तट पर ईरान का सीधा भौगोलिक प्रभाव है और इसी कारण वह लंबे समय से इस मार्ग को अपनी सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति के रूप में देखता रहा है। जब भी पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए या उसकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को अनदेखा की गई, तब उसने बार-बार यह संकेत दिया कि वह होर्मुज में जहाजों के आवागमन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। कई अवसरों पर ईरान ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह चेतावनी भी दी है कि यदि उसके राष्ट्रीय हितों को गंभीर नुकसान पहुँचाया गया, तो वह इस मार्ग को पूरी तरह बंद करने अथवा यहाँ अतिरिक्त नियंत्रण स्थापित करने पर विचार कर सकता है। यही वह बिंदु है जिसने दुनिया के सामने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भूगोल स्वयं एक बहुत बड़ी शक्ति है। यदि किसी देश के पास कोई ऐसा विशिष्ट स्थान है जो वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति या सामरिक गतिविधियों के लिए अनिवार्य है, तो वह देश अपनी सीमित सैन्य या आर्थिक क्षमताओं के बावजूद वैश्विक मंच पर अत्यंत महत्वपूर्ण प्रभाव रख सकता है। ईरान दशकों से भारी आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों का सामना कर रहा है, लेकिन होर्मुज पर उसकी सामरिक स्थिति उसे विश्व राजनीति में लगातार प्रासंगिक और शक्तिशाली बनाए रखती है।

यह स्थिति पारंपरिक शक्ति संतुलन को भी गंभीर चुनौती देती है। लंबे समय तक वैश्विक राजनीति में यह माना जाता रहा कि बड़ी सैन्य और परमाणु शक्ति रखने वाले देश किसी भी क्षेत्रीय संकट का समाधान अपने पक्ष में करने में सक्षम होते हैं। लेकिन होर्मुज का उदाहरण दिखाता है कि कठोर भौगोलिक वास्तविकताएँ कई बार विशाल सैन्य शक्ति को भी सीमित कर देती हैं। यदि इस समुद्री मार्ग पर थोड़ा भी तनाव बढ़ता है तो उसका असर केवल एक क्षेत्र पर नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ता है। इसलिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को भी यहाँ किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति, समझौतों और क्षेत्रीय संतुलन का सहारा लेना पड़ता है। इसके साथ ही, ईरान की इस रणनीति ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है। ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है जिसके बिना उद्योग, परिवहन, कृषि और संचार जैसे लगभग सभी क्षेत्र ठप हो सकते हैं। जब किसी ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग पर संकट की मामूली आशंका भी उत्पन्न होती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव शुरू हो जाता है। इससे दुनिया भर के निवेशकों में चिंता बढ़ती है और सरकारें वैकल्पिक व्यवस्थाओं की तलाश करने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इस प्रकार एक सीमित क्षेत्रीय तनाव भी व्यापक वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकता है।

इस परिस्थिति का प्रभाव केवल तेल उत्पादक या पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं रहता है। जापान, दक्षिण कोरिया, भारत और यूरोप के अनेक प्रमुख देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से पश्चिम एशिया के इसी मार्ग पर निर्भर हैं। यदि होर्मुज में कोई बाधा आती है तो इन विकासशील और विकसित देशों की ऊर्जा सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है। यही कारण है कि दुनिया के तमाम राष्ट्र इस मार्ग को हमेशा खुला और सुरक्षित बनाए रखने के पक्षधर हैं। वे अच्छी तरह समझते हैं कि यहाँ उत्पन्न होने वाला कोई भी संकट उनके घरेलू आर्थिक हितों को सीधे चोट पहुँचाएगा। ईरान के इस व्यवहार से यह भी स्पष्ट होता है कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल हथियारों के संचय की नहीं होगी। बीते दशकों में परमाणु हथियारों के प्रसार को लेकर व्यापक चिंताएँ व्यक्त की जाती रही हैं, लेकिन आज एक नई प्रवृत्ति उभरती दिखाई दे रही है जिसमें देश उन स्थानों, संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण की तलाश कर रहे हैं जिनके माध्यम से वे संपूर्ण वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर सकें। इन्हें भू-राजनीति की भाषा में 'चोक प्वाइंट' कहा जाता है, जहाँ से होकर व्यापार, ऊर्जा या संचार का बड़ा भाग गुजरता है।

दुनिया में होर्मुज अकेला ऐसा मार्ग नहीं है। मलक्का जलडमरूमध्य पूर्वी एशिया और हिंद महासागर के बीच व्यापार का अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जहाँ से वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग एक तिहाई हिस्सा गुजरता है। इसी तरह बाब-अल-मंदेब लाल सागर को अरब सागर से जोड़ता है जो यूरोप तथा एशिया के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है, और स्वेज नहर को वैश्विक परिवहन की जीवनरेखा माना ही जाता है। यदि इन सभी मार्गों में कहीं भी रुकावट आती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। विश्लेषकों को चिंता है कि ईरान का यह सफल उदाहरण अन्य क्षेत्रीय देशों को भी इसी प्रकार की रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे वैश्विक व्यापार अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के स्थान पर प्रतिस्पर्धा और दबाव की राजनीति बढ़ सकती है। इस संदर्भ में चीन जैसी महाशक्ति की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जिसने तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, दुर्लभ खनिजों और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में अपना प्रभाव अत्यधिक बढ़ा लिया है। यदि ऊर्जा मार्गों की असुरक्षा बढ़ती है, तो कई देश जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करके नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों की ओर बढ़ेंगे, जिससे उन तकनीकों पर नियंत्रण रखने वाले देशों का महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। इस प्रकार एक प्रकार की निर्भरता समाप्त होते ही दूसरी निर्भरता जन्म ले लेगी।

यह पूरी स्थिति वैश्वीकरण की उस पारंपरिक अवधारणा को भी चुनौती देती है जिसके अनुसार वस्तुओं, सेवाओं और पूँजी का प्रवाह स्वतंत्र और निर्बाध होना चाहिए। लेकिन जब इन महत्वपूर्ण मार्गों और आपूर्ति श्रृंखलाओं का उपयोग राजनीतिक दबाव के साधन के रूप में होने लगता है, तब वैश्वीकरण की नींव कमजोर पड़ने लगती है। कंपनियां और सरकारों को वैकल्पिक मार्गों, अतिरिक्त भंडारण और विविध स्रोतों की महँगी व्यवस्था करनी पड़ती है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ जाती है। हालांकि ईरान का तर्क है कि वह केवल अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी भौगोलिक स्थिति का उपयोग एक रणनीतिक साधन के रूप में करता है, लेकिन आलोचक इसे वैश्विक स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा मानते हैं। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच संतुलन बनाने के लिए अब कूटनीति की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। केवल सैन्य शक्ति या आर्थिक प्रतिबंध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते। यदि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को अक्षुण्ण रखना है, तो क्षेत्रीय तथा बड़ी शक्तियों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग आवश्यक होगा। अंततः, ईरान के व्यवहार से यही निष्कर्ष निकलता है कि 21वीं शताब्दी में शक्ति का स्वरूप बहुआयामी हो गया है, जहाँ भौगोलिक स्थिति, समुद्री मार्ग, संसाधन और ऊर्जा नेटवर्क ही भविष्य की विश्व राजनीति की दिशा तय करेंगे।

महेन्द्र तिवारी

होर्मुज पर ईरान की हुकूमतः दुनिया की नब्ज पर हाथ

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

फिलहाल अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के बाद होर्मुज को खोल दिया गया है। युद्ध के बाद पहली बार यहां से 35 पोत पास हुए जिसमें 11 पोत भारत आ रहे हैं। इनमें कच्चा तेल, एलपीजी, उर्वरक व अन्य सामान है। लेकिन ईरान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि होर्मुज पर उसकी हुकूमत चलती रहेगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे छोटा लेकिन सबसे खतरनाक गलियारा है। चौड़ाई सिर्फ 33 किलोमीटर, लेकिन इसी से होकर हर दिन दुनिया के 20% तेल और 30% एलएनजी गुजरती है। मार्च 2026 में ईरान ने इस गलियारे को बंद कर दिया। 700 टैंकर फंस गए, तेल 80 डॉलर पार कर गया। ये सिर्फ युद्ध की घोषणा नहीं थी। ये ईरान का ये कहना था कि 'दुनिया की ऊर्जा की नब्ज मेरे हाथ में है '। होर्मुज क्या है और ईरान इसे क्यों चाहता है? होर्मुज फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, कतर, इराक का पूरा तेल इसी रास्ते से जाता है। ईरान का दक्षिणी तट इस जलडमरूमध्य के उत्तर में है। भूगोल ने ईरान को स्ट्रेटेजिक लीवरेज दिया है। फरवरी 2026 में अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के जरिए - पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी बना दी। अब नियम ये हैः होर्मुज से गुजरने वाले हर जहाज को 40 सवालों का घोषणा पत्र जमा करना होगा। माल क्या है, मालिक कौन है, क्रू की नेशनलिटी क्या है। जो नहीं मानेगा, उस पर मिसाइल, ड्रोन हमला या कब्जे का खतरा है। मार्च 2026ः जब ईरान ने नल बंद कर दिया- 3 मार्च 2026 को ईरान ने आधिकारिक रूप से होर्मुज बंद करने का ऐलान कर दिया। बंद होते ही

सामान्य तेल यातायात में 86% गिरावट आई

एक मार्च को 19.8 मिलियन बैरल/दिन की जगह सिर्फ 2.8 मिलियन बैरल गुजरे। 706 गैर-ईरानी टैंकर कतार में फंस गए। ब्रेंट क्रूड 10% उछलकर 80 डॉलर पर पहुंच गया। ईरान ने कहा कि ये बंद सिर्फ अमेरिका, इजरायल और यूरोपीय जहाजों के लिए है। चीन के झंडे वाले जहाजों को छूट दी गई।

क्या ईरान कानूनी तौर पर ऐसा कर सकता है?

इसका छोटा सा जवाब है नहीं। यूएनसीएलओएस यानी संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि की धारा 37-44 के तहत होर्मुज जैसे अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्य में सभी देशों को 'ट्रांजिट पैसेज' का अधिकार है। न ईरान और न ओमान एकतरफा तरीके से इसे बंद कर सकते हैं। समुद्री कानून विशेषज्ञ रेड्जा जकारिया कहते हैं कि ईरान आत्मरक्षा का हवाला दे सकता है, लेकिन अगर वो नेविगेशन रोकता है तो ये यूएनसीएलओएस का उल्लंघन होगा। लेकिन असलियत में ईरान सैन्य शक्ति और भौगोलिक स्थिति से यातायात को प्रभावित कर रहा है। ये कानूनी संप्रभुता नहीं, लेकिन 'डिफैक्टो कंट्रोल' है। ईरान ने अब 'टोल-पास' सिस्टम शुरू कर दिया है। जहाजों को पीजीएसए से पास लेना होगा। रिपोर्ट्स कहती हैं कि सुरक्षित गुजरने के लिए जहाजों से 20 लाख डॉलर तक मांगे जा रहे हैं। ईरान ने इनकार किया है, लेकिन अमेरिका ने जहाजों को चेतावनी दी है कि टोल न दें, क्योंकि इससे आईआरजीसी को फंड मिलेगा। दुनिया पर असर-

तेल और गैसः भारत अपनी जरूरत का 90% तेल आयात करता है। 2025 में 160 अरब डॉलर का तेल आयात हुआ था। होर्मुज बंद होने से भारत सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। यूरोपः कतर ने एलएनजी उत्पादन रोका तो यूरोपीय गैस कीमतें 40% बढ़ गईं। एलएनजी टैंकर का किराया 2 लाख डॉलर/दिन से ऊपर चला गया। अफ्रीका- यूएन महासचिव गुटेरेश ने चेताया कि अफ्रीका के तेल और उर्वरक आयात का 13% होर्मुज से आता है। बंद रहा तो महंगाई और खाद्य संकट बढ़ेगा। लेबनान में सीजफायर के बाद ईरान ने 10 दिन के लिए होर्मुज खोल दिया। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ये सिर्फ सीजफायर की अवधि के लिए है। भारत के लिए क्या मायने हैं- भारत के लिए होर्मुज 'लाइफलाइन' है।

- विकल्प सीमित हैंः केप ऑफ गुड होप से रास्ता 15 दिन लंबा और 20% महंगा पड़ता है। रणनीतिः चाबहार पोर्ट, ईरान के साथ डिप्लोमेसी, और रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व बढ़ाना। लेकिन ये सब शॉर्ट टर्म सॉल्यूशन हैं। अगर होर्मुज पर ईरान का कंट्रोल स्थायी हो गया तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा हर 6 महीने में दांव पर लगेगी। होर्मुज पर ईरान की हुकूमत कानून से नहीं, भूगोल और मिसाइल से चलती है। वो जानता है कि दुनिया तेल के बिना 10 दिन नहीं चल सकती। इसलिए वो कभी पूरी तरह बंद नहीं करेगा। वो सिर्फ 'नल' को धीमा-तेज करेगा ताकि अमेरिका झुके, तेल महंगा हो, और उसकी बात मानी जाए। ये 21वीं सदी की नाकेबंदी है। बंदूक की जगह टोल-पास, युद्ध की जगह 40 सवालों का फॉर्म। और दांव पर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था।

प्रेम के मुखौटे के पीछे भरोसे की हत्या और समाज के सामने खड़ा नैतिक संकट

महाराष्ट्र के पुणे से सामने आए एक चर्चित हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया है। जिस रिश्ते को विश्वास और जीवनभर के साथ का आधार माना जाता है उसी रिश्ते के भीतर कथित साजिश और हत्या की कहानी ने समाज को कई कठिन सवालों के सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर शादी की तैयारियां चल रही थीं। करोड़ों रुपये खर्च कर भव्य आयोजन की योजनाएं बनाई जा रही थीं। दूसरी ओर रिश्तों की सतह के नीचे अविश्वास और दूसरे संबंधों का ऐसा जाल बुना जा रहा था जिसने अंततः एक युवा कारोबारी की जान ले ली। पुलिस जांच के अनुसार मंगेतर और उसके कथित प्रेमी पर युवक की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। मामला केवल एक आपराधिक घटना भर नहीं है बल्कि यह बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों की गंभीर चुनौतियों को भी उजागर करता है। आज समाज का बड़ा वर्ग इस घटना को केवल हत्या के रूप में नहीं बल्कि भरोसे की हत्या के रूप में देख रहा है।

भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। विवाह से पहले होने वाली सगाई और अन्य रस्में भविष्य के जीवन की नींव मानी जाती हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति किसी रिश्ते को स्वीकार नहीं करना चाहता तो उसके पास उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार करने का अधिकार है। आधुनिक समाज में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद के अनुसार जीवनसाथी चुनने का अधिकार भी स्वीकार किया जाता है। लेकिन किसी रिश्ते से बाहर निकलने का रास्ता छल और हिंसा नहीं हो सकता। यही कारण है कि पुणे की इस घटना ने लोगों को भीतर तक विचलित किया है। सवाल केवल यह नहीं है कि एक युवक की मौत कैसे हुई बल्कि यह भी है कि क्या हमारे समाज में संवाद की जगह छल ने ले ली है। क्या सच बोलने का साहस कम होता जा रहा है। क्या लोग अपने निर्णयों की जिम्मेदारी लेने के बजाय गलत रास्ते चुनने लगे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं जिनमें प्रेम संबंधों विवाहेतर संबंधों या निजी रिश्तों के विवादों ने हिंसक रूप ले लिया। कभी पति या पत्नी की हत्या की खबर आती है तो कभी प्रेमी या प्रेमिका को रास्ते से हटाने की साजिश का खुलासा होता है। सोशल मीडिया और डिजिटल संचार के युग में रिश्ते बनना आसान हुआ है लेकिन उन्हें निभाने की जिम्मेदारी और ईमानदारी का महत्व भी उतना ही बढ़ गया है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि समाज में बढ़ती भौतिकता और त्वरित संतुष्टि की मानसिकता ने भी रिश्तों को प्रभावित किया है। बहुत से लोग रिश्तों को एक प्रतिबद्धता के बजाय सुविधा के रूप में देखने लगे हैं। जब तक सब कुछ अनुकूल रहता है तब तक संबंध चलते हैं लेकिन कठिन परिस्थितियां आते ही कई लोग जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हैं। यह प्रवृत्ति चिंता का विषय है क्योंकि किसी भी स्वस्थ समाज की बुनियाद भरोसे और नैतिकता पर टिकी होती है।

धोखाधड़ी आज के समय में केवल आर्थिक अपराध तक सीमित नहीं रह गई है। भावनात्मक धोखाधड़ी भी तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। कई बार लोग एक व्यक्ति के साथ भविष्य के सपने दिखाते हैं जबकि समानांतर रूप से किसी और संबंध में भी जुड़े रहते हैं। जब सच्चाई सामने आती है तो उसके परिणाम केवल व्यक्तिगत नहीं होते बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करते हैं। माता पिता भाई बहन और अन्य परिजन भी मानसिक आघात से गुजरते हैं।

इस घटना ने अवैध संबंधों और बढ़ते व्यभिचार पर भी बहस छेड़ दी है। समाजशास्त्रियों का मानना है कि किसी भी रिश्ते में पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। यदि दो लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव समाप्त हो गया है या कोई अन्य संबंध बन चुका है तो उसे ईमानदारी से स्वीकार करना चाहिए। झूठ और दोहरी जिंदगी अंततः बड़े संकट को जन्म देती है। जब भावनाएं स्वार्थ और छल से संचालित होने लगती हैं तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

सोशल मीडिया ने भी रिश्तों के स्वरूप को बदल दिया है। आज लोग अपने निजी जीवन की चमकदार तस्वीरें दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं लेकिन वास्तविकता कई बार उससे बिल्कुल अलग होती है। डिजिटल दुनिया में बनाई गई छवि और वास्तविक जीवन के बीच का अंतर कई बार गंभीर मानसिक और सामाजिक समस्याओं को जन्म देता है। पुणे मामले में भी जांच एजेंसियों ने सोशल मीडिया चैट और डिजिटल साक्ष्यों को महत्वपूर्ण माना है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि आधुनिक अपराधों की जांच में तकनीक की भूमिका कितनी बढ़ चुकी है।

समाज के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि नैतिक मूल्यों को कैसे मजबूत किया जाए। केवल कानून अपराध होने के बाद कार्रवाई कर सकता है लेकिन अपराध होने से पहले उसे रोकने का काम परिवार समाज और शिक्षा व्यवस्था को करना होगा। बच्चों और युवाओं को यह सिखाना आवश्यक है कि किसी भी रिश्ते की नींव ईमानदारी और सम्मान पर टिकी होती है। यदि किसी संबंध में असहमति है तो उसका समाधान संवाद से होना चाहिए न कि छल या हिंसा से।

परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज व्यस्त जीवनशैली के कारण परिवारों के बीच संवाद कम होता जा रहा है। कई युवा अपनी भावनात्मक समस्याओं और व्यक्तिगत संघर्षों को साझा नहीं कर पाते। परिणामस्वरूप वे गलत निर्णयों की ओर बढ़ जाते हैं। यदि परिवारों में खुला संवाद और विश्वास का वातावरण हो तो अनेक संकटों को समय रहते रोका जा सकता है। कानून व्यवस्था के स्तर पर भी ऐसे मामलों में त्वरित और निष्पक्ष जांच जरूरी है ताकि अपराधियों को स्पष्ट संदेश मिले कि किसी भी परिस्थिति में हिंसा स्वीकार्य नहीं है। साथ ही समाज को भी यह समझना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं बल्कि सम्मान है। यदि कोई रिश्ता नहीं निभ सकता तो उसे समाप्त किया जा सकता है लेकिन किसी व्यक्ति के जीवन को समाप्त करने का अधिकार किसी को नहीं है।

पुणे की यह घटना एक चेतावनी है कि आधुनिकता के साथ यदि नैतिकता और जिम्मेदारी का संतुलन नहीं रखा गया तो समाज गंभीर संकटों का सामना करेगा। रिश्तों में बढ़ता अविश्वास परिवार संस्था को कमजोर कर सकता है।

प्रेम यदि ईमानदारी से जुड़ा हो तो जीवन को संवारता है लेकिन यदि उसमें छल और स्वार्थ प्रवेश कर जाए तो वही प्रेम विनाश का कारण बन सकता है। आज आवश्यकता केवल इस एक घटना पर चर्चा करने की नहीं बल्कि उन सामाजिक कारणों को समझने की है जो ऐसे अपराधों को जन्म देते हैं। रिश्तों में पारदर्शिता नैतिक शिक्षा पारिवारिक संवाद और कानून का भय इन सभी तत्वों को मजबूत करना होगा। तभी समाज विश्वास और मानवीय मूल्यों की उस राह पर आगे बढ़ सकेगा जहां प्रेम जीवन का आधार बने न कि किसी त्रासदी की वजह।

कांतिलाल मांडोत

कालीन भैया के बाद मिर्जापुर में लौटे निर्दयी मुन्ना गुड्डू हुआ पहले से ज्यादा खूंखार; पोस्टर ने बढ़ाई बेताबी

- मिर्जापुर द मूवी से सामने आए दो और सितारों के लुक
- पहले से ज्यादा खतरनाक अवतार में लौटे मुन्ना भैया

गुड्डू भैया का धांसू लुक भी मिर्जापुर मूवी से हुआ आउट

नई दिल्ली। मिर्जापुर की 'गद्दी' के लिए एक बार फिर से घमासान देखने को मिलने वाला है, लेकिन इस बार भौकाल स्ट्रीमिंग की दुनिया में नहीं, बल्कि बड़े पर्दे पर मचने वाला है। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म से मेकर्स एक के बाद एक धांसू पोस्टर रिलीज करके फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ा रहे हैं।

सुबह मेकर्स ने 'मिर्जापुरः द मूवी' से कालीन भैया उर्फ पंकज त्रिपाठी का फर्स्ट लुक शेयर किया था। अब मूवी से मुन्ना भैया और गुड्डू भैया का भी लुक सामने आ चुका है, जिसमें दोनों ही सीरीज के किरदारों से काफी अलग लग रहे हैं।

आग से खेलते दिखे 'मुन्ना त्रिपाठी'

मिर्जापुर के किंग और कालीन भैया के बेटे 'मुन्ना त्रिपाठी' को भले ही सीरीज में मार दिया गया था, लेकिन अपने इस आइकॉनिक किरदार के साथ वह वापस धमाका करने आ रहे हैं। क्राइम ड्रामा मूवी से अभिनेता का जो पहला पोस्टर सामने आया है, उसमें उनका पुराना टशन और आंखों में अग्रेशन देखने को मिल रहा है। हाथों में उन्होंने मशाल पकड़ी हुई है, जिसमें आग की लपटे उठ रही हैं।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'हिंदी फिल्मों के हीरो हैं हम, कहा था ना, हम अमर हैं। मुन्ना भैया अब भौकाल मचाएंगे।' मुन्ना भैया के इस पोस्टर से यह तो साफ है कि वह पहले से ज्यादा खतरनाक अंदाज में दिखाई देंगे।

दैनिक राशिफल

मेष कल का दिन उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

वृषभ धन संबंधी मामलों में लाभ के संकेत हैं। पुराने निवेश से फायदा मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन कल आपकी वाणी और बुद्धिमत्ता आपको सफलता दिलाएगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है। किसी मित्र से महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

कर्क भावनात्मक रूप से संतुलित रहने की आवश्यकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

कन्या कार्यस्थल पर मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

तुला कल का दिन शुभ रहेगा। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के अवसर मिलेंगे। यात्रा का योग बन सकता है।

वृश्चिक धैर्य और संयम से काम लें। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु नए संपर्क लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में विस्तार की योजनाएं सफल हो सकती हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं।

मकर करियर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। निवेश के लिए समय अनुकूल है।

कुंभ भाग्यवृद्धि का दिन है। धार्मिक या सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। विदेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

मीन सावधानीपूर्वक निर्णय लें। अनावश्यक विवादों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी न करें।

भदोही में फलने-फूलने लगी स्ट्रॉबेरी की खेतीः किसानों को मिल रहीं सरकारी सुविधाएं एवं अनुदान

उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और उनकी आय में रिकॉर्ड वृद्धि करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में राज्य सरकार द्वारा पारंपरिक कृषि के स्थान पर व्यावसायिक एवं उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने की एक बेहद महत्वाकांक्षी पहल की गई है। मुख्यमंत्री बागवानी मिशन और केंद्र सरकार समर्थित एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के अंतर्गत सूबे के किसानों को स्ट्रॉबेरी की उन्नत खेती से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। सरकार की इस दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि कभी धान और गेहूं जैसी पारंपरिक फसलों तक सीमित रहने वाले किसान आज आधुनिक तकनीकों को अपनाकर न केवल अपनी तकदीर बदल रहे हैं, बल्कि अन्य कृषि भाइयों के लिए प्रेरणापुंज भी बन रहे हैं।

पारंपरिक फसलों के साथ सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि इनमें उत्पादन लागत अधिक आती है और बाजार मूल्य कम होने के कारण किसानों को शुद्ध लाभ बेहद सीमित मिलता है। इसके अतिरिक्त, सिंचाई के पुराने तौर-तरीकों और उन्नत तकनीकी मार्गदर्शन के अभाव में फसलों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती थी, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति अधिक समृद्ध नहीं हो पाती। इस गतिरोध को तोड़ने के लिए शासन और प्रशासन ने एक कार्ययोजना तैयार की, जिसके तहत किसानों को बेहद कम समय (लगभग 5 से 6 महीने) में तैयार होने वाली स्ट्रॉबेरी जैसी नकदी फसल की ओर मोड़ा जा रहा है। यह फसल वर्तमान में किसानों को प्रति एकड़ 7 से 8 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ कमाने का अवसर दे रही है। इस व्यवस्थागत बदलाव की एक बानगी जनपद भदोही के विकास खण्ड अभोली के ग्राम सदेपुर में देखने को मिलती है, जहां के एक प्रगतिशील किसान श्री जगदीश (पुत्र श्री राम बक्स) ने शासन की नीतियों का लाभ उठाकर मिसाल कायम की है। मात्र 0.25 हेक्टेयर की कुल कृषि भूमि वाले इस लघु किसान को पूर्व में पारंपरिक खेती से बहुत सीमित आय होती थी। आर्थिक तंगी से उबरने के लिए उन्होंने उद्यान विभाग के माध्यम से स्ट्रॉबेरी की खेती का न केवल विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त किया, बल्कि प्रशासनिक सहयोग से तकनीकी मार्गदर्शन भी हासिल किया। उन्होंने अपनी छोटी सी भूमि पर मल्चिंग शीट, ड्रिप सिंचाई और उन्नत किस्मों जैसी आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों का प्रयोग करते हुए स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू की।

विभाग द्वारा समय-समय पर दी गई वैज्ञानिक सलाह और प्रोत्साहन का परिणाम यह हुआ कि फसल की गुणवत्ता उत्कृष्ट रही। इस पूरी खेती में मल्चिंग शीट, ड्रिप सिस्टम, उन्नत पौध और जैविक खाद के समन्वय से कुल लागत लगभग 80,000 रुपये आई, जबकि बाजार में इसकी बंपर मांग होने के कारण लगभग 1,80,000 रुपये की शानदार बिक्री दर्ज की गई। इस प्रकार मात्र एक सीजन में किसान को 1,00,000 रुपये का शुद्ध मुनाफा प्राप्त हुआ। इस सफलता ने न सिर्फ उनके परिवार के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया और आर्थिक स्थिति को मजबूती दी, बल्कि जनपद भदोही के आसपास के तमाम किसानों को भी आधुनिक तकनीकों और नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया। किसानों को वित्तीय रूप से संबल प्रदान करने के लिए राज्य सरकार बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत स्ट्रॉबेरी की खेती करने पर कुल लागत का 40 प्रतिशत तक भारी अनुदान प्रदान कर रही है। सरकार की इस नीति का सीधा उद्देश्य यह है कि निवेश की लागत को न्यूनतम किया जा सके ताकि लघु और सीमांत किसान भी बेझिझक इस मुनाफे वाली खेती से जुड़ सकें। इस योजना के क्रियान्वयन को पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए शासन द्वारा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) व्यवस्था लागू की गई है, जिसके माध्यम से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि सीधे पात्र किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाती है।

योजना के प्रावधानों के अनुसार, स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए 40 प्रतिशत का यह अनुदान दो वर्षों की अवधि में प्रदान किया जाता है। इसके तहत पहले वर्ष में खेती शुरू करने पर 48 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से प्रोत्साहन धनराशि उपलब्ध कराई जाती है, और दूसरे वर्ष की निर्धारित अनुदान राशि भी डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी को हस्तांतरित कर दी जाती है। इस जनकल्याणकारी योजना का लाभ उठाने के लिए किसानों को मात्र विभागीय हॉर्टिकल्चर पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराना होता है।

किसानों को आत्मनिर्भर और कुशल बनाने के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर चौतरफा सहायता एवं सुविधाएं दी जा रही हैं, जिन्हें मुख्य रूप से इसके तकनीकी और वित्तीय घटकों में आसानी से समझा जा सकता है। जैसे कि कृषि लागत को कम करने के लिए प्रशासन द्वारा उन्नत पौधे एवं अन्य आवश्यक अनारक्षित सामग्रियों पर 40ः से लेकर 50ः तक का भारी अनुदान दिया जा रहा है, जो सामूहिक एवं विशेषीकृत दोनों ही प्रकार की सामग्रियों पर लागू होता है।

इसके अतिरिक्त, स्ट्रॉबेरी के नाजुक फलों को मिट्टी और कीटों से बचाने तथा पानी की बचत के लिए पॉलीथिन मल्चिंग और ड्रिप इरिगेशन सिस्टम को अनिवार्य माना गया है, जिस पर सरकार की तरफ से 50ः तक की भारी छूट दी जा रही है। केवल फसल उगाने तक ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक स्तर पर फसल की तुड़ाई के बाद उसे सुरक्षित रूप से लखनऊ, दिल्ली और वाराणसी जैसे बड़े महानगरों के होटलों और प्रतिष्ठित बाजारों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक पैकेजिंग सामग्री, जैसे प्लास्टिक और लकड़ी के बॉक्स (क्रेट्स) की खरीद पर भी 40ः की परिवहन व लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान की जा रही है। इस पूरी व्यवस्था को धरातल पर उतारने के लिए जिला उद्यान विभाग के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण भी दिलाया जाता है।

बागवानी अधिकारियों द्वारा कृषकों को 'रेंटल डाउन' और 'कामरोसा' जैसी स्ट्रॉबेरी की विश्वस्तरीय और अत्यधिक उत्पादकता देने वाली उन्नत किस्मों को उगाने का विशेष व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वैज्ञानिक प्रशिक्षण के कारण किसान कीट प्रबंधन, खाद की सही मात्रा और जल संरक्षण की बारीकियों को समझ पाते हैं, जिससे फसल खराब होने का जोखिम न के बराबर रह जाता है।

प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी और किसान-हितैषी नीति ने कृषि क्षेत्र में एक नए युग का सूत्रपात किया है। पारंपरिक और रूढ़िवादी खेती के जाल से निकलकर जब किसान नई तकनीकों, प्रशासनिक अनुदानों और स्ट्रॉबेरी जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को अपनाते हैं, तो कम क्षेत्रफल में भी भारी मुनाफा कमाना पूरी तरह संभव हो जाता है।

सरकार द्वारा दी जा रही इन सुविधाओं, प्रशिक्षणों और समयबद्ध अनुदानों का लाभ उठाकर सूबे के किसान न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश को कृषि विविधीकरण और बागवानी के क्षेत्र में देश का एक अग्रणी राज्य बनाने में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी, जन-हितैषी और प्रगतिशील नीति से भदोही के कृषि परिदृश्य में एक नया बदलाव आकार ले रहा है। पारंपरिक और कम मुनाफे वाली खेती की पुरानी मानसिकता से बाहर निकलकर अब किसान शासन की कल्याणकारी योजनाओं, भारी प्रशासनिक अनुदानों और आधुनिकतम तकनीकों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, इसका जो बड़ा फायदा उन्हें मिल रहा वह यह है कि सीमित भूमि पर किसानो को बेहतर मुनाफे के विकल्प मिलने लगे हैं।

जनपद-भदोही

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

वैष्णो माता की मुर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

रामलक्षन देवरिया। क्षेत्र के ग्राम सभा शिवपुर गनेशपुर में बडे ही धुम धाम से मांता वैष्णो की मुर्ती की स्थापना की गयी। जयकारे से पूरा वातावरण भक्ति मय हो गया। मांता वैष्णो की मुर्ती स्थापना के पहले महिला पुरूष व बच्चों ने हाथों में कलश लेकर पंडित विपिन तिवारी व मुख्य यजमान द्वारिका प्रसाद निषाद, मालती देवी व सुदामा निषाद के अगुवाई में हाथी घोडा और गाजा बाजा के साथ करिहंवा घाट पहुंचे। वहां से जलभर कर वापस मंदिर पर आए। मंदिर पर पंडित विपिन तिवारी और इनके साथ आए विद्वान् पंडितो ने पुजा अर्चन कर व मंत्रोच्चारण के साथ माता वैष्णो की मुर्ती की स्थापना नवनिर्मित मंदिर में की। मुर्ती स्थापना के समय वैष्णो माता की जय के गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण भक्ति मय हो गया । इस अवसर पर उजागर, साधु, महंत रामअशिष, विद्यासागर, लालमनी, पौहारी, बलदेव वालेश्वर, राहुल शिवा, आयुष, रिषभ, अर्जुन व ग्राम सभा के गणमान्य पुरी मुस्तेदी के साथ स्थापना कार्यक्रम को और आगन्तुक भक्तों के सेवा में लगे रहे। अंत में भंडारे के प्रसाद के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मोहर्रम को लेकर प्रशासन का मार्च, शांति की अपील

देवरिया। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक गोरखपुर परिक्षेत्र एस. चन्नप्पा, जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी और पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने रुद्रपुर नगर क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं और कानून-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया। फ्लैग मार्च के दौरान आमजन, धर्मगुरुओं और ताजियादारों से संवाद स्थापित कर पर्व को आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की गई। पुलिस उप महानिरीक्षक ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के दौरान शांति बनाए रखना प्रशासन और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और परंपरागत ढंग से पर्व मनाने का अनुरोध किया। फ्लैग मार्च में पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर संगोष्ठी व पौधरोपण

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा, देवरिया द्वारा बुधवार को महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर संगोष्ठी एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय कुमार गोंड ने महारानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने मातृभूमि, धर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन त्याग, संघर्ष, पराक्रम और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायी गाथा है। जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम के सह संयोजक पंकज सिंह गोंड ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने गोंडवाना साम्राज्य की रक्षा के लिए अद्वितीय साहस का परिचय दिया और विदेशी आक्रांताओं के सामने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनका बलिदान नारी शक्ति, आदिवासी समाज और पूरे राष्ट्र के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम के संयोजक एवं भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल गोंड ने लोगों से महारानी दुर्गावती के आदर्शों को अपनाने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शिवा जी शाह, जिला कोषाध्यक्ष पंकज कुमार गोंड, मंडल अध्यक्ष प्रभुनाथ प्रसाद गोंड, पूर्व मंडल अध्यक्ष मैनेजर प्रसाद गोंड सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निबंधन विभाग के निजीकरण के विरोध में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, बैनामा कार्य पूरी तरह ठप

● मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन होगा और व्यापकः सत्यप्रकाश श्रीवास्तव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निबंधन विभाग के निजीकरण तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 34 के अंतर्गत ऑनलाइन आपत्ति एवं ऑनलाइन निस्तारण व्यवस्था लागू किए जाने के विरोध में बुधवार को खजनी तहसील के अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध के तहत अधिवक्ताओं ने निबंधन कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरना दिया और पूरे दिन बैनामा कार्य पूर्णतः बंद रखा। बार एसोसिएशन खजनी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने सरकार के निर्णय को जनविरोधी बताते हुए कहा कि निबंधन विभाग के निजीकरण से पारदर्शिता और जवाबदेही प्रभावित होगी। उन्होंने आशंका जताई कि इससे अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टांप विक्रेताओं तथा विभाग से जुड़े अन्य लोगों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। साथ ही आम जनता को भी अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यप्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार की नई व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। आज भी बड़ी संख्या में लोग तकनीकी संसाधनों और डिजिटल जानकारी से वंचित हैं। ऐसे में ऑनलाइन आपत्ति एवं ऑनलाइन निस्तारण की व्यवस्था लागू होने से गरीब और ग्रामीण नागरिकों के लिए न्याय प्राप्त करना और अधिक कठिन हो जाएगा। अधिवक्ताओं ने सरकार से मांग की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए निबंधन विभाग के निजीकरण संबंधी निर्णय और ऑनलाइन व्यवस्था से

जुड़े अध्यादेश को तत्काल वापस लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी स्वरूप दिया जाएगा। प्रदर्शन में बार एसोसिएशन के मंत्री चंद्रमौली शर्मा, राणा प्रताप सिंह, रामप्रीत यादव, संजय पांडेय, अनूप सिंह, अरविंद राय, कमलेश पांडेय, कृष्ण कुमार मिश्रा, कृष्णानंद शुक्ला, दयानाथ दुबे, पलटराज, उमेश दुबे, विनोद कुमार पांडेय, पूर्णमासी यादव, नन्हे यादव, शिवम यादव सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं का धरना आठवें दिन भी जारी

रुद्रपुर,देवरिया। तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमिता के विरोध में तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यानंद पांडे और महामंत्री विनोद पाठक के नेतृत्व में आज आठवें दिन भी धरना जारी रहा और समस्याओं के समाधान में अब तक कोई निदान नहीं निकल पाया है। इस संदर्भ में अध्यक्ष सत्यानंद पांडे ने बताया कि एसडीएम की तरफ से एक मीटिंग के लिए प्रस्ताव आया था लेकिन हम अधिवक्ताओं ने या निर्णय लिया कि जब तक लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता है तब तक हम अपना धरना जारी रखेंगे, इसके पूर्व में भी मौखिक आश्वासन देने के बावजूद एसडीएम स्तर से कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। जिससे अधिवक्तागण और वादकारी ठगा महसूस कर रहा है। एसडीएम साहब का समस्याओं के निस्तारण में कोई रुचि नहीं दिखाई देती है लिहाजा हमको बाध्य होकर यह धरना जारी रखना पड़ रहा है। इस अवसर पर भूपेंद्र शर्मा, विजय सिंह, शर्मा सुधांशु मौली ओझा, बृजबिहारी पाण्डेय, आनंद शंकर मणि, बीना शर्मा, सतीश गुप्ता, बलवंत, शशि भूषण रामेश्वर मणि, सत्य प्रकाश गुप्ता, अनिल पांडेय, सत्यपाल यादव, सौरभ गुप्ता, निलेश श्रीवास्तव, विकास, सन्तोष आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मोहर्रम पर डीजे और अस्त्र-शस्त्रों के प्रदर्शन पर सख्त पाबंदी

● त्योहार में खलल डालने वालों की खैर नहीं : सीओ खजनी विवेक तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। क्षेत्राधिकारी खजनी विवेक तिवारी ने ताजियादारों एवं विभिन्न मोहर्रम कमेटियों के पदाधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि सभी लोग पूर्व निर्धारित परंपराओं और निर्धारित मार्गों के अनुसार ही त्योहार मनाएं। सीओ विवेक तिवारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि मोहर्रम जुलूस में डीजे बजाने तथा किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्रों के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति त्योहार की शांति एवं सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध तत्काल सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी धार्मिक त्योहार समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द का संदेश देते हैं। इसलिए सभी समुदायों के लोगों को मिल-जुलकर त्योहार मनाना चाहिए। उन्होंने ताजियादारों से अपील की कि किसी भी

प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें।

सीओ ने निर्देश दिया कि ताजिया केवल परंपरागत स्थानों पर ही रखी जाए तथा जुलूस पूर्व निर्धारित मार्गों से ही निकाला जाए। किसी भी नई परंपरा या नए मार्ग की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित थानाध्यक्ष, चौकी प्रभारी अथवा डायल 112 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों, हल्का दरोगाओं एवं बीट पुलिस अधिकारियों को लगातार गश्त करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मोहर्रम का पर्व शांति, सुरक्षा और भाईचारे के साथ संपन्न हो सके।

गोरखपुरः कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट बनी वृद्धों और दिव्यांगों का सहारा, घर-घर पहुंचकर सुनी समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सुरक्षा और सहयोग का भरोसा दिलाने के उद्देश्य से गोरखपुर पुलिस द्वारा चलाया जा रहा कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट (CPU) अभियान लगातार प्रभावी साबित हो रहा है। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन में बुधवार को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर वृद्ध एवं दिव्यांग नागरिकों से सीधे संपर्क स्थापित किया गया।

अभियान के तहत कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट की टीमों ने गांवों और मोहल्लों में पहुंचकर बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों से मुलाकात की। पुलिसकर्मियों ने उनके घरों पर जाकर न केवल उनका कुशलक्षेम जाना बल्कि उनकी समस्याओं को भी गंभीरता से सुना। कई स्थानों पर वृद्धजन अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी समस्याएं पुलिस टीम के समक्ष रखते दिखाई दिए, जिनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सहायता उपलब्ध कराई गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वृद्ध एवं असहाय लोगों को यह एहसास कराना है कि पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। टीमों ने बुजुर्गों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, वृद्धावस्था पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं, दिव्यांग सहायता

योजनाओं तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्हें इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराध, ठगी, उत्पीड़न और अन्य आपराधिक घटनाओं से बचाव के उपाय भी बताए। उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी, शोषण, विवाद अथवा आपातकालीन स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस हेल्पलाइन नंबरों एवं आपातकालीन सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई।

कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट के इस मानवीय प्रयास को लोगों ने सराहा और पुलिस के प्रति विश्वास व्यक्त किया। बुजुर्गों ने कहा कि पुलिस का उनके घर तक पहुंचकर हालचाल जानना और समस्याएं सुनना उन्हें सुरक्षा और सम्मान का एहसास कराता है। गोरखपुर पुलिस का यह अभियान पुलिस और जनता के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी स्थापित करने के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा को भी नई मजबूती प्रदान कर रहा है।

मुख्य सेविकाओं की क्षमता जांच से योजनाओं की जमीनी हकीकत पर नजर

देवरिया। जिले में बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को और प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने अनोखी पहल करते हुए 71 मुख्य सेविकाओं की क्षमता मूल्यांकन परीक्षा आयोजित कराई। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस परीक्षा का उद्देश्य फील्ड स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यों की निगरानी, टीकाकरण, गृह भ्रमण तथा वीएचएसएनडी सत्रों के संचालन को और मजबूत बनाना रहा। परीक्षा के माध्यम से मुख्य सेविकाओं के विभागीय ज्ञान और अनुभव का आकलन किया गया, ताकि उनकी जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्य सेविकाएं विभाग की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी दक्षता का सीधा असर योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचने पर पड़ता है।

उन्होंने बताया कि जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति की गतिविधियों तथा सहयोगी पर्यवेक्षण से जुड़े विशेष प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी। जिलाधिकारी ने सभी मुख्य सेविकाओं से विभागीय योजनाओं की जानकारी अद्यतन रखने और अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

साठ लाख की चोरी का सफल अनावरण, पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। थाना स्वरूप नगर पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण किया गया है। इस मामले में पुलिस ने तीन अभियुक्त गिरफ्तार कर लगभग 60 लाख रुपये मूल्य के आभूषण, नकदी एवं मोबाइल फोन बरामद किए हैं। कमिश्नरेट कानपुर पुलिस के अनुसार थाना स्वरूप नगर पुलिस, सर्विलांस सेल एवं स्वाट टीम द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए चोरी की एक महत्वपूर्ण घटना का सफल अनावरण किया गया है। पुलिस द्वारा तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार, कर संरक्षण में लिया गया तथा चोरी गये आभूषण, नकदी एवं मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं। वादी विकास शुक्ला निवासी स्वरूप नगर कानपुर द्वारा थाना स्वरूप नगर पर सूचना दी गयी थी कि उन्होंने अपने पालतू कुत्ते की देखभाल हेतु मैनपावर एजेंट आशू गुप्ता, श्यामजी प्रीमियम होम हेल्थ, मंधना, कानपुर नगर के माध्यम से हेल्पर को ?14,000 प्रतिमाह वेतन पर दिनांक 16.06.2026 को कार्य पर रखा था। दिनांक 17.06.2026 को जब वादी अपने घर से बाहर गये हुए थे, उसी दौरान

उक्त हेल्पर ने घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नकदी एवं अन्य बहुमूल्य सामान चोरी कर लिये और फरार हो गयी।

जांच के दौरान प्रकाश में आया कि जिस कमरे में आभूषण रखे हुए थे, उस कमरे के तीन प्रवेश द्वार थे, जिनमें से एक द्वार सामान्यतः अंदर से बंद रहता था। पूर्व नियोजित तरीके से दिन में ही दूसरे द्वार की चटकनी खोल दी गयी थी तथा मकान स्वामी के घर से बाहर जाने के पश्चात अलमारी में रखे आभूषण एवं अन्य बहुमूल्य सामान चोरी कर लिये गये । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्वरूप नगर पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। घटना के अनावरण हेतु तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सर्विलांस एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर लगातार प्रयास किये गये। मुखबिर की सूचना पर रावतपुर बस अड्डा के पास मेट्रो यार्ड के निकट घेराबंदी कर अभियुक्त मो0 यूनुस तथा एक अन्य अभियुक्त को पकड़ लिया गया। पूछताछ एवं निशानदेही के आधार पर चोरी का आभूषण खरीदने वाले मोहम्मद महताब पुत्र अमीरुद्दीन निवासी 5G /136 आवास विकास कॉलोनी, थाना नौबस्ता, कानपुर नगर को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान जुर्म स्वीकार किया गया कि उसने अपने मालिक विकास शुक्ला के घर से आभूषण एवं नकदी चोरी की थी तथा बाद में अपने साथी मो0 यूनुस को बुलाकर चोरी का माल उसके साथ ले गयी थी। दोनों चोरी किये गये माल को बेचने की फिराक में थे।

लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को श्रद्धांजलि देकर शुरू हुआ आंदोलन, ई-रजिस्ट्री के विरोध में अधिवक्ताओं ने की तालाबंदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर: उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जा रही ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में बुधवार को कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन तहसील गोला के नेतृत्व में अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों एवं स्टाम्प वेंडरों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रहा। धरना-प्रदर्शन की शुरुआत लखनऊ स्थित एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की घटना में मृत हुए लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ की गई।

प्राप्त विवरण के अनुसारश्रद्धांजलि सभा के उपरांत अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प विक्रेताओं ने तहसील परिसर में जुलूस निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सब रजिस्ट्रार कार्यालय पर तालाबंदी कर मुख्य द्वार के सामने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। आंदोलनकारियों ने ई-रजिस्ट्री व्यवस्था को जनविरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित ई-रजिस्ट्रीकरण नियमावली के माध्यम से पंजीकरण कार्य को निजी संस्थाओं को सौंपने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टाम्प विक्रेताओं, टाइपिस्टों, फोटोकॉपी संचालकों सहित कचहरी व्यवस्था से जुड़े लाखों लोगों के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वक्ताओं ने नई नियमावली की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह व्यवस्था प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश भर में करोड़ों लोगों की आजीविका को प्रभावित करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा लागू किया जा रहा यह प्रावधान एक काला कानून है, जिससे अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, स्टाम्प विक्रेता, टाइपिस्ट, फोटोकॉपी संचालक तथा अन्य संबंधित लोगों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि इस जनविरोधी व्यवस्था को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा और इसके विरोध में आंदोलन लगातार जारी रहेगा। वक्ताओं ने आगे कहा कि दस्तावेज लेखन एवं पंजीकरण प्रक्रिया में विधिक सावधानियां अत्यंत आवश्यक होती हैं, जबकि निजी हाथों में यह कार्य जाने से कानूनी विवादों की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

उन्होंने कहा कि ई-रजिस्ट्री व्यवस्था जनहित और लोकहित के विपरीत है तथा सरकार को इसे तत्काल वापस लेना चाहिए। धरना-प्रदर्शन के उपरांत शाम को अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने सब रजिस्ट्रार मुकेश त्रिपाठी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। वहीं दूसरे दिन भी आंदोलन के करण न्यायिक कार्य प्रभावित बूरी तरह प्रभावित रहा। एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य न्यायालयों में वादकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रंतिदेव मिश्र एडवोकेट, महामंत्री आमोद गौड़ एडवोकेट सहित तहसील गोला के अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प विक्रेता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अधिवक्ता और दस्तावेज लेखकों ने निजीकरण के विरोध मे दिया धरना सौपा ज्ञापन

● निजीकरण के विरोध मे अधिवक्ताओ ने उपनिबंधक कार्यालय मे जड़ा ताला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा: उत्तर प्रदेश के रजिस्ट्री कार्यालयों (उपनिबंधक कार्यालयों) के संभावित निजीकरण के विरोध में बार एसोसिएशन तहसील इकाई सहजनवा के अधिवक्ताओं एवं दस्तावेज लेखकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार सहजनवा राकेश कंनौजिया को सौंपा। अधिवक्ताओं ने निजीकरण के प्रस्ताव को जनविरोधी बताते हुए इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की है। बार एसोसिएशन सहजनवा के अध्यक्ष कृष्ण कुमार त्रिपाठी एडवोकेट एवं मंत्री राघवेंद्र सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि रजिस्ट्री कार्यालय राज्य सरकार की महत्वपूर्ण राजस्व एवं जनसेवा व्यवस्था का हिस्सा हैं, जहां भूमि, भवन और अन्य संपत्तियों के पंजीकरण का कार्य पूरी पारदर्शिता और सरकारी निगरानी में संपन्न होता है। यदि इन कार्यालयों का निजीकरण किया जाता है तो भ्रष्टाचार,

अनियमितता, मनमानी शुल्क वसूली और आम नागरिकों के शोषण की आशंकाएं बढ़ जाएंगी। अधिवक्ताओं ने कहा कि निजीकरण की स्थिति में हजारों अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, स्टांप विक्रेता और संबंधित कर्मचारियों की आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे न केवल रोजगार संकट उत्पन्न होगा बल्कि आम जनता को भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ झेलना पड़ सकता है। निजीकरण संबंधी किसी भी प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करने की मांग की। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गौड़, कनिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष केसरी, कोषाध्यक्ष सत्यवीर, संयुक्त मंत्री अभिषेक श्रीवास्तव, सतीश कन्नौजिया, शनि शुक्ला रंगनाथ पांडेय रामनारायण भारती, अनिल श्रीवास्तव लक्ष्मी चौरसिया सहित अनेक अधिवक्ता एवं दस्तावेज लेखक उपस्थित रहे।

झंडा लगाने के विवाद में नौ लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई

देवरिया। जनपद के बनकटा थाना क्षेत्र के ग्राम कल्याण नर्हिया में झंडा लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद के मामले में पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार भेज दिया। पुलिस के अनुसार 22 जून को गांव में झंडा लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी और विवाद की सूचना मिली थी। सूचना पर बनकटा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कर शांति व्यवस्था बहाल कराई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शांति भंग होने की आशंका के आधार पर दोनों पक्षों के कुल नौ व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में आगामी त्योहारों को देखते हुए जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस ने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी विवाद या अफवाह की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आलोक रंजन सिंह, कांस्टेबल अंशुपाल, जगदंबा मिश्र और सोनू यादव शामिल रहे।

सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं का जिलाधिकारी का औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरकुलवा का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी और संबंधित अधिकारी उपस्थित मिले, जबकि कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. गुप्ता को निर्देश दिया कि अनुपस्थित कर्मचारियों को चेतावनी दी जाए और समय से उपस्थिति कराई जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल में जांच के लिए आई एक गर्भवती महिला के मातृ-शिशु कार्ड की जांच की और आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण कराए। उन्होंने आशा कार्यकर्ता को निर्देश

दिया कि सभी जांच रिपोर्ट और स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े मातृ-शिशु कार्ड में अनिवार्य रूप से दर्ज किए जाएं। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आशा, आंगनबाड़ी और एएनएम कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने, नियमित क्षेत्र भ्रमण करने तथा टीकाकरण कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ड्यू लिस्ट के सत्यापन, गर्भवती और धात्री महिलाओं तथा बच्चों के समयबद्ध टीकाकरण पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण केंद्र और पंजीकरण कक्ष का भी अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

श्रीराम मंदिर मामले में केस दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग, कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम सौंपा पत्रक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सदर एसडीएम प्रवीण कुमार को सौंपा। इससे पूर्व कार्यकर्ताओं ने टाउन हॉल स्थित पार्टी कार्यालय से जुलूस निकालकर सुभाष चौक और सिविल लाइंस होते हुए कलेक्ट्रेट तक मार्च किया।

जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल ने कहा कि अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं, दान और जवाहरात प्रबंधन में गड़बड़ी तथा चोरी-घोटाले के आरोपों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मामले की जांच के लिए

एसआईटी गठित की है, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज न होना कई सवाल खड़े करता है। बिना प्राथमिकी के जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर संदेह पैदा होता है।

कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि पूरे प्रकरण में तत्काल एफआईआर दर्ज कर स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर श्रद्धालुओं का विश्वास बनाए रखा जाए। इस दौरान सुनील कुमार तिवारी, अब्दुल जब्बार, नागेंद्र शुक्ला, संजीव कुमार मिश्रा, वरुण राय, शहनाज जफर, शिव शंकर सिंह, मिर्जा खुर्शीद अहमद, धर्मेंद्र कुमार पांडेय, हर्षित सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

खलिहान की जमीन पर अवैध कब्जा और निर्माण का आरोप

ग्राम प्रधान की शह पर सरकारी भूमि पर निर्माण कराने का आरोप, बची जमीन पर भी कब्जे की तैयारी

रमियाबेहड़, खीरी- क्षेत्र के मजरा दुलही स्थित ग्राम लखहा में खलिहान की सरकारी जमीन पर कथित रूप से अवैध कब्जा एवं निर्माण का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान की शह पर गांव के कुछ लोगों द्वारा वर्षों से सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर धीरे-धीरे कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार नीलू, रामकुमार, अमिरका, मथुरा, फिरोज समेत कई लोगों ने खलिहान की जमीन पर अवैध निर्माण कर रखा है। आरोप है कि अब जो थोड़ी बहुत जमीन शेष बची हुई है, उस पर भी कब्जा कर निर्माण की तैयारी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खलिहान गांव की सार्वजनिक संपत्ति होती है, जिसका उपयोग कृषि कार्यों और अन्य सामुदायिक जरूरतों के लिए किया जाता रहा है। यदि इस पर पूरी तरह कब्जा हो गया तो गांव के लोगों को भविष्य में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

आभा आईडी के नाम पर लूट रहा आशा पति

फूलबेहड़ खीरी। आभा आईडी बनाने के नाम पर ग्राम पंचायत कुसुमौरी के गांव सिकटिहा में आशा का पति सुरेश कुमार प्रसाद पुत्र चंद्रिका प्रसाद अपनी पत्नी की जगह पर ब्लॉक फूलबेहड़ के सिकटिहा गांव में आभा आईडी बनाने के नाम पर ग्रामीणों को ठग रहा है और सही ढंग से आभा आईडी भी नहीं बन पा रहा है। आंगनबाड़ी केंद्र पर टीकाकरण करने आयी एएनएम से संवाददाता ने पूछा कि आपके यहां आशा कौन है तो उन्होंने बताया कि महिला है तो हमने कहा कि महिला की जगह पर पुरुष कैसे कार्य कर रहा है और अब आईडी बनाने के नाम पर गांव की भोली भाली जनता का शोषण किया जा रहा है तब आशा का पति सुरेश ने बताया कि हम चिकित्सा अधीक्षक फूलबेहड़ से पूँछकर अपनी पत्नी की जगह पर आशा का कार्य कर रहे हैं। इस संबंध में चिकित्सा अधीक्षक फूलबेहड़ ने बताया कि मैं इसकी जांच कर कर उचित कार्यवाही करूंगा। तथा ग्रामीण बताते हैं इसकी पत्नी पढ़ी-लिखी नहीं है अवैध तरीके से आशा के पद पर अपनी नियुक्ति करवा ली है तथा गर्भवती महिलाओं को जमकर शोषण करती है।

27 साल से स्मैक बेच रहे बाप-बेटे की 3.20 करोड़ की संपत्ति जब्त; पत्नी-बच्चों के नाम की चालाकी भी फेल

मीरगंज (बरेली)। पिछले 27 सालों में मादक पदार्थों के तस्कर पंकज उपाध्याय उर्फ पंकज शर्मा ने अकूत संपत्ति कमाई। उसने अपनी लाइफ स्टाइल को लग्जरी बनाया। थार जैसी कार और आलीशान मकान बनाया। उसने अपने बेटे को भी इस धंधे में संलिप्त कर दिया। दोनों के विरुद्ध अलग-अलग थानों में 14 मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें पंकज पर 10 और उसके बेटे रोहित पर चार मुकदमे हैं। पुलिस ने अब आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है, जिसमें आरोपितों की कुल 3.20 करोड़ रुपये की चल अचल संपत्ति को फ्रीज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मीरगंज के गुलड़िया गांव निवासी पंकज उपाध्याय वर्ष 1999 से स्मैक तस्करी में सक्रिय है। उसने न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि दिल्ली व मध्य प्रदेश में भी अपना नेटवर्क फैला लिया है। वह व्यावसायिक मात्रा में स्मैक की तस्करी करते हुए कई बार गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। हालांकि, जमानत पर छूटने के बाद वह फिर से इसी काम को करना शुरू कर देता था। आरोपित पंकज को लगा कि इसमें मोटा मुनाफा है तो उसने वर्ष 2021 से अपने बेटे रोहित को भी इस अवैध कारोबार में शामिल कर लिया। इसके बाद दोनों मिलकर तस्करी करते थे। पुलिस ने उसे भी कई बार जेल भेजा है। दोनों पिता-पुत्र शातिर अपराधी हो चुके हैं जिन्होंने अंतरराज्यीय स्तर पर बड़े पैमाने पर तस्करी कर अकूत संपत्ति कमाई। पुलिस का कहना है कि आरोपितों ने अपने क्षेत्र में इस कदर खौफ बना दिया है कि लोग इनके विरुद्ध गवाही देने को भी तैयार नहीं हैं। पंकज उपाध्याय वर्तमान में जेल में बंद हैं मगर उसका बेटा अभी फरार चल रहा है। मंगलवार को पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 3.20 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति को फ्रीज किया है। इसमें चार वाहन और चार प्लाट शामिल हैं।

सरयू नदी के घाटों पर अवैध बालू खनन का आरोप, जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। सिंगाही-बेलरायां नेशनल हाईवे के किनारे डाक्टर सेठी की अमरूद की बाग से लेकर जमुनी, भट्ठा घाट और जौहरा घाट तक सरयू नदी के किनारे सफेद रेती बालू के अवैध खनन के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि खनन माफियाओं द्वारा जेसीबी मशीनों से बड़े पैमाने पर बालू निकाली जा रही है, जिससे नदी के साथ बह रहे नाले की दिशा और दशा भी प्रभावित हो रही है। बताया जा रहा है कि सरयू नदी के मोतीपुर पुल के पास नदी के कटान को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने लाखों रुपये खर्च कर जियो बैग लगाए हैं, लेकिन इसके कुछ ही दूरी पर घाटों से कथित अवैध खनन जारी रहने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि नदी में चल रही जेसीबी मशीनों की आवाज और सिंगाही-बेलरायां हाईवे पर सफेद रेती से भरी ट्रैक्टर-ट्रालियों की आवाजाही के बावजूद पुलिस, खनन विभाग और राजस्व विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ माह पहले मोतीपुर के मौका घाट पर खनन निरीक्षक आशीष सिंह ने अवैध बालू खनन करते लोगों को पकड़ा था।

आरोप है कि इस दौरान खनन अधिकारी के साथ मारपीट और असलहा लगाकर धमकाने की घटना हुई थी, जिस पर सिंगाही थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने एक आरोपी को जेल भेजा था, जबकि कुछ आरोपियों को न्यायालय से राहत मिलने के बाद दोबारा खनन शुरू होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले कुछ लोग अब बड़े स्तर पर जेसीबी मशीनों और भट्ठों के संचालन से जुड़े दिखाई दे रहे हैं, जिससे अवैध खनन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। जिला खनन निरीक्षक आशीष सिंह ने बताया कि अवैध खनन करने वालों के खिलाफ जांच कर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप पकड़ी, छोड़ने का आरोप, जांच के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

सिंगाही खीरी। अंतरराष्ट्रीय दुधवा नेशनल पार्क की बेलरायां रेंज में जंगल से प्रतिबंधित प्रजाति की लकड़ी लादकर जा रही एक पिकअप वाहन को वन कर्मियों द्वारा पकड़े जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि लकड़ी से लदे वाहन को पकड़ने के बाद जिम्मेदारों ने कथित रूप से सांठगांठ कर उसे छोड़ दिया। सूत्रों के अनुसार, जंगल से काटी गई प्रतिबंधित प्रजाति की लकड़ी पिकअप में भरकर ले जाई जा रही थी। वन कर्मियों ने वाहन को पकड़ा, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय वाहन छोड़ दिए जाने की चर्चा क्षेत्र में है। मामले को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में दुधवा नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर राजा मोहन ने बताया कि मामले की जानकारी खीरी डीएफओ से मांगी गई है। उन्होंने कहा कि वन संपदा की चोरी और पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

युवक की ट्रेन से गिरकर मौत, मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुर्घटना/हादसा

तिलहर-शाहजहांपुर। लखनऊ-दिल्ली रेलखंड पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।जानकारी के अनुसार जनपद मुरादाबाद के थाना बिलारी क्षेत्र के गांव हरौरा निवासी राहुल कश्यप (35) पुत्र रमेश कश्यप की ससुराल लखनऊ में है। बताया जा रहा है कि वह बुधवार को ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। सुबह करीब दस बजे बंथरा जंक्शन और तिलहर जंक्शन के बीच रुजवारी फाटक के पास अचानक ट्रेन से नीचे गिर गए। गंभीर चोटें लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना पर जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव की पहचान कराने का प्रयास शुरू किया। तलाशी के दौरान युवक के पास मुरादाबाद स्थित एक आटा चक्की का परिचय पत्र मिला, जिसके आधार पर उसकी पहचान राहुल कश्यप के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी।सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल और बाद में अस्पताल पहुंच गए। युवक का शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पत्नी निधि बेसुध हो गई, जबकि परिजनों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। सीओ इशिका सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। मृतक राहुल कश्यप अपने पीछे पत्नी निधि, पुत्र राघव और पुत्री जाह्नवी को छोड़ गए हैं। परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य की असमय मौत से घर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पूर्व जिला मंत्री कौशल गंगवार बने जिला संरक्षक, प्रवेश बने ब्लॉक अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली की जिला इकाई द्वारा मंगलवार को जिला अध्यक्ष जितेंद्र गंगवार की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम जिला कार्यकारणी ने विभागीय टेट के आयोजन कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ,एम 0एल 0सी0 देवेंद्र प्रताप सिंह जी,प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी एवं प्रदेश महामंत्री उमाशंकर सिंह को जिलाध्यक्ष ने बताया। प्रांतीय नेतृत्व से मिले निर्देशानुसार जल्द से जल्द टेट न पास करने वाले शिक्षकों की सूची अपर मुख्य सचिव तक भेजने के लिए अधिकारियों से अनुरोध किया जा रहा है। उसके बाद उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली के पूर्व जिला मंत्री कौशल गंगवार को सर्वसहमति से जिला संरक्षक पद का दायित्व दिया गया एवं फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अरविंद गंगवार द्वारा ब्लॉक में गठन की कार्यवाही शुरू की गई।जिसमें प्रवेश कुमार को ब्लॉक अध्यक्ष,आलोक कुमार को ब्लॉक मंत्री, जय सिंह गंगवार को कोषाध्यक्ष,अंकित गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं अतीक अहमद को ब्लॉक उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई।जिला मंत्री गिरजेश कुमार ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर संगठन की रिति नीति से परिचय कराया गया। बैठक में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र गंगवार,जिला उपाध्यक्ष हेमेंद्र गंगवार, दमखोदा के अध्यक्ष राज प्रकाश सिंह जी, शेरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पंकज गंगवार, मीरगंज ब्लॉक के अध्यक्ष अमित गंगवार, बिथरी अध्यक्ष अरविंद चौधरी, अभिषेक गंगवार,मंत्री अजय कुमार, मुरारी गंगवार,देवेंद्र कुमार ,प्रतीक आदि लोग रहे।

छाउछ तालाब में मिले महिला के शव की गुत्थी सुलझी, प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह

लखीमपुर खीरी के छाउछ चौराहा स्थित तालाब में मिले महिला के शव की पहचान आरती देवी के रूप में हुई है। मृतका छाउछ गांव में किराए के मकान में रहकर राणा पेट्रोल पंप के पास एक दुकान संचालित करती थी।पुलिस जांच में सामने आया है कि आरती के संबंध शिव कॉलोनी निवासी पप्पू नामक युवक से थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार युवक को आरती पर अन्य लोगों से भी संबंध होने का शक था। साथ ही कुछ समय पूर्व हुई मारपीट की घटना के लिए भी वह आरती को जिम्मेदार मानता था।इन्हीं कारणों से विवाद बढ़ा और हत्या की वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। आरोप है कि हत्या के बाद शव को नग्न अवस्था में छाउछ तालाब में फेंक दिया गया था।मृतका आरती देवी मूल रूप से नीमगांव थाना क्षेत्र के बाछेपारा गांव की रहने वाली बताई जा रही हैं।पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आधिकारिक पुष्टि और जांच रिपोर्ट के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

ग्रामीणों में स्वच्छता एवं सुरक्षित जल के प्रति बढ़ रही जागरूकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग एवं साकार संस्था द्वारा संचालित ड्रुस। कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद बरेली के 10 विकास खंडों के 150 गांवों में स्वच्छता क्लिनिक गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को स्वच्छ भारत मिशन एवं जल जीवन मिशन से संबंधित सेवाओं, सुविधाओं तथा स्वच्छता व्यवहारों के प्रति जागरूक करना है। स्वच्छता क्लिनिक के दौरान ग्रामीणजन अपने गांव की पेयजल, स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, साफ-सफाई तथा अन्य सामुदायिक समस्याओं के संबंध में जानकारी साझा करते हैं। गतिविधि के दौरान चिन्हित छोटी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाता है, जबकि अन्य महत्वपूर्ण समस्याओं को संकलित कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को अग्रिम कार्यवाही के लिए किया जाता है। स्वच्छता क्लिनिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप ग्रामीणों में स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारों में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होने से सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास बढ़ेगा तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहन मिलेगा। गांवों में साफ-सफाई की स्थिति में सुधार, खुले में कूड़ा फेंकने की प्रवृत्ति में कमी, सुरक्षित पेयजल के उपयोग में वृद्धि तथा जलजनित एवं स्वच्छता संबंधी बीमारियों में कमी आने की संभावन है इसके अतिरिक्त, ग्राम स्तर पर समस्याओं की नियमित पहचान एवं समाधान की प्रक्रिया मजबूत होगी। जिससे सभी ग्रामीणों को स्वच्छ पानी, स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर जीवन स्तर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इस पहल से समुदाय में प्रसन्नता, संतुष्टि तथा अपने गांव के विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो रहा है। इस गतिविधि में ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, समूह सखी, सफाई कर्मचारी तथा अन्य ग्रामवासियों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है। समुदाय की सहभागिता के कारण लोगों में अपने गांव को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने की भावना मजबूत हो रही है।

गैर पंजीकृत अस्पताल पर मेहरबान सीएचसी अधीक्षक बांकेगंज-आरोप

● ना पंजीकरण और न ही वैध चिकित्सक तथा प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ फिर भी धड़ल्ले से चल रहा टी एसआर हर्बल अस्पताल

आखिर अवैध तरीके से संचालित टी एस आर हर्बल पर कार्यवाही करने से क्यों बचते नजर आ रहे सीएचसी अधीक्षक बांकेगंज डॉक्टर अमित सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अलीगंज /लखीमपुर खीरी- स्थानीय कस्बा अलीगंज में लखीमपुर पुराने बस अड्डे के पास गली में चल रहे मानक विहीन गैर पंजीकृत तर हर्बल क्लिनिक के आड़ में अस्पताल के संचालक द्वारा बेहतर चिकित्सा और गारंटी से हर रोग का इलाज किए जाने का सब जवाब दिखाकर भोले भाले मरीजों की जान जोखिम में डालने के साथ-साथ उनकी जेबों पर दिल के उजाले में डाका डाले जाने का मामला प्रकाश में आया है और स्वास्थ्य महात्मा के जिम्मेदार लोगों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं सूत्रों के मुताबिक स्वास्थ्य महात्मा के जिम्मेदार चंद्र गांधी चौक कागज के टुकड़ों की दम पर सब कुछ जानने के बाद भी अंजान बने बैठे हैं शायद वह किसी बड़े हादसे के इंतजार में हैं जब कोई घटना घटेगी तभी कार्रवाई की जाएगी ऐसा कस्बा वासियों द्वारा आरोप लगाया जा रहा है सूत्रों के मुताबिक स्थानीय कस्बा अलीगंज में अर्से से संचालित क्लिनिक की आड़ में मकान में अंदर भूसी जैसा मरीजों को भर्ती किया जाता है।और प्रशासन को गुमराह करने की नियत से बाहर क्लिनिक का खेल खेल खेला जा रहा है। लोगों की जुबानी सत्य माने तो इस अस्पताल के पास न तो पंजीकरण है और न ही डिग्रीधारी डॉक्टर तथा प्रशिक्षित मेडिकल पैरा स्टॉफ ही मौजूद है।अप्रशिक्षित लोगों द्वारा बोतल तथा अन्य कार्य करवाए जाने की जानकारी मिली है।इसके बावजूद भी उक्त अस्पताल के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत की ओर इशारा करने को काफी है। अस्पताल की जानकारी देते हुए विशेष सूत्र ने तो यहां तक बताया कि इस अस्पताल से तयशुदा शुल्क सहाब तक पहुंचाई जाती है शायद इसीलिये कोई कार्रवाई नहीं होती है।हालांकि मैं इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं करता हु।खबर सूत्रों पर आधारित है हा मैं इतना कह सकता हूं कि इसका पंजीकरण नहीं है और न हीं प्रशिक्षित पैरा स्टॉफ ही है।अब देखना है कि आखिर कब तक इस मानक विपरित संचालित अस्पताल को संरक्षण दिया जाता रहेगा।और अस्पताल संचालक बेखौफ होकर शासन और प्रशासन के आदेशों का खुला उल्लंघन करते हुए लोगों की जान से खिलवाड़ कर्ता रहेगा।

बरेली मुहर्रम जुलूस में पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने का षड्यंत्र, आरोपी ने खुद लगाए थे नारे

बरेली। मुहर्रम के जुलूस में पाकिस्तान समर्थित नारे लगाने का आरोप झूठा पाया गया। इससे संबंधित वीडियो प्रसारित वाले योगेंद्र पाल ने ही नारे लगाकर दूसरे पक्ष को फंसाने का प्रयास किया था। सोमवार को उसके विरुद्ध सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने एवं आईटी एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई।

बरेली में कैमरे के पीछे से खुद लगाए नारे, फिर प्रसारित कर दिया वीडियो

रविवार देर रात मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था। उसी दौरान योगेंद्र पाल ने मोबाइल फोन से वीडियो बनाया। कैमरे के पीछे रहकर खुद ही आपत्तिजनक नारे लगा दिए। इसके बाद वीडियो प्रसारित कर दावा किया कि जुलूस में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लग रहे। एसपी मुकेश मिश्र ने बताया कि वीडियो की जांच में पता चला कि षड्यंत्र रचते हुए नारे योगेंद्र ने ही लगाए थे। इसकी पुष्टि होने पर उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है।

बरेली में आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों का उग्र हुआ प्रदर्शन, सड़क पर फेंका कूड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। शासनादेश के अनुसार वेतन नहीं मिलने और नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा एफआईआर कराने के विरोध में बुधवार को आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन उग्र हो गया। वार्डों में काम ठप कर बाकरगंज से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में लगी गाड़ियों को पैदल मार्च कर बदायूं रोड, चौपुला, श्यामगंज, कटरा चांद खां, सेटेलाइट चौराहा तक सड़क पर कूड़ा फेंक दिया। स्थानीय निकाय सफ़ाई कर्मचारी संघ के ज़िलाध्यक्ष आशीष कुमार की अगुवाई में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने निगम से शासनादेश के अनुसार एजेंसियों से वेतन भुगतान कराने, नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कराये मुकदमे को वापस लेने तक कार्य बहिष्कार जारी रखने का एलान कर दिया। आउटसोर्स कर्मचारियों की प्रदर्शन पर नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने अपर नगर आयुक्त, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को तलब कर पूरे प्रकरण को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सोमवार को नगर स्वास्थ्य अधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों ने ज्ञापन लेने के दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी के चेहरे पर चूड़ी फेंक दिया था। प्रकरण में नगर स्वास्थ्य अधिकारी के शिकायती पत्र पर स्थानीय निकाय सफ़ाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष आशीष कुमार समेत छह लोगों के विरुद्ध सरकारी काम में बाधा समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करा दी थी।

चंदा चोरी मामला गरमाया, कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी कार्यालय घेरा, सौपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर,खीरी- अयोध्या राम मंदिर में चढ़ने वाले चंदे में कथित हेरा फेरी चोरी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रहलाद पटेल की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर किया प्रदर्शन। राम मंदिर में दान चढ़ावे की राशि में कथित अनियमितताओं एवं धन गबन की निष्पक्ष जांच तथा एफ आई आर दर्ज कराने की मांग को लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय जी को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी लखीमपुर खीरी के माध्यम से सौंपा गया। उक्त प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने कहा कि भगवान राम हम सभी की आस्था और अटूट विश्वास के प्रतीक हैं द्य देश विदेश की आस्था इस मंदिर से जुड़ी हुई है उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न समाचार माध्यमों से सामने आया है कि राम मंदिर के चंदे और चढ़ावे में बड़े पैमाने पर चोरी और हेरा फेरी हुई है। साथ ही पटेल ने यह भी कहा कि घटना का खुलासा न होना और कोई कार्रवाई न किया जाना यह दर्शाता है कि चंदा वसूलने वाले और जिम्मेदारी संभालने वाले बड़े लोग इस पूरे मामले में संलिप्त हैं। इस दौरान लखीमपुर खीरी के तमाम वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सरकार से मांग की है कि इस पूरे कथित चंदा चोरी मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए द्य उन्होंने तुरंत प्रथम सूचना रिपोर्ट FIR दर्ज करने और आस्था के नाम पर खिलवाड़ करने वाले दोषियों का पता लगाकर उन्हें कठोर से कठोर दंड देने की भी मांग की। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि इन मामलों में जल्द कार्यवाही नहीं की जाती है तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेवारी शासन व प्रशासन की होगी। उक्त प्रदर्शन कार्यक्रम की जानकारी कांग्रेस प्रवक्ता रवि तिवारी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। उक्त प्रदर्शन में प्रमुख रूप से उपस्थित मोहन चंद्र उप्रेती जिला उपाध्यक्ष, शिव सहाय सिंह, पंकज शुक्ला, अन्नू मिश्रा, प्रेम वर्मा, वरुण चौधरी, जावेद अली, अब्दुल कयूम, लतीफ आजम, हरगोविंद वर्मा, नन्द किशोर, अब्दुल रहीम, शक्ति शरण गौतम, रामपाल शाक्य, अश्वनी तिवारी, संजय गोस्वामी, अनंत राम, राजेश गुप्ता, रोहित वर्मा, राजेंद्र गुप्ता, गुलफाम अहमद आदि सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

निघासन क्षेत्र में साइबर ठगी गिरोह के सक्रिय होने की चर्चा, युवाओं को बनाया जा रहा निशाना

थाना पढुआ के चचरा गांव निवासी सरोज कश्यप साइबर ठगी का मास्टरमाइंड,के गिरोह मे है दर्जनों लड़के-आरोप

लखीमपुर खीरी- निघासन क्षेत्र में साइबर ठगी से जुड़े एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की चर्चाएं तेज हैं।स्थानीय सूत्रों के अनुसार गिरोह से जुड़े कुछ लोग भोले-भाले युवाओं और छात्रों को अपने जाल में फंसाकर बैंक खाते उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करते हैं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर ऑनलाइन गेमिंग और अन्य डिजिटल माध्यमों से होने वाले अवैध लेनदेन में किया जाता है।सूत्रों का दावा है कि गिरोह में कई युवक शामिल हैं और कुछ ई-रिक्शा एवं ऑटो चालक भी संदिग्ध गतिविधियों में सहयोगी की भूमिका निभा रहे हैं। बताया जा रहा है कि युवाओं को आसान कमाई का लालच देकर उनके बैंक खातों का उपयोग साइबर अपराधों में किया जाता है। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि गिरोह के सदस्य बाइक और ई-रिक्शा का उपयोग कर लगातार संपर्क में रहते हैं तथा सुनसान स्थानों, खेतों और खलिहानों में बैठकर नई योजनाएं तैयार करते हैं।

स्वास्थ्य महकमा की नाक के नीचे चल रहा मौत का अस्पताल

● बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहा अपेक्स हॉस्पिटल, कब जागेगा प्रशासन

न प्रशिक्षित डॉक्टर और न ही प्रशिक्षित पैरा स्टॉफ ,फिर भी बेखौफ चल रहा मौत का हॉस्पिटल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी । जनपद लखीमपुर खीरी में स्वास्थ्य विभाग की कथित ढील का फायदा उठाकर गली-कूचों में झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध अस्पतालों का जाल कुकुरमुत्तों की तरह फैलता जा रहा है। ताजा और सबसे हैरान करने वाला मामला लगूचा में ऑन रोड चल रहे अपेक्स हॉस्पिटल से सामने आया है जो सीधे तौर पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहा है।

रजिस्ट्रेशन गायब डॉक्टर नदारद!

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगूचा कस्बे में ऑन रोड सीना तानकर चल रहे इस अपेक्स हॉस्पिटल के पास न तो कोई वैध रजिस्ट्रेशन है और न ही मरीजों के इलाज के लिए कोई योग्य या डिग्रीधारक डॉक्टर। इसके बावजूद भोले-भाले मरीजों को जाल में फंसाकर यहाँ धड़ल्ले से भर्ती किया जा रहा है और उनका शोषण हो रहा है। अब सवाल यह उठता है कि ऑन रोड महीनों से चल रहे इस अवैध खेल पर आखिर स्वास्थ्य महकमा आँखें मूंदे क्यों बैठा है। सी. एच सी अधीक्षक फरधान को इसकी भनक क्यों नहीं है। सीएचसी अधीक्षक का गैर जिम्मेदाराना जवाब, मामला मेरे संज्ञान में अब आया है दिखवाता हूं जब इस गंभीर मामले और अवैध अस्पताल की हकीकत जानने के लिए सीएचसी अधीक्षक अमित बाजपेई से फोन पर संपर्क किया गया तो उनका जवाब बेहद चौंकाने वाला था। उन्होंने मामले की गंभीरता को समझने के बजाय पल्ला झाड़ते हुए कहा मामला मेरे संज्ञान में अब आया है कल आकर देखता हूँ। मरीजों की जान पर मंडराते खतरे के बीच जिम्मेदार अधिकारी का ऐसा ठंडा रुख स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद टूटेगी

क्या होगी कार्रवाई या रफा-दफा होगा मामला ?अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कल दफ्तर लौटते ही सीएचसी अधीक्षक अमित बाजपेई इस अवैध और जानलेवा, अपेक्स हॉस्पिटल पर सीलिंग की कार्रवाई करेंगे या फिर हर बार की तरह इस बार भी मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा लेकिन इस मौत के अस्पताल पर सख्त से सख्त एक्शन होना अब बेहद जरूरी हो चुका है।

संक्षिप्त खबरें

175 वर्षों से मुहर्रम की परंपरा निभा रहा हिंदू परिवार, जुलूस में सबसे आगे रहता है ताजिया

सीतामढ़ी। कोइरौना क्षेत्र के कोटिया गांव में हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की एक अनूठी मिसाल देखने को मिलती है। यहां एक हिंदू परिवार पिछले लगभग 175 वर्षों से मुहर्रम पर ताजिया बनाकर जुलूस में शामिल करता आ रहा है। परिवार की पांचवीं पीढ़ी आज भी इस परंपरा का निर्वहन पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ कर रही है। परिवार के सदस्य संजय सिंह पुत्र राजेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि इस परंपरा की शुरुआत उनके पूर्वज ठाकुर हरिमोहन सिंह ने की थी। उनके बाद यह जिम्मेदारी जोखू सिंह, रणधीर सिंह, राजेंद्र बहादुर सिंह और अब संजय सिंह निभा रहे हैं। पूर्वजों की मन्नत पूरी होने के बाद शुरू हुई यह परंपरा आज परिवार की अमानत बन चुकी है। हर वर्ष जून माह से ताजिया निर्माण का कार्य शुरू हो जाता है। इस वर्ष भी परिवार के तीन से चार सदस्य पिछले 20 दिनों से अधिक समय से ताजिए के निर्माण और सजावट में जुटे हैं। बांस, कागज और अन्य पारंपरिक सामग्री से तैयार किए जा रहे ताजिए को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 26 जून को कोइरौना से करबला के लिए निकलने वाले पांच ताजियों में चार मुस्लिम समाज के और एक इस हिंदू परिवार का ताजिया होगा। वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार परिवार का ताजिया जुलूस में सबसे आगे चलता है। ग्रामीणों के अनुसार यह परंपरा केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, आपसी विश्वास और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का जीवंत प्रतीक है।

जिला जज, डीएम व एएसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

ज्ञानपुर। जनपद न्यायाधीश अखिलेश दूबे, जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बुधवार को जिला कारागार ज्ञानपुर का संयुक्त रूप से आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय एवं बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पुरुष, महिला एवं किशोर बैरकों के साथ रसोईघर, खाद्यान्न भंडार, डिस्पेंसरी तथा मुलाकाती पंजिका का निरीक्षण किया। डिस्पेंसरी में उपलब्ध दवाओं की जानकारी लेते हुए बंदियों के स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने महिला बैरक में पहुंचकर बंदियों से संवाद किया तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं समयबद्ध ढंग से बंदियों को उपलब्ध कराई जाएं। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक ने जेल की व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी अधिकारियों को दी।

ऑपरेशन दहन के तहत 750 किलो गांजा नष्ट, कीमत 3.75 करोड़ रुपये

भदोही। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित विशेष अभियान 'ऑपरेशन दहन' के तहत भदोही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 750 किलोग्राम अवैध गांजा का विनिष्टीकरण कराया। नष्ट किए गए गांजे की अनुमानित कीमत 3 करोड़ 75 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता वाली जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) ने थाना सुरियावां में दर्ज एक अभियोग से संबंधित बरामद गांजा का नियमानुसार निस्तारण कराया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश एवं सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में की गई। गांजे का विनिष्टीकरण प्रयागराज जनपद के हंडिया थाना क्षेत्र स्थित धानूपुर में संचालित संगम मेडीसर्व प्राइवेट लिमिटेड के इन्सिनेटर के माध्यम से किया गया। कमेटी में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल एवं क्षेत्राधिकारी लाइन बलराम सदस्य के रूप में शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य थानों में लंबित मादक पदार्थों का विधिसम्मत निस्तारण कर नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

मानसिक रूप से कमजोर युवक की जमीन हड़पने का आरोप, सट्टा और बैनामा को लेकर गांव में चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिले के ज्ञानपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत गहरपुर-माधोपुर गांव में एक युवक की जमीन के सट्टा और बैनामा को लेकर विवाद गहरा गया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मानसिक रूप से कमजोर युवक को बहला-फुसलाकर उसकी करोड़ों नहीं बल्कि लाखों रुपये मूल्य की कृषि भूमि कम कीमत पर अपने नाम करा ली गई। मामले को लेकर गांव में पंचायत भी हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। अब पीड़ित पक्ष न्यायालय की शरण लेने की तैयारी में है। मामला गोपीगंज क्षेत्र के गहरपुर ग्राम सभा निवासी संतोष कुमार साव से जुड़ा है। उनके बड़े भाई दिलीप कुमार साव का आरोप है कि संतोष की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं है और इसी का फायदा उठाकर गांव के कुछ लोगों ने उसकी जमीन अपने नाम करा ली। दिलीप कुमार साव के अनुसार, गांव निवासी सनी गौतम 29 जनवरी को राशन कार्ड बनवाने का झांसा देकर संतोष को अपने साथ ले गए। आरोप है कि इसी दौरान माधोपुर स्थित गाटा संख्या-12 में संतोष के हिस्से की लगभग 0.229 हेक्टेयर भूमि का सट्टा मात्र दो लाख रुपये में अपने नाम करा लिया गया। इसके बाद दूसरा मामला 26 मार्च 2026 का बताया जा रहा है। आरोप है कि गहरपुर निवासी मुमताज अहमद प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का आवेदन कराने के नाम पर संतोष को अपने साथ ले गए और माधोपुर स्थित रकबा संख्या-16 में संतोष के वैधानिक हिस्से 0.4230 हेक्टेयर भूमि का बैनामा अपने नाम करा लिया। परिजनों का कहना है कि उक्त भूमि की सरकारी मालियत लगभग 13 लाख 55 हजार रुपये है, जबकि बैनामा केवल दो लाख रुपये में कराया गया। पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि बैनामा में दर्शाई गई धनराशि भी संतोष को नहीं दी गई। दिलीप साव का कहना है कि बैनामा की प्रक्रिया के दौरान न तो परिवार के अन्य सदस्यों को कोई जानकारी दी गई और न ही संतोष की पत्नी को इसकी सूचना थी। आरोप है कि गवाह के रूप में मुमताज अहमद अपने पुत्र नसीब अहमद तथा एक परिचित व्यक्ति को साथ ले गए थे।मामले की जानकारी होने पर दोनों पक्षों के बीच गांव में पंचायत बुलाई गई। पंचायत में कई लोगों ने समझौते का प्रयास किया, लेकिन किसी निष्कर्ष पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद विवाद और अधिक चर्चा का विषय बन गया। दिलीप साव ने मांग की है कि उनके भाई के नाम से हुए सट्टा और बैनामा की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि धोखाधड़ी अथवा छलपूर्वक जमीन हस्तांतरण की पुष्टि होती है तो संबंधित अभिलेख निरस्त कर भूमि पुनः संतोष कुमार साव के नाम दर्ज की जाए। उन्होंने न्यायालय के माध्यम से न्याय पाने की बात कही है। वहीं, आरोपित पक्ष का कहना है कि सभी दस्तावेजी और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए ही सट्टा और बैनामा कराया गया है। उनका दावा है कि किसी प्रकार की धोखाधड़ी या जालसाजी नहीं हुई है तथा लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। फिलहाल मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। जमीन के हस्तांतरण की परिस्थितियों, संबंधित दस्तावेजों तथा युवक की मानसिक स्थिति को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। मामले की वास्तविकता और सत्यता निष्पक्ष जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत, पुत्र गंभीर घायल

गोपीगंज। शादी समारोह से घर लौट रहे मां-बेटे की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, 23 जून 2026 को शाम करीब 6 बजे अजीत कुमार बिंद (24 वर्ष) पुत्र राजेश कुमार बिंद निवासी कस्बा गोपीगंज, थाना गोपीगंज, जनपद भदोही अपनी मां राजमणि देवी (40 वर्ष) के साथ मोटरसाइकिल संख्या यूपी 66 ई 2897 से वाराणसी जनपद के मिर्जामुराद क्षेत्र से एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस अपने घर गोपीगंज लौट रहे थे। इसी दौरान थाना औराई क्षेत्र के महाराजगंज कस्बे के पास उनकी मोटरसाइकिल की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में राजमणि देवी डिवाइडर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि बाइक चला रहे अजीत कुमार बिंद भी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची औराई पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) औराई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने राजमणि देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल अजीत कुमार बिंद की हालत गंभीर देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया।पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी। परिजनों के पहुंचने के बाद मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सुरियावां में मेगा इंटरैक्शन मीटिंग एवं संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। वेल्सपन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज एवं मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को ब्लॉक सभागार सुरियावां में मेगा इंटरैक्शन मीटिंग एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 10 गांवों से आई 90 से अधिक महिलाओं, किशोरियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन खंड विकास अधिकारी ब्रजेश नारायण त्रिपाठी एवं शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि रामजी ने किया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक करने के लिए वेल्सपन फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की। संगोष्ठी में डॉ. किरण सिंह ने महिलाओं एवं किशोरियों में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के कारण, बचाव और टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी। शिक्षा विभाग के रामजी ने बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन पर जोर देते हुए कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। एडीओ एसटी अशोक पांडेय ने वेल्सपन द्वारा संचालित यूथ लर्निंग सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर बेहतर अवसर मिल रहे हैं और पलायन में कमी आई है। ब्लॉक मिशन मैनेजर चंदन ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी, जबकि बाल विकास परियोजना से जुड़ी शशिकला ने बच्चों के स्वास्थ्य एवं सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। वेल्सपन परियोजना के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर उमाशंकर ने परियोजना की उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन रीता सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन केसा ने किया। इस अवसर पर पूजा भारती, सरिता मौर्या, संध्या मौर्य, अलका मौर्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने जनता दर्शन में सुनी जनसमस्याएं

● ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की शिकायतों का किया संज्ञान

समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही- जनपद के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाने वाले जनता दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं एवं शिकायतें लेकर पहुंचे। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी ने एक-एक फरियादी की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। प्राप्त शिकायतों में राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, सड़क, आवास, पेंशन, राशन कार्ड, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, पुलिस एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामले प्रमुख रूप से शामिल रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता दर्शन में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए तथा शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखते हुए पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन प्रशासन और आमजन के मध्य संवाद का एक सशक्त माध्यम है, जिसके माध्यम से नागरिक सीधे अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे शिकायतों की नियमित समीक्षा करें तथा निस्तारण की प्रगति से शिकायतकर्ता को भी अवगत कराएं। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर रहे लोगों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाए जिलाधिकारी ने विशेष रूप से राजस्व एवं विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करें और निर्धारित समयसीमा में उनका समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना आवश्यक है। जनता दर्शन में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए उनके त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। आमजन ने अपनी समस्याओं को सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखने तथा त्वरित कार्रवाई के निर्देश मिलने पर संतोष व्यक्त किया। जनपद प्रशासन द्वारा जनता की समस्याओं के समाधान हेतु नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे है।

ग्रामीण पत्रकारों की सशक्त आवाज बना 'ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन', जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा के नेतृत्व में बदली कार्यशैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया जगत में, विशेषकर ग्रामीण अंचलों में काम करने वाले पत्रकारों को अक्सर जमीनी स्तर पर कई तरह की चुनौतियों और प्रशासनिक दबाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में मीरजापुर जनपद के भीतर 'ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन' (ग्रापाए) ने पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके सम्मान को बहाल करने में एक नई मिसाल पेश की है। संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा के कुशल व जुझारू नेतृत्व में आज यह एसोसिएशन जिले से लेकर प्रदेश की राजधानी तक अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुका है।

छात्र राजनीति से ही रहा है जुझारूपन का सफर

अजय कुमार ओझा के नेतृत्व की इस दृढ़ता और संघर्षशीलता के पीछे उनकी मजबूत पृष्ठभूमि है। स्थानीय जानकारों और उनके सहयोगियों के अनुसार, उनके भीतर का यह जुझारूपन और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखने का जज्बा छात्र राजनीति के दिनों से ही रहा है। छात्र जीवन में ही उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करना और जनहित के मुद्दों के लिए लड़ना सीख लिया था, जिसका सीधा लाभ आज मीरजापुर के पत्रकार संगठन और उससे जुड़े सदस्यों को मिल रहा है। यही कारण है कि वे हर पत्रकार की लड़ाई को अपनी व्यक्तिगत लड़ाई मानकर पूरी शिद्दत के साथ लड़ते हैं।

जब न्याय के लिए आधी रात को भी थानों में डट जाता है संगठन

एसोसिएशन की कार्यशैली की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह समय या परिस्थिति देखकर काम नहीं करता। यदि किसी पत्रकार साथी के साथ अन्याय या अभद्रता की बात सामने आती है, तो जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी आधी रात को भी थानों के भीतर धरने पर बैठने से पीछे नहीं हटते। वे स्थानीय स्तर पर किसी भी दबाव में आए बिना, सीधे पुलिस के उच्चाधिकारियों (जैसे पुलिस अधीक्षक या अन्य वरिष्ठ अधिकारी) से संपर्क साधते हैं। वे अधिकारियों को जमीनी वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए पूरी तार्किकता और सबूतों के साथ न्याय की मांग करते हैं। यही वजह है कि प्रशासनिक अमले में भी इस संगठन की बात को बेहद गंभीरता से सुना और परखा जाता है।

फर्जी मुकदमों के खिलाफ संगठन की बड़ी कामयाबी

हाल के वर्षों में मीरजापुर के पत्रकारिता इतिहास में यह पहली बार देखा जा रहा है जब कोई संगठन ग्रामीण पत्रकारों के उत्पीड़न के खिलाफ इतनी मजबूती से खड़ा हुआ है। कानूनी मोर्चे पर राहतः जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में फील्ड पर काम करने वाले पत्रकारों के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज किए गए लगभग आधा दर्जन (6) मामलों को संगठन ने पूरी संजीदगी से उठाया। निष्पक्ष जांच का दबावः संगठन के पुरजोर विरोध और अकाट्य तथ्यों के सामने आने के बाद, पुलिस प्रशासन को इन फर्जी मुकदमों में फाइनल रिपोर्ट (एफआर) लगाने पर मजबूर होना पड़ा। दोषियों पर कार्रवाईः बात सिर्फ मुकदमों की समाप्ति तक ही सीमित नहीं रही; जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन ने दबाव बनाकर उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जिन्होंने द्वेषवश या बिना जांच के पत्रकारों पर फर्जी मामले दर्ज किए थे। संकट में मददगारः राजगढ़ के दिवंगत पत्रकार साथी के परिवार को दिलाया संबल यह संगठन केवल अधिकारों की लड़ाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अपने साथियों के सुख-दुख में एक परिवार की तरह खड़ा रहता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तब देखने को मिला जब राजगढ़ के एक पत्रकार साथी की सड़क दुर्घटना में असमय मृत्यु हो गई। इस दुखद घड़ी में दिवंगत पत्रकार के परिवार को आर्थिक और मानसिक संबल देने के लिए जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जिला स्तरीय प्रेस स्थाई समिति की बैठक में इस मुद्दे को बेहद संजीदगी से उठाया और समिति से बकायदा प्रस्ताव पारित कराकर पीड़ित परिवार को ?5 लाख की सरकारी आर्थिक सहायता मंजूर कराई। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत क्षमता से और संगठन के अन्य साथियों को भी प्रेरित कर अपनी ओर से भी विशेष आर्थिक सहयोग जुटाकर पीड़ित परिवार के हाथों में सौंपने का अनुकरणीय कार्य किया। एक नजर में संगठन की ताकत और संवेदनशीलताः 24×7 सक्रियताः पत्रकारों के उत्पीड़न की सूचना पर आधी रात को भी थानों में डट जाने का हौसला। उच्च स्तरीय संवादः स्थानीय पुलिसिया दबाव को दरकिनार कर सीधे उच्चाधिकारियों के समक्ष वस्तुस्थिति रखना। अखंडताः बिना किसी व्यक्तिगत लाभ या भेदभाव के हर छोटे-बड़े पत्रकार के मान-सम्मान की रक्षा। सामाजिक दायित्वः संकटग्रस्त या दिवंगत पत्रकार साथियों के परिवारों के लिए लाखों रुपये का आर्थिक सहयोग सुनिश्चित कराना। किसी भी संगठन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि संकट के समय उसका नेतृत्व कितना सजग, निडर और संवेदनशील है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मीरजापुर और उसके जिलाध्यक्ष अजय कुमार ओझा ने केवल बयानबाजी न करके धरातल पर परिणाम दिए हैं। पत्रकारों पर दर्ज फर्जी मुकदमों में पुलिस को पीछे हटने पर मजबूर करना, दोषी कर्मियों पर कार्रवाई कराना और संकट में घिरे परिवारों के लिए सरकारी व निजी स्तर पर आर्थिक सहायता का प्रबंध करना संगठन की एकजुटता, संवेदनशीलता और प्रशासनिक पकड़ को दर्शाता है। आज यह संगठन मीरजापुर में निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए एक सुरक्षित कवच और मजबूत संबल साबित हो रहा है।

स्वस्थ समाज के लिए योग और पर्यावरण संरक्षण आवश्यकः सार्थक सक्सेना

● विश्व योग दिवस पर प्रशांति विद्या मंदिर में योग एवं पर्यावरण संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गांधी नगर स्थित प्रशांति विद्या मंदिर में योग एवं पर्यावरण स्वस्थ जीवन की आधारशिला विषय पर एक विचार गोष्ठी एवं काव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ए.के. श्रीवास्तव रहे, जबकि अध्यक्षता अशोक स्वामी ने की। वक्ताओं ने कहा कि योग और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि मानव को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीना है तो उसे नियमित योगाभ्यास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। वक्ताओं ने कहा कि सरकार द्वारा समय-समय पर योग और पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं तथा विद्यालयों में भी बच्चों को इन दोनों विषयों की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। संगोष्ठी में युवा वक्ताओं ने अंग्रेजी भाषा में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए योग और पर्यावरण के प्रति गहरी चिंता व्यक्त की। सार्थक सक्सेना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग और पर्यावरण दोनों मानव जीवन के लिए समान रूप से आवश्यक हैं। योग जहां शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ एवं संतुलित बनाता है, वहीं स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण जीवन के अस्तित्व की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि यदि हम प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण, जल संरक्षण तथा स्वच्छता जैसे कार्यों में सहभागिता निभाएं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य प्रदान किया जा सकता है। महिमा पराशर ने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। योग हमें अनुशासन, संयम और मानसिक शांति का मार्ग दिखाता है, जबकि पर्यावरण संरक्षण हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच योग और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता ही मानव समाज को संतुलित एवं सुखी बना सकती है। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने तथा योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। योगाचार्य अनुराग चतुर्वेदी ने योग के वैज्ञानिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सकारात्मक दिशा देने वाली एक संपूर्ण जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर, स्वच्छ पर्यावरण और सकारात्मक सोच मिलकर ही एक आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे साहित्यकार जहीर ललितपुरी ने अपने संबोधन में इस्लाम में योग की उपयोगिता का सुंदर एवं तथ्यपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि योग के अनेक सिद्धांत मानव कल्याण, आत्मानुशासन, संयम और मानसिक शांति की भावना से जुड़े हैं, जो विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के मूल मानवीय मूल्यों से सामंजस्य स्थापित करते हैं। उनके विचारों को उपस्थित जनों ने सराहा। इस अवसर पर विभिन्न साहित्यिक कृतियों के सृजन हेतु जहीर ललितपुरी को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कवियों ने योग, प्रकृति और मानवीय मूल्यों पर आधारित सार्थक रचनाओं का पाठ कर वातावरण को प्रेरणादायी बना दिया। कार्यक्रम में अनुराग चतुर्वेदी, एड.पुष्पेंद्र चौहान, अखिलेश शांडिल्य, पंकज अंगार, राजीव चौबे, अरमान, विजय श्रीवास्तव, उत्कर्ष श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, सार्थक सक्सेना, महिमा पराशर, रश्मि सक्सेना एवं ऊषा सक्सेना सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन अजय श्रीवास्तव ने किया तथा अंत में डा.प्रबल सक्सेना ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

निकालीं गई जनहित संकल्प पार्टी की 'न्याय यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर । बुधवार को जनहित संकल्प पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर. एस. पटेल के नेतृत्व में न्याय यात्रा निकाली गई । संकल्प पार्टी द्वारा यात्रा रथ पर लगे लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह यात्रा चुनार विधान सभा क्षेत्र के नरायनपुर पटेल त्रिमुहानी से निकलकर परसोधा,कैलहट,जमुई होते हुए राज रतन लॉन में गोष्ठी के पश्चात पदयात्रा के माध्यम से चुनार तहसील पर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन के साथ न्याय यात्रा सम्पन्न किया गया।राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. पटेल ने न्याय यात्रा में आये हुए समस्त क्रांतिकारी साथियों का आभार व्यक्त करने के साथ अपने क्रांतिकारी उद्बोधन के माध्यम से देश प्रदेश वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में व्याप्त अराजकता अन्याय अत्याचार को जनहित संकल्प पार्टी कत्तई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने देश में महिलाओं की सुरक्षा व भागीदारी पर आवाज उठाते हुए कहा कि महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को तत्काल रोका जाय व महिलाओं का प्रतिनिधित्व संसद व विधानसभाओं में आबादी के आधार पर 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित कर ओबीसी महिलाओं के लिए विशेष कोटा निर्धारित किया जाय।आगे उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार अपनी जातीय जनगणना के वादे के मुताबिक अविलंब जातीय जनगणना कराकर सभी वर्गों को वर्गीक आधार पर आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा एक देश एक शिक्षा के फार्मुले के तहत समान शिक्षा,मुफ्त शिक्षा व्यवस्था लागू करे। डॉ पटेल ने कहा कि देश प्रदेश के विभिन्न संस्थाओं में शिक्षारत छात्र-छात्राओं के लिए समता का कानून यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 को तत्काल लागू किया जाय जिससे विभिन्न संस्थाओं में पिछड़े व दलित विद्यार्थियों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार को तत्काल रोका जा सके। डा. पटेल ने अपने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि अगर हमारी मांगों पर सरकार गंभीरता पूर्वक विचार कर तत्काल न्याय की दिशा में कदम नहीं उठाती है तो गांव-गांव जनक्रांति के माध्यम से प्रदेश में एक बड़ जनान्दोलन के लिए तैयार रहेंगे।उन्होंने कहा कि नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में संलिप्त संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही करते हुए भविष्य में परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो इसे तत्काल पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब जनता के अधिकारों और न्याय की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि न्याय यात्रा को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए पूरी ताकत झोंक दिया जाय,उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य 'आधी आबादी को चाहिए पूरा अधिकार हर घर नौकरी हर हाथों को रोजगार। न्याय यात्रा में जनहित संकल्प पार्टी व सामाजिक संगठन सरदार सेना के हजारों की संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती जी की 61 वीं स्मृति दिवस पर उन्हें दी गई श्रद्धांजलि

चुनार, मीरजापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती जी का 61 विन पुण्य स्मृति दिवस पर बुधवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी गई । इस दिवस को संस्था 'आध्यात्मिक ज्ञान दिवस' के रूप रूप में मनाती है। सेवाकेंद्र चुनार में सुबह 7ः30 बजे से मुरली-क्लास ,उसके बाद भोग लगाया गया तत्पश्चात भोग - प्रसाद वितरण किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस दौरान शाखा प्रभारी ब्रह्मा कुमारी बीनू दीदी,सहप्रभारी ब्रह्मा कुमारी तारा दीदी,चनतारा दीदी,पंकज भाई,जगदीश भाई ,प्रोफेसर चंद्रशेखर सिंह ,सुरेंद्र सिंह पटेल,अजय शेखर पांडे,डॉ धीरेंद्र सिंह,सभासद संतोष यादव रामलाल सहित समस्त ब्रह्माकुमारजी परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

युवक पर जानलेवा हमला, कार में तोड़फोड़; पीड़ित ने दर्ज कराई शिकायत

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र की एडीए कॉलोनी के पास एक युवक पर अज्ञात बदमाशों द्वारा जानलेवा हमला करने और उसकी कार में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार, अमतुल्लाह अंसारी पुत्र अब्दुल सत्तार अंसारी, मूल निवासी जिला सीवान, बिहार, वर्तमान में एडीए कॉलोनी स्थित विश्व बैंक कॉलोनी में आशीष केसरवानी के मकान में किराए पर रहकर नैनी स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में कार्यरत हैं। पीड़ित ने बताया कि 23 जून 2026 की रात लगभग 11:30 बजे वह शोरूम से अपनी हुंडई वेन्यू कार से अपने आवास लौट रहे थे। घर के पास एक किराना दुकान से पानी खरीदने के बाद जैसे ही वह अपनी कार से उतरे, तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात बदमाश वहां पहुंच गए।आरोप है कि बदमाशों ने बिना किसी कारण उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने किसी भारी वस्तु से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई। हमलावर घटना के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। जाते समय उन्होंने पीड़ित की कार का पिछला शीशा भी तोड़ दिया।घटना के बाद पीड़ित ने नैनी थाना प्रभारी को लिखित तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज करने, चिकित्सीय परीक्षण कराने और आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने की मांग की है।पुलिस मामले में जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

श्री रामचरित्रमानस पाठ का आयोजन

नैनी, प्रयागराज। अरैल रामनगर चौराहा दीप इंटरप्राइजेज के डायरेक्टर दीपक सिंह के नवनिर्मित भवन के गृह प्रवेश में श्री रामचरित्रमानस पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही इस अवसर पर पत्रकार विकास कॉउंसिल के राष्ट्रीय महासचिव एवं सी न्यूज़ भारत के स्टेट हेड डी.के मिश्र साथ मे उपस्थित प्रदेश कार्यालय प्रभारी संदीप सिंह .बुंदेलखंड प्रभारी अरुणेश त्रिपाठी.मंडल प्रभारी आशीष मिश्र.पं विद्या सागर मिश्र.गौरव आदि उपस्थित रहे.. आपको बताते चले कि रामचरितमानस पाठ के अयोजन के उपरांत भजन कार्यक्रम व आरती पूजन और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।

साहू कल्याण समिति परमार्थ सेवा ट्रस्ट ने पीड़ित परिवार को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की

नैनी, प्रयागराज। साहू समाज के एक ही परिवार के तीन सदस्यों की निर्मम हत्या की घटना के बाद से साहू कल्याण समिति परमार्थ सेवा ट्रस्ट लगातार पीड़ित परिवार के साथ दुख की इस घड़ी में मजबूती से खड़ा है। इसी क्रम में समिति के पदाधिकारियों, संरक्षकों एवं सम्मानित सदस्यों के सहयोग से पीड़ित परिवार को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर समिति की ओर से पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया गया कि न्याय मिलने तक समिति हर स्तर पर उनके साथ खड़ी रहेगी और हर प्रकार की लड़ाई लड़ने में सहयोग करती रहेगी।समिति के अध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में संरक्षक लाल बहादुर साहू, ओम प्रकाश साहू, अमृत लाल साहू, के.पी. गुप्ता, दया शंकर साहू, उमा शंकर साहू, सत्यनारायण साहू, डी.डी. गुप्ता और फूलचंद साहू उपस्थित रहे।इसके अलावा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य अजीत साहू, सुधीर गुप्ता, श्यामदेव गुप्ता, प्रेमचंद साहू, धीरज साहू, हरिश्चंद्र गुप्ता, दीपचंद साहू, रोहित साहू, अमित साहू, विशाल साहू और नीलाभ गुप्ता भी मौजूद रहे।सभी उपस्थित सदस्यों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आगे भी हरसंभव सहायता जारी रखने का संकल्प लिया तथा दोषियों को कड़ी सजा दिलाने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का भरोसा जताया।

लखनऊ अग्निकांड के बाद सीएम योगी का बड़ा फैसला: बेसमेंट में कोचिंग-कमर्शियल एक्टिविटी पर पूरी तरह रोक

● लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा और सख्त फैसला लिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब प्रदेश में किसी भी इमारत के बेसमेंट में कोचिंग सेंटर नहीं चलाया जाएगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसमेंट के इस्तेमाल पर सख्त आदेश जारी किया है. अब किसी भी इमारत के बेसमेंट में कोचिंग सेंटर या कोई भी व्यापारिक काम नहीं किया जा सकेगा. सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने पर कोई छूट नहीं दी जाएगी. सभी सरकारी विभागों को आदेश दिया गया है कि वे नियमों का सख्ती से पालन करवाएं। लखनऊ अग्निकांड के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ा और सख्त आदेश दिया है. उन्होंने कहा है कि किसी भी इमारत के बेसमेंट में अब कोचिंग सेंटर नहीं चलाया जा सकेगा. इसके साथ ही बेसमेंट में किसी भी तरह का व्यापार या कारोबार करने पर भी रोक लगा दी गई है. यह आदेश सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसमेंट के इस्तेमाल को लेकर एक बहुत सख्त निर्देश जारी किया है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि किसी भी बिल्डिंग के बेसमेंट में कोचिंग क्लास नहीं चलाई जाएगी. यानी अब कोई भी कोचिंग सेंटर बेसमेंट में अपनी क्लास नहीं चला पाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि बेसमेंट में किसी भी तरह का दूसरा कारोबार भी नहीं किया जा सकेगा. यानी दुकान, ऑफिस या कोई और कमर्शियल काम बेसमेंट में करने की इजाजत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगर कहीं सुरक्षा के नियमों को नजरअंदाज किया गया तो उसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इसका मतलब है कि सुरक्षा से जुड़े नियमों में कोई ढिलाई नहीं चलेगी। इस आदेश को लागू करने के लिए सभी जिम्मेदार सरकारी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे नियमों का सख्ती से पालन करवाएं. जो भी कोचिंग सेंटर या दुकान बिना इजाजत के बेसमेंट में चल रही है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को कहा गया है कि वे ऐसी इमारतों की पहचान करें जहां बेसमेंट में गलत तरीके से कोचिंग या दुकान चल रही है. ऐसी इमारतों की तुरंत जांच की जाएगी.इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि आग से बचाव और किसी भी आपदा से निपटने के नियमों का पूरी तरह पालन हो रहा है या नहीं। अगर जांच में पता चलता है कि किसी ने नियम तोड़े हैं, तो ऐसे संचालकों के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी. यानी सिर्फ कोचिंग चलाने वाले पर ही नहीं, बल्कि ढिलाई बरतने वाले अफसरों पर भी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने इस पूरे मामले में एक बात साफ कही है कि लोगों की जान और सुरक्षा सबसे ऊपर है।

इसमें किसी भी तरह की लापरवाही को माफ नहीं किया जाएगा। यह आदेश इस वजह से अहम माना जा रहा है क्योंकि पहले भी कई बार बेसमेंट में चल रही कोचिंग या दुकानों की वजह से हादसे हो चुके हैं. इसी को रोकने के लिए मुख्यमंत्री ने यह कड़ा फैसला लिया है।

प्रयागराज में स्टेशनरी की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। लूकरगंज क्षेत्र में बुधवार सुबह एक स्टेशनरी की दुकान में अचानक भीषण आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद पूरे मकान में धुआं भर गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। दमकल विभाग की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लूकरगंज निवासी राजमणि गोयल अपने पुत्र के साथ मकान में रहती हैं और घर के निचले हिस्से में स्टेशनरी की दुकान संचालित करती हैं। बुधवार सुबह लगभग 10 बजे दुकान से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते धुआं पूरे मकान में फैल गया और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दुकान में बड़ी मात्रा में रखी किताबें, कॉपियां, रजिस्टर, फाइलें तथा अन्य स्टेशनरी सामग्री आग की चपेट में आ गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही खुल्दाबाद चौकी प्रभारी नीरज यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। उधर, फायर ब्रिगेड की टीम भी कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने तेजी से मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब आधे घंटे तक लगातार प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। दमकल कर्मियों ने आग को मकान के अन्य हिस्सों तक फैलने से रोक दिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।

लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम, कलाकारों ने बांधा समां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर रविवार सायंकाल प्रयाग संगीत समिति के मेहता प्रेक्षागृह में शिव शक्ति फाउंडेशन के तत्वावधान में लोक-संस्कृति आधारित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकगीत, लोकनृत्य और संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी प्रयागराज की धर्मपत्नी डॉ. अंकिता राज उपस्थित रहीं। उन्होंने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि लोक-संस्कृति हमारी समृद्ध विरासत है और ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।कार्यक्रम में मोहनी श्रीवास्तव, शिखा सिंह, रागिनी श्रीवास्तव, पूर्णिमा गौड़, पूर्वी मिश्रा, यशी यादव, निधि कुशवाहा, आंचल कुशवाहा, शिल्पा कुशवाहा, शीलू द्विवेदी, प्रियंका अग्रहरि, खुशी आर्य, श्रद्धा श्रीवास्तव, अनूपा मिश्रा एवं रंजना त्रिपाठी सहित अनेक कलाकारों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रेक्षागृह में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा। दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम लोक-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ।

नामित पार्षद अरुण कुमार मिश्रा के, झूंसी सहित कई क्षेत्रों में विकास कार्यों से जनता खुश

झूंसी/प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज के नामित पार्षद अरुण कुमार मिश्रा 'पिंटू नेता' आज जनसेवा, विकास और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के कारण क्षेत्र में एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में पहचान बना चुके हैं। झूंसी, मायापुरी, नैका, छतनाग तथा आसपास के अनेक क्षेत्रों में उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों और जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार की व्यापक सराहना हो रही है। क्षेत्रवासियों के अनुसार स्ट्रीट लाइट खराब होने, नालियों की सफाई, सड़क मरम्मत, जल निकासी, जलभराव, स्वच्छता एवं अन्य नागरिक समस्याओं के समाधान में पार्षद अरुण मिश्रा की सक्रिय भूमिका लगातार देखने को मिलती है। कई स्थानों पर लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान उनके प्रयासों से संभव हो सका है, जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

मानक-विहीन कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई की मांग, छात्र नेताओं ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में संचालित अवैध एवं मानक-विहीन कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर छात्र नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी प्रयागराज को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए छात्रों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जांच अभियान चलाने की मांग की। छात्र नेताओं ने अपने ज्ञापन में कहा कि हाल ही में लखनऊ स्थित एक कोचिंग संस्थान में हुई भीषण अग्निकांड की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में संचालित कोचिंग संस्थान सुरक्षा मानकों का कितना पालन कर रहे हैं। प्रयागराज को देश के प्रमुख शिक्षा केंद्रों में गिना जाता है, जहां हजारों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विभिन्न कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करते हैं। ऐसे में छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जनपद के सभी कोचिंग संस्थानों की विशेष जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास द्वार, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था, भवन की संरचनात्मक मजबूती तथा शासन द्वारा निर्धारित अन्य आवश्यक सुरक्षा मानक उपलब्ध हैं या नहीं। साथ ही बिना मान्यता प्राप्त अथवा नियमों के विपरीत संचालित कोचिंग संस्थानों को तत्काल चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में आदर्श भदौरिया, आदेश शर्मा, अभय सिंह, सौरभ सिंह गहरवार, प्रियांशु यादव 'विद्रोही' एवं आदित्य सिंह सहित अन्य छात्र प्रतिनिधि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अंतरजनपदीय चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, लाखों के जेवरात, लैपटॉप और नकदी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झूंसी। कमिश्नरेट प्रयागराज की थाना झूंसी पुलिस एवं एसओजी नगर की संयुक्त टीम ने चोरी की कई घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, एक लैपटॉप, 45 हजार रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हुई कई चोरी की वारदातों का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत थाना झूंसी पुलिस, एसओजी नगर तथा सर्विलांस सेल नगर की संयुक्त टीम लगातार सक्रिय थी। इसी क्रम में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर बुधवार को ग्राम कोहना स्थित सोहम आश्रम के पास से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में गोलू उर्फ विकास पुत्र स्वर्गीय बाबूराम निवासी बरेली (वर्तमान निवासी हाथरस) तथा अमित यादव पुत्र अनिल यादव निवासी बदरा, झूंसी (वर्तमान निवासी हवेलिया, झूंसी) शामिल हैं। पुलिस जांच में पता चला कि दोनों अभियुक्त थाना झूंसी क्षेत्र में दर्ज चोरी के तीन मुकदमों– मु0अ0सं0 200/2026, 208/ 2026 एवं 88/ 2026– में वांछित चल रहे थे। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया है, जिसमें– 02 सोने की चेन,02 सोने की नाक की कील, 03 सोने की अंगूठियां, 01 जोड़ी सोने के झुमके,06 जोड़ी चांदी की पायल,04 जोड़ी चांदी की बिछिया, 10 चांदी के सिक्के, 01 जोड़ी चांदी की पायजेब, 01 लैपटॉप, 45,000 नकद, एक मोटरसाइकिल (UP 25BE0556)शामिल हैं। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने संबंधित मुकदमों में धारा 331(4), 317(2), 317(4) एवं 61(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण जल्द पूरा कराने के निर्देश

ब्यूरो प्रयागरा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में निर्माणाधीन एवं अपूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों एवं महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के पंजीकरण की समीक्षा करते हुए सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) को निर्देशित किया कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित कर जून से 15 जुलाई 2026 तक निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र गर्भवती एवं धात्री महिला तक पहुंचना चाहिए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ को निर्देश दिया कि विकास खंड स्तर पर जीएमडी (GMD) से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम पुनः आयोजित कर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को इसी माह के भीतर प्रशिक्षित कराया जाए, जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

कुपोषण मुक्त प्रयागराज के लिए प्रशासन सख्त, 1 जुलाई से शुरू होगा अभियान'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में कुपोषण और अतिकुपोषण की समस्या को प्रभावी ढंग से समाप्त करने तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को एनआईसी सभागार में जिला पोषण एवं कन्वर्जेंस समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों के पोषण स्तर में सुधार प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाले वीएचएसएनडी (Village Health Sanitation and Nutrition Day) सत्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा वहां उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जुलाई से सितंबर 2026 तक संचालित किए जाने वाले 'संभव अभियान' की तैयारियों की समीक्षा करते हुए पंचायत विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं बाल विकास विभाग को आपसी समन्वय से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का शुभारंभ 1 जुलाई 2026 को किया जाएगा और इसके माध्यम से कुपोषित बच्चों की पहचान, उपचार एवं पोषण सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विकास अधिकारी को अभियान की साप्ताहिक समीक्षा करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भाकियू टिकैत के जिला अध्यक्ष बने श्यामधर सिंह, हृदयतोष उपाध्याय को मिली महासचिव की जिम्मेदारी

सीतामढ़ी। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की एक आवश्यक बैठक आयोजित कर संगठन के जिला स्तरीय पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक में संगठन के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय मल्लू राम बिंद के निधन से रिक्त हुए जिला अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से श्यामधर सिंह को नियुक्त किया गया। वहीं जिला महासचिव पद की जिम्मेदारी हृदयतोष उपाध्याय को सौंपी गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष और महासचिव का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई। निर्णय लिया गया कि शेष जिला पदाधिकारियों का चयन जिला अध्यक्ष एवं जिला महासचिव की सहमति से शीघ्र किया जाएगा। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्यामधर सिंह ने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में राजेश सिंह, मंगला प्रसाद सिंह, अमर बहादुर सिंह, शत्रुघ्न सिंह, घनश्याम बिंद, रामदेव बिंद, सुनील मौर्य, नरसिंह बहादुर सिंह, सूर्यनाथ बिंद सहित अनेक किसान नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने स्वर्गीय मल्लू राम बिंद को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

आईजीआरएस पर आने वाली जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न होने पर जिलाधिकारी ने जतायी कड़ी नाराजगी

● लापरवाही बरतने पर उपजिलाधिकारी करछना व कोरांव सहित कुल 10 अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकार मनीष कुमार वर्मा के द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर की जाने वाली जनशिकायतों के प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आईजीआरएस के संदर्भों में नियत समयावधि के अंदर जांचकर्ता अधिकारी द्वारा शिकायकर्ता के मोबाइल पर सम्पर्क करने, उनका नियमानुसार निस्तारण व समाधान कराने के निर्देश दिए गए थे। उक्त की जांच हेतु जिलाधिकारी के द्वारा स्वयं एवं उच्चाधिकारियों के द्वारा रैण्डमली शिकायतकर्ताओं से वार्ता की गयी, जिसमें संज्ञान में आया कि निर्देशों के बावजूद भी जांचकर्ता अधिकारियों के द्वारा शिकायतकर्ता के मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क तो किया गया, किंतु सम्बंधित अधिकारी द्वारा उनकी शिकायत में अंकित तथ्यों का निस्तारण व समाधान नहीं किया गया है, जिसपर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी करछना, कोरांव, तहसीलदार सदर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, ज्येष्ठ खान अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड-बारा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, उप निबंधक फूलपुर, खण्ड विकास अधिकारी उरूवा व कोरांव को कारण बताओं नोटिस जारी करने तथा उन्हें तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने एवं शिकायती प्रकरणों के सम्बंध में तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने व कृतकार्यवाही से उन्हें अवगत भी कराये जाने के निर्देश दिए है।

भरत तिवारी केस में बड़ा एक्शन, एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों पर FIR दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बिहार के भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है. मामले में जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थाना अध्यक्ष समेत एनकाउंटर में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और परिजनों की शिकायत के आधार पर की गई है. मामले की जांच पहले से ही विभिन्न स्तरों पर चल रही है और अब पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद जांच को नया मोड़ मिल गया है। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी. इस मामले को लेकर राज्यभर में राजनीतिक बयानबाजी भी हुई और न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सात दिन बीत जाने के बाद अब मृतक के परिवार का दर्द और आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है. परिजनों ने सरकार द्वारा घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए चेतावनी दी है कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला, तो पूरा परिवार सामूहिक आत्मदाह करने को मजबूर होगा। भरत तिवारी की मौत को एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन परिवार अब भी इसे फर्जी एनकाउंटर बताते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है. परिजनों का कहना है कि मामले से जुड़े कई सबूत पहले से सार्वजनिक हैं, ऐसे में केवल जांच की घोषणा से उन्हें संतोष नहीं है। भरत तिवारी के मोबाइल को पुलिस के द्वारा अभी तक नहीं दिए जाने को लेकर मृतक भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि घटना के समय युवक के पास दो मोबाइल फोन थे. इनमें से एक मोबाइल तथा उसकी मोटरसाइकिल उन्हें वापस कर दी गई है, लेकिन दूसरा निजी मोबाइल अब भी पुलिस के कब्जे में है।

रेलवे ट्रैक के पास युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

भदोही। चौरी थाना क्षेत्र के नेमजातर अमवा खुर्द गांव निवासी 21 वर्षीय युवक की रेलवे ट्रैक के पास मौत हो जाने से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नेमजातर अमवा खुर्द निवासी ओमप्रकाश पटेल का पुत्र जंग बहादुर पटेल एक निजी अस्पताल की लैब में कार्यरत था। बुधवार सुबह वह मोटरसाइकिल से घर से निकला था। बाद में कन्हैया गांव के समीप रेलवे ट्रैक के पास उसका शव मिलने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दो भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था। मां परमीला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर चौरी चौकी प्रभारी नथुनी सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मोबाइल फोन के विवरण और परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

महिला संगठन के स्पोर्ट्स प्रोग्राम में शामिल हुईं मुख्य अतिथि उपासना मरांडी

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड:- पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत बीचपहाड़ी पंचायत के सालपानी गांव में संथाल गोगो आजीविका महिला ग्राम संगठन, सालपानी की ओर से 23 जून को विभिन्न प्रकार की मनोरम खेल प्रतियोगिताओं का सुंदर आयोजन किया गया। इस आकर्षक एवं उत्साहवर्धक खेल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो केंद्रीय कमेटी की सदस्या उपासना मरांडी सहर्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने शहीद सिदो-कान्हू और फूलो-झानो जैसे महान क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। स्थानीय महिला समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिला समूहों द्वारा आयोजित खेल आयोजनों के तहत दौड़, रस्साकशी, तीरंदाजी आदि प्रतियोगिताओं में शामिल होकर उन्होंने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही उन्हें हूल दिवस के ऐतिहासिक संघर्ष से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उपासना मरांडी ने खेल प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरित करते हुए उनके उत्साह का संवर्धन भी किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने मनोहारी खेल प्रतियोगिताओं का भरपूर आनंद उठाया तथा आयोजित कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

ट्रांसफार्मर खराब होने से अंधेरे में डूबा बच्चा मुस्लिम टोला, नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

मंडरो, साहेबगंज, झारखंड:- प्रखंड क्षेत्र के बच्चा मुस्लिम टोला गांव में विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण गांव के लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी के बीच बिजली नहीं रहने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के एसडीओ (SDO) को आवेदन भेजकर अविलंब नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने से घरों में अंधेरा पसरा हुआ है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है तथा पेयजल, मोबाइल चार्जिंग और अन्य आवश्यक कार्यों में भी कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या की जानकारी विभाग को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराकर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों से समस्या के शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे विभाग के विरुद्ध आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

सोनभद्र – जनपद सोनभद्र के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी जो न्यूनतम इंटरमीडिएट उत्तीर्ण हों तथा जिनके माता-पिता अथवा अभिभावकों की सभी स्रोतों से वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक न हो, वे इस योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर 16 जून 2026 से 10 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने के बाद उसकी प्रति डाउनलोड कर समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित निर्धारित तिथि तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, कक्ष संख्या-37, विकास भवन लोढ़ी, सोनभद्र में हार्ड कॉपी जमा करना अनिवार्य होगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि योजना का उद्देश्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को तकनीकी एवं रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

बलिया में कोचिंग संस्थानों पर सख्ती....बिना पंजीकरण संचालन नहीं, बेसमेंट में चलाने पर रोक

● डीएम मंगल प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक, सुरक्षा मानकों के पालन और ऑनलाइन पोर्टल विकसित करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा ब्रेकिंग न्यूज़

बलिया। जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी के संचालन को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी मंगल प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कोचिंग संस्थानों के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी कोचिंग संस्थान उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियम नियमावली-2002 के प्रावधानों के अनुसार ही संचालित किए जाएं। इसके तहत प्रत्येक कोचिंग सेंटर का जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य होगा। साथ ही किसी भी स्थिति में बेसमेंट में कोचिंग संस्थान संचालित नहीं किए जा सकेंगे। बैठक में सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिया गया कि सभी संस्थानों में अग्निशमन व्यवस्था, पर्याप्त खिड़कियां, स्वच्छ पेयजल, शौचालय तथा विद्युत सुरक्षा के मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। बिना सुरक्षा मानकों के संचालन करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद के अधिकांश कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण की अवधि समाप्त हो चुकी है तथा नवीनीकरण के लिए प्रस्तुत कई आवेदनों के साथ अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) संलग्न नहीं है। बैठक में पंजीकरण शुल्क की नई व्यवस्था की भी जानकारी दी गई। छात्र संख्या के आधार पर 250 रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसकी वैधता तीन वर्ष होगी और शुल्क ट्रेजरी चालान के माध्यम से जमा किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कोचिंग संचालकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को जिला विज्ञान सूचना अधिकारी के सहयोग से एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार कराने को कहा गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण कोई दुर्घटना होती है तो संबंधित संचालकों एवं जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, नगर मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी, बीएसए, अग्निशमन अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगरपालिका तथा दो दर्जन से अधिक कोचिंग संस्थानों के संचालक एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एनसीईआरटी की चेतावनी: नौवीं की सामाजिक विज्ञान की फर्जी किताबों से रहें सावधान

लखनऊ। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा नौ की नई सामाजिक विज्ञान की पुस्तक अभी आधिकारिक रूप से उपलब्ध भी नहीं हुई है, लेकिन इसकी फर्जी और पायरेटेड प्रतियां इंटरनेट मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित होने लगी हैं। इसे गंभीर मानते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्कूलों को सावधान रहने की चेतावनी जारी की है। कक्षा नौ की सामाजिक विज्ञान भाग-1 की पुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियांड' के नाम से इंटरनेट पर प्रसारित हो रही कुछ प्रतियां पूरी तरह अनधिकृत हैं और उनका परिषद से कोई संबंध नहीं है। खास बात यह है कि यह सामग्री पुस्तक के आधिकारिक प्रकाशन से पहले ही प्रसारित की जा रही है। प्रदेश के हजारों सीबीएसई स्कूलों के छात्रों के लिए यह स्थिति परेशानी का कारण बन सकती है। एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि उसकी पुस्तकें केवल अधिकृत माध्यमों से ही प्रकाशित और वितरित की जाती हैं। बिना अनुमति एनसीईआरटी की पुस्तकों की छपाई, कॉपी करना, डिजिटल रूप से साझा करना या बेचना कॉपीराइट अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है।

छड़वा मैदान में 8वीं मोहर्रम पर उमड़ा जनसैलाब, इस्लामी परचमों से गूंजा इलाका

● ग्रामीण अखाड़ों की शानदार पेशकश, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- मोहर्रम की 8वीं तारीख पर छड़वा मैदान में आस्था, परंपरा और भाईचारे का शानदार नज़ारा देखने को मिला। बालियांद, गादोखर-1, गादोखर-2, पबरा, खुटरा, दुकड़ा, हेडलाग, डांड, पिचड़ी और सुलमी समेत कई गांवों से हजारों की संख्या में लोग अपने-अपने अखाड़ों और गगनचुंबी इस्लामी परचमों के साथ मैदान पहुंचे। मैदान में पहुंचे अखाड़ों ने अपने पारंपरिक करतब, अनुशासन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पूरे क्षेत्र में मोहर्रम की अकीदत और उत्साह का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर छड़वा मोहर्रम कमिटी के अध्यक्ष नौशाद खान उर्फ डिस्को, उपाध्यक्ष बाबर अंसारी, सचिव कमालुद्दीन इराकी एवं मो. अकमल, कोषाध्यक्ष इंतेखाक हुसैन और मीडिया प्रभारी निसार खान सक्रिय रूप से व्यवस्था संभालते नजर आए। कार्यक्रम में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष साजिद अली खान, खुटरा के मुखिया अनवारुल हक, डांड के मुखिया प्रतिनिधि इरशाद अंसारी, रोमी के मुखिया अकबर हुसैन, गादोखर गांव के बबलू अंसारी सहित सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन की भी अहम भूमिका रही। कटकमसांडी अंचल के एडीपीओ ज्ञान रंजन, बीडीओ पूजा कुमारी तथा पेलावल थाना प्रभारी बिट्टू रजक छड़वा मैदान में मौजूद रहे और पूरे आयोजन पर नजर बनाए रखी। मोहर्रम के इस आयोजन ने क्षेत्र में आपसी सौहार्द, एकता और भाईचारे का संदेश दिया। ग्रामीणों ने भी अनुशासन और शांति के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर मिसाल पेश की।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से बरही पुलिस ने गुम हुआ मोबाइल बरामद कर मालिक को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार के निर्देशानुसार बरही थाना पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए गुम हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उसके वास्तविक धारक को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार बरही थाना क्षेत्र के पटना रोड निवासी सचिन कुमार का मोबाइल फोन कुछ समय पूर्व गुम हो गया था। इसके बाद उन्होंने सीईआईआर पोर्टल पर इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद बरही पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए मोबाइल को बरामद कर लिया। बुधवार को बरामद मोबाइल को उसके मालिक सचिन कुमार को विधिवत सौंप दिया गया।

गुम हुए मोबाइल की सूचना तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कराएं : थाना प्रभारी

इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने कहा कि सीईआईआर पोर्टल गुम या चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी के लिए एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी का मोबाइल गुम हो जाए या चोरी हो जाए तो इसकी सूचना तत्काल सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कराएं तथा निकटतम थाना में भी जानकारी दें। इससे मोबाइल को ब्लॉक करने और उसकी ट्रैकिंग कर बरामद करने में सहायता मिलती है।उन्होंने कहा कि हजारीबाग पुलिस आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। बरही पुलिस द्वारा आगे भी

तकनीकी संसाधनों की मदद से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी का अभियान जारी रखा जाएगा। मोबाइल वापस मिलने पर सचिन कुमार ने हजारीबाग पुलिस एवं बरही थाना पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका मोबाइल वापस मिल जाएगा, लेकिन पुलिस की तत्परता और तकनीकी प्रयासों से उनका मोबाइल सुरक्षित वापस मिल गया।

जनपद सोनभद्र में 22 जून से 21 अगस्त 2026 तक धारा-163 लागू

● आगामी पर्व-त्योहारों एवं परीक्षाओं को लेकर प्रशासन सतर्क

सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र- जनपद में आगामी पर्व-त्योहारों, धार्मिक आयोजनों, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्ट्रेट वागीश कुमार शुक्ल द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163(2) के अंतर्गत निषेधाज्ञा जारी की गई है। यह आदेश जनपद सोनभद्र की सम्पूर्ण सीमा में दिनांक 22 जून 2026 से 21 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा। निषेधाज्ञा के अंतर्गत बिना सक्षम प्रशासनिक अनुमति किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस, धरना-प्रदर्शन अथवा सार्वजनिक आयोजन नहीं किए जा सकेंगे। धार्मिक मेले, बारात एवं शव यात्राएं इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी, किन्तु आयोजकों को निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सार्वजनिक आयोजनों में सामाजिक सद्भाव एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की भड़काऊ नारेबाजी, जातीय अथवा धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले पोस्टर, पर्चे अथवा प्रचार सामग्री का वितरण पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर झूठी, भ्रामक अथवा उत्तेजनात्मक सूचनाएं प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी ग्रुप एडमिन को निर्देशित किया गया है कि वे अपने समूहों में प्रसारित होने वाली सामग्री पर सतर्क निगरानी रखें तथा किसी भी आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाली सामग्री की तत्काल सूचना प्रशासन को दें। निषेधाज्ञा के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर अस्त्र-शस्त्र, आग्नेयास्त्र, विस्फोटक अथवा ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलना, यातायात अवरुद्ध करना, शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करना तथा किसी भी प्रकार की अराजक गतिविधियों में संलिप्त होना प्रतिबंधित रहेगा। होटल, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। अपर जिला मजिस्ट्रेट वागीश कुमार शुक्ल ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे निषेधाज्ञा के सभी प्रावधानों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से भ्रामक सूचना प्रसारित करता है तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को उपलब्ध कराएं। जनपद में शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

अंग्रेजी ओलंपियाड में डीएवी बरही की छात्रा सृष्टि रानी को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- डीएवी पब्लिक स्कूल बरही की छात्रा सृष्टि रानी ने अंग्रेजी ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा आठवीं की छात्रा सृष्टि रानी पिता निर्मल प्रसाद को अंग्रेजी ओलंपियाड में 83.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें दिसंबर 2025 में आयोजित अंग्रेजी ओलंपियाड परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने के लिए दिया गया। सृष्टि रानी की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सृष्टि की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वह भविष्य में भी विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेगी। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं का आह्वान किया कि वे इस तरह के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लें।

बलिया: पारिवारिक विवाद से परेशान युवक 120 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ा

● चार घंटे की मशक्कत के बाद उतारा गया सुरक्षित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जनपद के बांसडीह थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक पारिवारिक विवाद से आहत होकर करीब 120 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। टॉवर पर चढ़े युवक ने नीचे मौजूद लोगों के बीच पर्चियां फेंकीं, जिनमें उसने अपने परिवार के सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाए और अपनी पीड़ा व्यक्त की। युवक द्वारा वितरित पर्चियों पर 'परिवार के बड़े बेटे का दर्द' शीर्षक अंकित था। इनमें परिवार की तस्वीरों के साथ पत्नी, माता-पिता, भाइयों तथा एक पड़ोसी महिला समेत कई लोगों पर मानसिक प्रताड़ना और उपेक्षा के आरोप लगाए गए थे। युवक का कहना था कि उसने वर्षों की मेहनत से कमाए लगभग 30 से 35 लाख रुपये परिवार को सौंप दिए, लेकिन बदले में उसे सम्मान और सहयोग नहीं मिला। उसने आरोप लगाया कि विवाह के कुछ ही महीनों बाद उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई, जिससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गया। युवक ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी आशंका जताते हुए पुलिस और न्यायालय के चक्कर लगाने की बात कही। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और अधिकारियों के प्रयासों से युवक को लगातार समझाया गया। करीब चार घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। इस मामले में युवक की तहरीर के आधार पर पुलिस ने उसके माता-पिता और दो भाइयों के खिलाफ मारपीट, घर में घुसकर तोड़फोड़ तथा अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही और यह मामला चर्चा का विषय बना रहा।

रांची में अधिकारियों से मिले सांसद मनीष, सड़क एवं पेयजल योजनाओं में तेजी लाने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने दिल्ली के संसद भवन परिसर में आयोजित लोकसभा की प्राक्कलन समिति की बैठक से लौटने के बाद बुधवार को रांची में झारखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सड़क निर्माण एवं पेयजल आपूर्ति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। सांसद मनीष जायसवाल ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से भेंट कर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की कई लंबित सड़क परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने एनएच-33 हजारीबाग-चतरा पथ से हजारीबाग-बगोदर पथ (बाईपास फेज-2) निर्माण प्रस्ताव पर शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की। साथ ही रामगढ़ के पटेल चौक से बोंगाबार तक लगभग 10 किलोमीटर सड़क को फोरलेन बनाने के प्रस्ताव को सीआरआईएफ योजना के तहत केंद्र सरकार को अनुशंसित करने का आग्रह किया। इसके अलावा नया मोड़ चौक से गिद्दी दामोदर पुल (हीरक रोड) तक जर्जर सड़क की मरम्मत तथा रामगढ़ जिले के कोठार चौक से गोला तक सड़क

को फोरलेन में विकसित करने की आवश्यकता पर भी उन्होंने विशेष वार्ता की। इसी क्रम में सांसद मनीष जायसवाल ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबू इमरान से मुलाकात कर बरही-चौपारण जलापूर्ति योजना को शीघ्र शुरू कराने की मांग रखी।

उन्होंने हजारीबाग एवं रामगढ़ जिलों में जल जीवन मिशन की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए कहा कि कई गांवों में अब तक नल कनेक्शन नहीं पहुंचे हैं, जबकि अनेक स्थानों पर नियमित जलापूर्ति भी नहीं हो रही है। सांसद मनीष जायसवाल ने विभागीय सचिव से योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं एजेंसियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत करने, बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने तथा हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पड़ सकती है भारी, शॉपिंग मॉल और बड़े प्रतिष्ठानों की जांच जरूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा ब्रेकिंग न्यूज़

गोपीगंज। नगर क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक शॉपिंग मॉल तथा दर्जनों की संख्या में कपड़ा व अन्य बड़े प्रतिष्ठान संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। हैरत की बात यह है कि संबंधित विभाग भी इस ओर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। नगर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में कई ऐसी दुकानें संचालित हो रही हैं, जिनकी चौड़ाई मात्र 10 फीट और लंबाई लगभग 70 फीट एक से दो फ्लोर तक है। इन प्रतिष्ठानों में आग जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए न तो वैकल्पिक निकास द्वार की व्यवस्था है और न ही पर्याप्त अग्निशमन उपकरण उपलब्ध हैं। इसके अलावा विद्युत वायरिंग भी मानकों के अनुरूप नहीं दिखाई देती। अधिकांश प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती के साथ ही पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से सड़को पर गाड़ियां खड़ी होने से दुर्घटनाओं की भी संभावना बनी रहती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी प्रतिष्ठान में आग लगने जैसी घटना होती है, तो लोगों की जान-माल को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अक्सर आग लगने की घटनाओं में शॉर्ट सर्किट को कारण बताया जाता है, लेकिन यह सवाल उठता है कि क्या संबंधित प्रतिष्ठानों में विद्युत सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि समय-समय पर शॉपिंग मॉल एवं बड़े प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की जाए, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके। सवाल यह भी उठता है कि मॉल या प्रतिष्ठान के मालिकों ने संबंधित फायर, इलेक्ट्रिक, नगर पालिका से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट ले रखा है।

रेलवे स्टेशन पर महिला का पर्स चोरी, एक तोला सोना व नकदी ले उड़े चोर

ललितपुर। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही एक महिला यात्री का पर्स चोरी हो गया, जिसमें करीब एक तोला सोने के आभूषण तथा 3,500 रुपए नकद रखे हुए थे। घटना की शिकायत पर जीआरपी ललितपुर ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित शास्त्री नगर निवासी अखिलेश लोधी पत्नी सुनील लोधी अपने मायके ग्राम करमरा, थाना पाली आई हुई थीं। 20 जून की शाम करीब सात बजे वह उज्जैन जाने के लिए ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचीं। प्रतीक्षारत अवस्था में उन्होंने अपना पर्स बैग के ऊपर रख दिया था। इसी दौरान महामना एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म पर पहुंची। महिला ट्रेन में चढ़ीं, लेकिन अत्यधिक भीड़ होने के कारण नीचे उतरकर दूसरे प्लेटफॉर्म पर चली गईं। बाद में जब वह पातालकोट एक्सप्रेस में बैठकर रवाना हुईं, तब रास्ते में सामान की जांच करने पर उन्हें पता चला कि उनके पर्स के अंदर रखा छोटा पर्स गायब है। उस पर्स में करीब एक तोला सोने के जेवरात और 3,500 रुपए नकद रखे हुए थे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर कोचिंग संस्थानों, प्रतिष्ठानों एवं व्यावसायिक इकाइयों का व्यापक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशों के क्रम में जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, होटलों, विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की जांच हेतु विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विभिन्न संस्थानों में सुरक्षा मानकों, अग्निशमन व्यवस्थाओं, वैधानिक अभिलेखों एवं आवश्यक सुविधाओं का परीक्षण कर विद्यार्थियों तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जनपद के सात कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्ग, पंजीकरण की स्थिति तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया। जांच में दो कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण अवधि समाप्त पाया गया। इस पर संबंधित संचालकों को पंजीकरण नवीनीकरण एवं वैधता के लिए तत्काल प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अन्य सभी कोचिंग संस्थानों में व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं नियमानुसार पाई गईं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि बिना वैध पंजीकरण अथवा नियमों के विपरीत संचालित कोचिंग संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीड़ा) द्वारा विभिन्न दुकानों, अस्पतालों, विद्यालयों, कालीन प्रतिष्ठानों एवं अन्य व्यावसायिक इकाइयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों, स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच की गई। कुछ प्रतिष्ठानों में निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं न पाए जाने पर संबंधित संचालकों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए तथा कमियों को निर्धारित समयावधि में दूर करने को कहा गया। वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा जनपद के 20 प्रतिष्ठानों, होटलों, दुकानों एवं अन्य संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, आपातकालीन निकास मार्ग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया। जांच में कुछ संस्थानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियां पाए जाने पर संबंधित संचालकों को नोटिस जारी करते हुए तत्काल सुधार सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि जनपद में संचालित सभी सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य

है। विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं आमजन की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण अभियान संचालित करने तथा निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संस्थान संचालकों को अपने परिसरों में अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों को अद्यतन रखना होगा, जिससे किसी भी आपात स्थिति में जनहानि एवं दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। जनपद प्रशासन सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं उत्तरदायी संस्थागत वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त खबरें

बेटे के लापता हो जाने पर पिता ने दर्ज कराई गुमशुदगी

कोंच(जालौन)- गांव से शहर गए बेटे के लापता हो जाने से परेशान पिता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मनोहरी निवासी राजमिस्त्री सरमन लाल कुशवाहा ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसका पुत्र रामकुमार बीती 22 जून की सुबह 7 बजे उई जाने की बात कहकर घर से निकला था। 23 जून की दोपहर 12 बजे तक उसका मोबाइल नंबर चालू रहा लेकिन इसके बाद से स्विच ऑफ बता रहा है। सरमन ने बताया कि किसी अनहोनी के डर से उसने पुत्र की सभी संभावित स्थानों से लेकर नाते रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुत्र का कहीं कोई पता नहीं चल पा रहा है। उक्त मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर लापता रामकुमार की तलाश तेज कर दी है।

जिलाधिकारी के निर्देशन में निजी अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई, क्रीधा हॉस्पिटल व दुर्गा पॉली क्लिनिक सीज

जीवनदीप हॉस्पिटल की ओटी सीज, सहारा हॉस्पिटल को आयुष्मान योजना से डी-पैनल करने की संस्तुति

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद में संचालित निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम एवं क्लीनिकों के विरुद्ध विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. गुलाब शंकर, उपजिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज एवं क्षेत्राधिकारी रॉबर्ट्सगंज की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न चिकित्सकीय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचशील हॉस्पिटल, छपका एवं बनारस पॉली क्लिनिक, उरमौरा में व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं मानकों के अनुरूप पाई गईं। वहीं क्रीधा हॉस्पिटल, पन्नूगंज रोड में चिकित्सक अनुपस्थित मिलने पर ओपीडी, वार्ड एवं ऑपरेशन थिएटर को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। जीवनदीप हॉस्पिटल, कम्हारी में भर्ती मरीजों के अभिलेखों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने तथा एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के नोट्स उपलब्ध न होने पर अस्पताल की ओटी सीज कर दी गई। सहारा हॉस्पिटल, बभनौली में मरीजों के चिकित्सकीय अभिलेख अपूर्ण पाए जाने पर आयुष्मान भारत योजना से डी-पैनल किए जाने की संस्तुति शासन को भेजी जा रही है। इसके अतिरिक्त दुर्गा पॉली क्लिनिक में लगातार दूसरी बार चिकित्सक अनुपस्थित मिलने पर क्लिनिक को सीज कर दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही, मानकों की अनदेखी अथवा नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला कारागार गुरमा का जिला जज, जिलाधिकारी, सीजीएम, एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने किया आकस्मिक निरीक्षण

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -दिनांक 24.06.2026 को जिला कारागार गुरमा, जनपद सोनभद्र का जिला जज सोनभद्र, जिलाधिकारी सोनभद्र, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) सोनभद्र, एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र सोनभद्र द्वारा संयुक्त रूप से आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों की स्थिति, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, चिकित्सीय सुविधाएं, बैरकों की स्थिति, रसोईघर, जलापूर्ति, विद्युत व्यवस्था तथा अभिलेखों का गहनतापूर्वक अवलोकन किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा बंदियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। इसके अतिरिक्त कारागार परिसर की साफ-सफाई, अनुशासनात्मक व्यवस्था एवं समग्र प्रशासनिक व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा कारागार प्रशासन को निर्देशित किया गया कि स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। संयुक्त निरीक्षण के उपरांत जेल अधीक्षक, जिला कारागार गुरमा को सुधारात्मक सुझाव भी प्रदान किए गए, जिससे बंदियों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन ने केंद्र व प्रदेश सरकार को बताया फेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' ने प्रदेश और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं में भ्रष्टाचार तथा पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार के दावे और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है। मंगलवार की देर शाम एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री यहां पूर्व सभासद अनिल पटैरिया के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की कई योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी हैं जिससे आम जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल मैन्युफैक्चरिंग जोन, एक्सप्रेस-वे और अन्य विकास परियोजनाओं के जरिए बुंदेलखंड के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार देने के वादे किए गए थे लेकिन धरातल पर रोजगार सृजन अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सका। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर प्रचार अधिक और वास्तविक काम कम दिखाई देता है जिससे युवाओं में निराशा बढ़ रही है। राम मंदिर निर्माण के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं और ऐसे विषयों में पूर्ण पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि समय-समय पर मंदिर निर्माण से जुड़े मामलों में अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे हैं जो चिंता का विषय है। स्मार्ट मीटर योजना पर भी सवाल उठाते हुए प्रदीप जैन ने कहा कि इस योजना को लेकर जनता के बीच असंतोष है। स्मार्ट मीटर के माध्यम से लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। कहा कि जनता अब रोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार और जनसुविधाओं जैसे मूल मुद्दों पर सरकार को आगामी विधानसभा चुनाव में आईना दिखाने का काम करेगी। इससे पूर्व प्रदीप जैन का कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी, रामकिशोर पुरोहित, आनंद अग्रवाल, मो.जाहिद, केशव बबेले, आदि कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर कोचिंग संस्थानों व लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण

● फायर सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर तीन संस्थानों को किया गया सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में बुधवार को जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज स्थित कोचिंग संस्थानों एवं लाइब्रेरी का संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण टीम में उप जिलाधिकारी सदर अश्विनी कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राम सहनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं अग्निशमन व्यवस्था के मानकों की गहन जांच की गई। जांच में कई गंभीर कमियां पाए जाने पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। निरीक्षण के दौरान डी0एल0जे0डी0सी0 लाइब्रेरी, रॉबर्ट्सगंज में अग्निशमन उपकरण उपलब्ध नहीं पाए गए। संस्थान का आवश्यक पंजीकरण भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। निकास मार्ग के रूप में केवल एक संकरी सीढ़ी पाई गई, जिसमें बीच में शू-रैक रखा हुआ था, जिससे आपातकालीन स्थिति में विद्यार्थियों के सुरक्षित निकास में बाधा उत्पन्न हो सकती थी। इसके अतिरिक्त परिसर में विद्युत वायरिंग अव्यवस्थित पाई गई तथा विद्युत तार खुले एवं बिखरे हुए मिले, जो गंभीर अग्नि दुर्घटना का कारण बन सकते थे। इसी प्रकार संस्कार लाइब्रेरी, रॉबर्ट्सगंज एवं रिसर्च एंड रिसोर्स कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, रॉबर्ट्सगंज में भी फायर सेफ्टी मानकों एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं में गंभीर कमियां पाई गईं। निरीक्षण टीम ने इन कमियों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए सील की कार्यवाही की गयी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने निर्देश दिए हैं कि जनपद में संचालित सभी कोचिंग संस्थान, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र एवं लाइब्रेरी निर्धारित सुरक्षा मानकों, अग्निशमन नियमों तथा पंजीकरण संबंधी प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन एवं सुरक्षा से किसी प्रकार का शिथिलता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन द्वारा संबंधित संस्थानों को सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं पूर्ण करने तथा सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही संचालन की अनुमति दिए जाने की कार्यवाही की जाये।

मध्यस्थता की गोपनीयता बनाए रखने पर सचिव डीएलएसए ने दिया विशेष बल

● वैवाहिक विवादों के प्री-लिटिगेशन निस्तारण को बढ़ावा देने पर जोर

बंदियों की सुविधाओं, स्वच्छता एवं विधिक सहायता व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2026-27 के क्रियान्वयन के क्रम में बुधवार दिनांक 24 जून 2026 को प्रातः 09:00 बजे एडीआर भवन, जनपद न्यायालय सोनभद्र में सभी मध्यस्थ अधिवक्ताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्मला शर्मा, रमेश राम पाठक, बिन्दू यादव, अमरेश चन्द्र पाण्डेय, मुनीराज शाह, राधेश्याम पाण्डेय, सेराज अख्तर खां, अनिल कुमार सिंह, प्रभात कुमार मिश्रा, चन्द्रावती जायसवाल, आस मोहम्मद अली, मो. फारूख तथा पूनम सिंह सहित अन्य मध्यस्थ अधिवक्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राहुल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने मध्यस्थता प्रक्रिया की गोपनीयता के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता न्यायालयीन कार्यवाही से भिन्न एक पूर्णतः गोपनीय प्रक्रिया है, जिसमें पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रयास किया जाता है। उन्होंने निर्देशित किया कि यदि मध्यस्थता सफल होती है तो केवल समझौते की सूचना न्यायालय को दी जाए तथा यदि असफल होती है तो मात्र एक पंक्ति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मध्यस्थता के दौरान हुई चर्चा, प्रस्ताव अथवा वार्ताओं का किसी भी स्तर पर खुलासा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे मध्यस्थता प्रक्रिया की मूल भावना एवं गोपनीयता प्रभावित होती है। बैठक में उपस्थित मध्यस्थ अधिवक्ताओं को उपभोक्ता अधिकारों एवं उपभोक्ता संरक्षण संबंधी कानूनों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए। उन्हें आमजन को उपभोक्ता फोरम एवं शिकायत निवारण तंत्र के प्रति जागरूक करने तथा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रभावी उपयोग हेतु प्रेरित करने को कहा गया, ताकि उपभोक्ता अपने साथ होने वाली किसी भी प्रकार की अनियमितता के विरुद्ध विधिक उपायों का लाभ उठा सकें। साथ ही वैवाहिक विवादों के मुकदमे पूर्व (प्री-लिटिगेशन) स्तर पर निस्तारण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। सचिव डीएलएसए ने बताया कि वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों का समाधान न्यायालय में वाद दायर करने से पूर्व मध्यस्थता के माध्यम से कराया जा सकता है, जिससे समय, धन एवं मानसिक तनाव की बचत होती है। मध्यस्थता केंद्र पर उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित प्री-लिटिगेशन सेवाओं की उपयोगिता एवं लाभों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके उपरांत आज ही संयुक्त बोर्ड विजिटर द्वारा जिला कारागार, सोनभद्र का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, पंकज न्यायिक अधिकारी/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, राहुल सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अरुण कुमार मिश्रा जेल अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी, सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय कारागार में कुल 785 बंदी निरुद्ध पाए गए, जिनमें 603 विचाराधीन एवं 182 सिद्धदोष बंदी शामिल थे। संयुक्त निरीक्षण टीम द्वारा कारागार स्थित पाकशाला, पाठशाला, नव निर्मित महिला बैरक, पुरुष बैरक, चिकित्सालय तथा लीगल एड क्लीनिक का गहन निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बंदियों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य, भोजन, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, सुरक्षा एवं बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। निरीक्षण में चिन्हित कमियों को दूर करने हेतु जेल प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए। उक्त जानकारी राहुल, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा प्रदान की गई।

राम मंदिर दान प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितता एवं चोरी के मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को विरोध दर्ज कराया। जिला कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, एफआईआर दर्ज करने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। ऐसे पवित्र स्थल से जुड़े किसी भी प्रकार के कथित घोटाले या चोरी की खबरें देशभर के राम भक्तों की भावनाओं को आहत करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाओं के आरोप सामने आए हैं तो उनकी पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराना आवश्यक है, ताकि लोगों का विश्वास बना रहे। कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में कहा कि मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाने की जानकारी सामने आई है, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज न होने से जांच प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उनका कहना है कि किसी भी गंभीर मामले में विधिक प्रक्रिया के तहत प्राथमिकी दर्ज होना आवश्यक है, जिससे जांच निष्पक्ष और प्रभावी तरीके से आगे बढ़ सके। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन सौंपते समय कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि आस्था से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने राज्यपाल से हस्तक्षेप कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित कराने की मांग की। इस दौरान जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक, नगर अध्यक्ष रामनरेश दुबे, कुलदीप पाठक, राजपाल सिंह, संजय कुमार जैन, रामभरोसे, महेश चंद्र, मकरंद किलेदार, पुनीत देवलिया, राकेश रजक, शिशुपाल लोधी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोन पुलिस द्वारा बरामद माल मसरूका न्यायालय के आदेशानुसार वादियों को किया गया सुपुर्द

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के पर्यवेक्षण में कोन पुलिस द्वारा अपराधों में बरामद की गई धनराशि को उसके वास्तविक स्वामियों तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्यवाही की गई। न्यायालय अपर सिविल जज (क0श्रे0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट, दुद्धी जनपद सोनभद्र के आदेश दिनांक 16.06.2026 के अनुपालन में बुधवार दिनांक 24.06.2026 को संबंधित वादियों को बरामद धनराशि नियमानुसार सुपुर्द की गई। थाना कोन पर पंजीकृत मु0अ0सं0-113/2016 धारा 394, 411 भादवि से सम्बन्धित बरामद माल मसरूका 15,000 रुपये वादी प्रेमचन्द उपाध्याय पुत्र स्व0 ओमनाथ उपाध्याय निवासी ग्राम बुडबेड़वा, थाना विण्डमगंज, जनपद सोनभद्र को तथा मु0अ0सं0-129/2016 धारा 392, 411 भादवि से सम्बन्धित बरामद माल मसरूका 10,100 रुपये वादी रवीन्द्रनाथ पुत्र छविनाथ निवासी ग्राम बागेसोती, थाना कोन, जनपद सोनभद्र को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सुपुर्द किया गया। धनराशि प्राप्त होने पर दोनों वादियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मा0 न्यायालय एवं थाना कोन पुलिस का आभार प्रकट किया। थाना कोन पुलिस द्वारा भविष्य में भी अपराध से संबंधित बरामद संपत्तियों एवं धनराशि को विधिक प्रक्रिया के तहत उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुँचाने हेतु प्रभावी कार्यवाही निरंतर जारी रखी जाएगी।

कोल्डड्रिंक की संदिग्ध खेप को लेकर पुलिस को दी तहरीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कस्बे के जवाहर नगर इलाके में पकड़ी गई माउंटेन ड्यू (कोल्डड्रिंक) की संदिग्ध खेप को लेकर वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के अधिकृत वितरक ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर नकली उत्पाद की बिक्री, भंडारण और परिवहन का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में बालाजी ट्रेडर्स के प्रोपराइटर एवं वरुण बेवरेजेस लिमिटेड के अधिकृत वितरक आशुतोष व्यास ने बताया कि 24 जून की सुबह उन्हें जानकारी मिली कि ट्रक से माउंटेन ड्यू की खेप जवाहर नगर स्थित एक गोदाम में उतारी जा रही है। तहरीर के अनुसार, वह क्षेत्र में कंपनी के अधिकृत वितरक हैं और उक्त माल की आपूर्ति उनके माध्यम से नहीं की गई थी, जिसके चलते उन्हें उत्पाद की वैधता पर संदेह हुआ। इसकी जानकारी उन्होंने कंपनी के अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे कंपनी के अधिकारियों ने बोतलों पर अंकित बैच नंबर, निर्माण तिथि और अन्य विवरणों की जांच के लिए कंपनी को भेजा। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि जांच के दौरान सामने आया कि बोतलों पर अंकित विवरण कंपनी के पानीपत प्लांट से संबंधित होने के बावजूद उक्त उत्पाद कंपनी द्वारा निर्मित नहीं किया गया है। कंपनी की ओर से इसे माउंटेन ड्यू ब्रांड का नकली उत्पाद बताते हुए कहा गया कि उत्पाद पर कंपनी के ट्रेडमार्क, पैकेजिंग और लेबल का गलत इस्तेमाल किया गया है। आरोप लगाया गया है कि ऐसे नकली पेय पदार्थों की बिक्री से कंपनी को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर भी खतरा हो सकता है। अधिकृत वितरक ने मेसर्स अग्रवाल एजेंसी गांधी नगर, कोंच के संचालकों और इस गतिविधि में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही ट्रक, माल के स्रोत और सप्लाई से जुड़े लोगों की जांच कराने की मांग की गई है। उधर, कोतवाली पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घाघर नदी सेतु निर्माण में लापरवाही पर ठेकेदार पर 20 लाख रुपये की पेनाल्टी

●जिलाधिकारी ने कार्य में तेजी लाने के दिए सख्त निर्देश, 50 दिन में कार्य पूर्ण करने की समयसीमा तय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने पटवध-बसुहारी मार्ग पर घाघर नदी के ऊपर निर्माणाधीन सेतु, पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यदायी संस्था एवं ठेकेदार को फटकार लगाई। बैठक में बताया गया कि उक्त परियोजना के संबंध में पूर्व में भी कई बार निर्देश जारी किए जा चुके हैं तथा 20 जून 2026 तक गर्डर लॉन्चिंग पूर्ण करने का आश्वासन ठेकेदार द्वारा दिया गया था। इसके बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। इस पर जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने के लिए संबंधित ठेकेदार मेसर्स परीक्षित निर्माणक पर 20 लाख रुपये की लिक्विडेटेड डैमेज (एलडी) पेनल्टी लगाए जाने के निर्देश दिए। यह धनराशि आगामी देयकों से काटी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्य की गति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तथा निर्धारित समयसीमा के अनुरूप प्रगति नहीं मिली तो भविष्य में देयकों से और अधिक धनराशि की कटौती सहित कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में ठेकेदार द्वारा 24 जून 2026 से आगामी 50 दिनों के भीतर, अर्थात 12 अगस्त 2026 तक सम्पूर्ण कार्य पूर्ण करने की सहमति व्यक्त करते हुए विस्तृत साप्ताहिक कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रस्तुत कार्ययोजना के अनुरूप प्रत्येक सप्ताह कार्यस्थल पर वास्तविक प्रगति दिखाई देनी चाहिए। यदि निर्धारित लक्ष्य से कम प्रगति पाई गई तो अतिरिक्त पेनल्टी लगाए जाने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को भी नियमित निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल दूर कर परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेतु निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी तथा स्थानीय विकास को गति मिलेगी।

पूर्व नपाध्यक्ष कीर्तिशेष सरला जैन की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रमों की श्रृंखला

● सुन्दरकाण्ड पाठ, गौ-पूजन, असहाय सेवा और भोजन वितरण के माध्यम से किया स्मरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। नगर पालिका परिषद की तत्कालीन अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी स्व.श्रीमती सरला जैन की प्रथम पुण्यतिथि पर बुधवार को नगर में श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, नगरवासियों तथा पालिका परिवार ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जनसेवा के कार्यों को स्मरण किया। शुरुआत सदर कोतवाली के सामने स्थित रैन बसेरा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा से हुई। यहां सुबह 10 बजे श्री सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नागरिकों ने सहभागिता की। तदोपरांत दैलवारा स्थित कान्हा गौवंश आश्रय स्थल में गौ-पूजन कार्यक्रम नपाध्यक्ष सोनाली जैन, विवेक जैन, मुन्नालाल जैन एवं उनके परिजनों ने गौवंश पूजन व पौधरोपण के साथ किया। शाम को पनारी स्थित मदर टेरेसा होम में असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा की गई। इसके पश्चात जिला अस्पताल परिसर स्थित अन्नपूर्णा सेवा संघ में भोजन वितरण किया। इस दौरान राज्यमंत्री मनोहरलाल, विधायक रामरतन कुशवाहा, पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण, जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र, पूर्व विधायक पूरन सिंह बुन्देला, चंद्रभूषण सिंह बुन्देला गुडडू राजा, महिला आयोग सदस्य अर्चना पटेल, ईओ दिनेश कुमार विश्वकर्मा, प्रदीप चौबे, जगदीश लोधी, हरीराम निरंजन, अजय पटैरिया, बब्बू राजा, पूर्व नपाध्यक्ष सुभाष जायसवाल, गौरव, अमर सिंह गौर, लक्ष्मी, रूचिका, रजनी साहू, रजनी अहिरवार, मानविंदर कौर, गौरव चौधरी, धर्मेन्द्र पाठक, अनिल अंचल, प्रदीप खैरा, डा.अक्षय टडैया, कैलाश नारायण डियोडिया, विलास पटैरिया, मनमोहन जडिया, हरीश कपूर टीटू, अज्जू बाबा, नीतेश संज्ञा, वीरेन्द्र सिंह, डा.एस.पी.पाठक, डा.पवन सूद, प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू, पवन सिंह, गजेन्द्र सिंह, विकास श्रीवास्तव, अविनाश जैन, राजेन्द्र जैन, काशीनाथ नायक, संतोष तिवारी, अनुराग शैलू, अजय बरया, रोहित जैन, भीष्म प्रताप सिंह, संजीव जैन ममता स्पोर्टस, शालू बुखारिया, पत्रकार अमित लखेरा, सुबोध शर्मा, शहर कोतवाल अनुराग अवस्थी, अजय सक्सैना, अवतार सिंह लोधी, मज्जू सोनी शानू बाबा समेत सभी पार्षदों, नपा अधिकारियों व कर्मचारियों और अन्य गणमान्य नागरिकों ने स्व. सरला जैन को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

तालबेहट पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

●भरतपुरा गांव से दबोचे गए आरोपी, न्यायालय में किया गया पेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले में वांछित एवं वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तालबेहट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय में पेश किया। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं सीओ तालबेहट आशीष मिश्र के पर्यवेक्षण में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना तालबेहट पुलिस ने ग्राम भरतपुरा से तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में ग्राम भरतपुरा निवासी फूलवती पत्नी श्यामलाल, हिना पत्नी रज्जन तथा हरचरन पुत्र श्यामलाल शामिल हैं। पुलिस ने तीनों वारंटियों को 24 जून 2026 को नियमानुसार गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तारी की कार्रवाई थाना तालबेहट के प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा संपन्न की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण एवं न्यायालय से जारी वारंटों के तामील हेतु अभियान लगातार जारी रहेगा तथा वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बेरोजगार युवा निःशुल्क 'ओ' लेवल व सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु 10 जुलाई तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक- युवतियों को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से निः शुल्क 'ओ' लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत ऐसे अभ्यर्थी पात्र होंगे जिन्होंने इंटरमीडिएट (10+2) उत्तीर्ण किया हो, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम हो तथा अभ्यर्थी की आयु 35 वर्ष से अधिक न हो। साथ ही आवेदक जनपद का मूल निवासी, बेरोजगार तथा किसी शिक्षण संस्थान से छात्रवृत्ति प्राप्त न कर रहा हो। प्रशिक्षणार्थियों का चयन कक्षा-12 में प्राप्त अंकों के आधार पर चयन समिति द्वारा किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट www.obccomputertraining.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन 10 जुलाई तक कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद आवेदन पत्र की प्रति तथा आय, जाति, आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाणपत्र सहित सभी आवश्यक अभिलेखों की स्वप्रमाणित दो-दो प्रतियां जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, प्रतापगढ़ कार्यालय में 10 जुलाई को सायं 5 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, प्रतापगढ़ कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

जिला कारागार में 25 जून को निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा के निर्देशानुसार जनपद के जिला कारागार में गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे से निःशुल्क नेत्र परीक्षण, चश्मा वितरण एवं ब्लड जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में बंदियों की आंखों की जांच कर आवश्यकतानुसार निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे तथा स्वास्थ्य परीक्षण के तहत ब्लड जांच भी की जाएगी। यह जानकारी राज्य महिला आयोग सदस्य के व्यक्तिगत सहायक विनय कुमार शुक्ला ने दी।

भरत भूषण इनकाउंटर में दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सौंपा गया ज्ञापन, हुआ विरोध प्रदर्शन

लालगंज, प्रतापगढ़। बिहार प्रदेश के भोजपुर बिलौटी गांव में इनकाउंटर मे मारे गये भरत भूषण तिवारी के परिजनो को न्याय दिलाने के लिए अखिल भारतीय ब्राम्हण परिवार संगठन ने बुधवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियो ने नारेबाजी के साथ तहसील पहुंचकर एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय संयोजक रमाकांत मिश्र मधुवनी व राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय शुक्ल समाजसेवी की अगुवाई में राष्ट्रपति को संबोधित सौपे गये ज्ञापन मे भरत भूषण के इनकाउंटर के मामले मे आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग उठाई गयी है। वही संगठन ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने पर जोर दिया है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने ज्ञापन को राष्ट्रपति कार्यालय भेजवाये जाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी, विधिक सलाहकार आलोक मिश्र, मण्डन मिश्र, अवधेश शुक्ल, देवेन्द्रमणि त्रिपाठी, अनिल पाण्डेय, ललित त्रिपाठी, राहुल तिवारी, अनूप त्रिपाठी, अतुल मिश्र, राजकुमार द्विवेदी, केके शुक्ला, संतोष पाण्डेय, शैलेन्द्र तिवारी, राज त्रिपाठी, सोनू तिवारी आदि रहे।

गोकर्ण और धुंधकारी की कथा सुन श्रोता हुए भाव विभोर

सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत करवानिया खरीकवा गांव में चल रहे श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा के तीसरे दिन मंगलवार की रात को कथा वाचक काली प्रसाद मिश्रा ने धुंधकारी एवं गोकर्ण भगवान के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कथा का भाव पूर्ण वर्णन किया। कथा को सुन श्रोता भाव विभोर हो गए। इस दौरान मंतराम यादव, गीता देवी, स्वामीनाथ यादव, बृजलाल यादव, धनीराम यादव, संजय यादव, दीपक यादव, ओम यादव सहित भारी संख्या श्रृद्धालु मौजूद रहे हैं।

लखनऊ की घटना के बाद कानपुर में कोचिंग संस्थानों को सील करने का क्रम जारी

● केडीए और पुलिस प्रशासन का कहना है कि ये कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, हम छात्रों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। वैसे सीएम योगी ने भी यह निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में कहीं भी कोई कोचिंग संस्थानों बेसमेंट में नहीं चलेगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। लखनऊ के अलीगंज कोचिंग अग्निकांड के बाद कानपुर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। कानपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी और कमिश्नरेट पुलिस, अग्निशमन विभाग ने एक के बाद एक कई कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया। कानपुर शहर में काकादेव कोचिंग का हब है जहां अनेकों जिलों से छात्र कंपटीशन की तैयारी के लिए पढ़ने आते हैं। प्रशासन ने 22 कोचिंग संस्थानों को सील किया है। इसमें फिजिक्स वाला, वर्कस्पेस, महेंद्राज, केमिस्ट्री वाले संजीव राठौर जैसे बड़े संस्थान शामिल हैं। केडीए ने सोमवार 22 जून 2026 को 4 जोनों में एक साथ कार्रवाई की। जोन-1 में 3, जोन-2B में 5, जोन-3 में 3, जोन-4 में 5 संस्थान सील हुए। कार्रवाई का कारण बिना फायर NOC, अवैध बेसमेंट, नक्शे के विपरीत निर्माण, आपातकालीन निकास न होना बताया गया है। इसी तरह कानपुर देहात में भी 8 कोचिंग संस्थान सीज किए गए हैं। इनमें से किसी के पास भी फायर NOC नहीं मिली, कई बेसमेंट में चल रहे थे जो सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। केडीए के मुताबिक ये सिर्फ पहला चरण है। कुल 22 संस्थान चिह्नित किए गए थे, अन्य की जांच जारी है। एक रिपोर्ट में 16 प्रतिष्ठान सील करने की बात भी है, लेकिन 22 की संख्या ज्यादा जगह कन्फर्म है। अभियान अभी जारी रहेगा। केडीए ने कहा है कि जो भी संस्थान भवन निर्माण, अग्नि सुरक्षा और अन्य मानकों का पालन नहीं करेगा, उसे सील किया जाएगा। 22 जून 2026 को लखनऊ के अलीगंज में कोचिंग सेंटर में आग लगने से 15 छात्रों की मौत हुई थी। हादसे के बाद सीएम योगी ने सभी जिलों में कोचिंग संस्थानों की जांच के सख्त निर्देश दिए थे। कानपुर में छात्रों और अभिभावकों में चिंता है क्योंकि अचानक सीलिंग से क्लासें बंद हो गईं। प्रशासन का कहना है कि ये कदम छात्रों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है।

अघोषित विद्युत कटौती से हलाकान हो रहे लोग, पनप रहा आक्रोश

लालगंज, प्रतापगढ़। गर्मी से त्राहि त्राहि कर रहे लोग अघोषित विद्युत कटौती से हलाकान है। लोकल फाल्ट के नाम पर लगातार दिन व रात की पाली में घण्टों कटौती का खेल लोगों के लिए सिरदर्द बना है। वहीं चक्रवाती तूफान से गिरे खम्भों को लेकर भी अभी बहुत से प्रभावित क्षेत्रों में आपूर्ति व्यवस्था बहाल नही हो सकी है। लालगंज क्षेत्र में नगरीय एवं ग्रामीण आपूर्ति व्यवस्था के बेपटरी पर होने के कारण व्यापारी तथा छात्र व किसान तथा अन्य वर्गों के लोग हैरान व परेशान हो रहे हैं। रात की पाली हो या दिन की पाली बिजली कब आयेगी और कब जाएगी इसका लोगों में रंच मात्र भरोसा नही रह गया है। लोकल फाल्ट तथा लो बोल्टेज के चलते आपूर्ति व्यवस्था न के बराबर देखी जा रही है। वहीं सरकारी कार्यालयों में भी कामकाज प्रभावित होने से जरूरतमंद भी भटक रहे हैं। उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष उदयशंकर दुबे, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी, किसान यूनियन के राव वीरेन्द्र सिंह आदि ने प्रशासन को आगाह किया है कि आपूर्ति व्यवस्था में सुधार न हुआ तो अगले समाधान दिवस पर तहसील मुख्यालय पर अफसरों का घेराव किया जाएगा।

अंबेडकर नगर के उत्कर्ष सिंह का कृषि विभाग में टेक्निकल असिस्टेंट पद पर चयन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिले के कटेहरी क्षेत्र के ग्राम केवटाही निवासी उत्कर्ष सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कृषि विभाग में टेक्निकल असिस्टेंट के पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उत्कर्ष, जयप्रकाश सिंह के पुत्र हैं। उनके चयन की खबर मिलते ही परिवार में खुशी का माहौल बन गया, वहीं गांव और क्षेत्र के लोगों ने भी इसे अपनी सामूहिक उपलब्धि बताते हुए मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। बताया जाता है कि उत्कर्ष सिंह शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे हैं। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद लगातार मेहनत जारी रखी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में पूरी निष्ठा के साथ जुटे रहे। उनकी इसी लगन और संघर्ष का परिणाम है कि उन्हें कृषि विभाग में टेक्निकल असिस्टेंट जैसे महत्वपूर्ण पद पर चयनित होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

उत्कर्ष की इस सफलता से परिजनों में खासा उत्साह है। उनके पिता जयप्रकाश सिंह ने इसे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि बेटे की मेहनत और अनुशासन ने आज पूरे परिवार का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

वहीं, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने भी उत्कर्ष को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ग्रामीणों का कहना है कि उत्कर्ष सिंह की सफलता क्षेत्र के उन युवाओं के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है। उत्कर्ष की इस उपलब्धि से पूरे केवटाही गांव में उत्सव जैसा माहौल है और लोग इसे जिले के लिए भी गौरव का विषय मान रहे हैं।

जेल में बंद आरोपी की संदिग्ध मौत से हड़कंप, परिजनों ने लगाया पुलिस पर पिटाई का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। धारदार हथियार से हमले के मामले में जेल भेजे गए एक आरोपी की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हिरासत में हुई मारपीट के कारण उसकी हालत बिगड़ी, जिसके चलते उसकी जान चली गई। घटना के बाद जिला अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ और परिजनों ने शव रखकर प्रदर्शन भी किया। जानकारी के अनुसार, आसीवन थाना क्षेत्र के नुरुल्लानगर निवासी 45 वर्षीय शफीक अहमद को एक युवक पर चापड़ से हमले के मामले में गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जिला जेल भेजा गया था। जेल प्रशासन के मुताबिक, जेल में दाखिल होने के अगले दिन अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा की गई पिटाई के कारण उसकी मौत हुई है।

घटना से नाराज परिजन और ग्रामीण जिला अस्पताल पहुंच गए तथा शव को अस्पताल गेट के बाहर रखकर कार्रवाई की मांग करने लगे। कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और तनाव की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं जेल प्रशासन ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की बात कही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और प्रशासन ने निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

चोरी से काट ले गये तार, कार्रवाई की जगह समझौते का दबाव बना रही पुलिस

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के पूरे नोती निवासी रविभूषण तिवारी पुत्र बालेन्द्र भूषण ने एसपी को शिकायती पत्र देकर उसके दरवाजे के सामने पिलर से तार चोरी किये जाने की घटना में कोतवाली पुलिस द्वारा कार्रवाई न किये जाने की बात कही गयी है। शिकायती पत्र के मुताबिक बीती 21 जून की रात लगभग दो बजे गांव के तीन आरोपियो द्वारा उसके घर के सामने बने पिलर में लगे तार को चोरी से काट लिया गया। सीसी फुटेज के आधार पर पीड़ित ने घटना को लेकर आरोपियो के खिलाफ लालगंज पुलिस को तहरीर सौपी है। एसपी को दिये गये शिकायती पत्र में पीडित ने आरोप लगाया है कि कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई के बजाय उस पर समझौते का दबाव बनाया। तहरीर में बीती चौदह जून को भी आरोपियो द्वारा पीड़ित की भांजी पर धारदार हथियार से चुटहिल किये जाने के मामले में भी पुलिस द्वारा कार्रवाई न किये जाने का आरोप लगाया गया है। पीडित ने एसपी से पूरे मामले की जांच कराकर कार्रवाई की गुहार की है।

कानपुर देहात में राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारी की बैठक में साइबर व महिला अपराध पर विशेष जोर

● अनुपम कुलश्रेष्ठ अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन ने राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ की बैठक।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद कानपुर देहात भ्रमण दौरान रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारियों के साथ कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, महिला सम्बन्धी अपराधों की अद्यतन स्थिति, संवेदनशील प्रकरणों की समीक्षा, लंबित विवेचनाओं, अपराधियों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाहियों तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान अपराधों पर प्रभावी नियन्त्रण, साइबर अपराधों की रोकथाम एवं त्वरित अनावरण, महिला सुरक्षा एवं जनसुनवाई से जुड़े प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण, संवेदनशील प्रकरणों में त्वरित प्रभावी कार्यवाही, थाना स्तर पर सतर्कता, निरोधात्मक कार्यवाहियों में तेजी तथा आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने हेतु विशेष रूप से निर्देशित किया गया। साथ ही सभी अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतर्क, उत्तरदायी एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया गया।

तत्पश्चात जनप्रतिनिधियों, व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ गोष्ठी कर जनसहभागिता के माध्यम से कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा पुलिस एवं जनता के मध्य बेहतर समन्वय बनाए रखने पर चर्चा की गई। अवसर पर उपस्थित गणमान्यों से शांति, सौहार्द एवं सुरक्षित सामाजिक वातावरण बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। इसके उपरान्त मीडिया बन्धुओं से संवाद स्थापित कर जनहित एवं सुरक्षा सम्बन्धी विषयों पर विचार-विमर्श करते हुए सकारात्मक समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर यमुना प्रसाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर व श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक जनपद कानपुर देहात सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने प्रेमधर पट्टी की रात्रि चौपाल में सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित समाधान के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने विकास खंड बाबा बेलखरनाथ धाम की ग्राम पंचायत प्रेमधर पट्टी में आयोजित रात्रि चौपाल में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सुने तथा संबंधित अधिकारियों को उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे। जिलाधिकारी ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं, उनकी पात्रता, लाभ तथा आवेदन प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान आईसीडीएस विभाग की ओर से आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी, प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों की शिकायतों और समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा जनता को योजनाओं का लाभ सरलता और सुगमता से उपलब्ध कराया जाए। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राम मोहन मीना, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, डीसी एनआरएलएम देव कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विशेष कृषि संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं खेत बचाओ अभियान-2026 दिनांक 10 जून से 24 जून तक आयोजन किया जा रहा है। 24 जून को विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के ग्राम सभा रतनपुर, रामापुर विकासखण्ड कालाकांकर की ग्राम सभा केरवाडीह, मधवापुर एवं विकासखण्ड लक्ष्मणपुर के ग्रामसभा मझवारा, पदनाथपुर जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. प्रशीन सिंह, डॉ.ए0के0सिंह देबनाथ, एम0पी0 सिंह,यतेंद्र कुमार डॉ. एन.के. सिंह, पी.के. सिंह एवं विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं खेत बचाओ अभियान-2026 के अन्तर्गत आयोजित विशेष कृषि संगोष्ठी एवं जागरूकता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानो के हित में चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ उठाकर किसान अपनी आय दोगुनी कर सकते है।किसानों को बीज शोधन, भूमि-शोध एवं प्राकृतिक एवं जैविक खेती के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी तथा संतुलित उर्वरक उपयोग, हरी खाद,जैविक एवं जैव उर्वरकों उपयोग के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित कृषको को फार्मर रजिस्ट्री भी कराया गया एवं साथ-साथ सरकार द्वारा संचालित द्वारा अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी है तथा विकसित कृषि संकल्प अभियान एवं खेत बचाओ अभियान-2026 का आयोजन किया गया।

श्रद्धापूर्वक मनी गायत्री जयंती व गंगा दशहरा

सिद्धार्थनगर। गायत्री जयंती एवं गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर बुधवार को चेतना केंद्र फूलपुर लाला परिसर स्थित यज्ञशाला में एक कुंडीय गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां अर्पित कर विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं पर्यावरण संरक्षण की कामना की। कार्यक्रम में ब्लॉक भनवापुर के संयोजक घनश्याम यादव ने पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गायत्री साधना के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर द्वारपाल चौरसिया, गोपाल चौधरी, शेषराम चौधरी, राजेंद्र श्रीवास्तव, बहन शीला, गीता, लक्ष्मी, ज्योति, उषा देवी, डॉ. भंडारी, मिठाई लाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहें।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में दीक्षांत उत्सव के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी एवं योगाभ्यास का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आगामी 29 जून को आयोजित होने वाले दशम दीक्षांत समारोह के क्रम में राजभवन से प्राप्त मार्गदर्शन के आधार पर कुलपति प्रोफेसर कविता शाह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिदिन प्रातःकाल प्रभात फेरी एवं योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। प्रातः काल परिसर स्थित दीक्षांत मंच पर योगाभ्यास के उपरांत प्रभात फेरी निकाली जा रही है। प्रभात फेरी के दौरान भारतीय परंपरा के मंगल गीतों का गायन एवं आध्यात्मिक वातावरण के सृजन का प्रयास किया जा रहा है, जिससे विश्वविद्यालय परिसर में सकारात्मक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक वातावरण का संचार हो रहा है। इस कार्यक्रम के संबंध में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि प्रातःकाल विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता से इस प्रकार का सकारात्मक वातावरण निर्मित होने से पूरे विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक चेतना का संचार होगा। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के समग्र विकास, सांस्कृतिक चेतना एवं आध्यात्मिक उन्नयन का भी आधार है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए उत्सव का अवसर होता है और ऐसे अवसरों पर इस प्रकार के मूल्यपरक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत महत्त्वपूर्ण होते हैं। कार्यक्रम संयोजक एवं हिंदी विभाग के आचार्य प्रोफेसर सत्येन्द्र दुबे ने बताया कि दीक्षांत समारोह तक प्रतिदिन प्रातःकाल परिसर में प्रभात फेरी, योगाभ्यास एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को अत्यंत महत्त्वपूर्ण बताते हुए विश्वविद्यालय परिसर में निवासरत सभी शिक्षक परिवारों से भी प्रभात फेरी में सम्मिलित होने का आग्रह किया, जिससे परिसर का सकारात्मक, ऊर्जावान एवं रचनात्मक वातावरण और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह की गरिमा एवं उपादेयता की दृष्टि से शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार का आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण अत्यंत मूल्यवान सिद्ध होता है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

पुलिस ने साइबर जागरुकता अभियान के तहत लोगों को किया जागरूक

लोटन (सिद्धार्थनगर)। साइबर जागरूकता अभियान के तहत निबियाहवा गांव में लोगों को वर्तमान मे हो रहे पैसों की धोखाधडी/साइबर फ्राड/ व सोशल मीडिया (व्हाट्स एप्प फेसबुक,ट्वीटर जैसे सोशल प्लोटफार्म) पर अनावश्यक रूप से अवैध कमेंट/आपत्तिजनक वीडियो और व्यक्तिगत जानकारियों के दुरूपयोग जैसे अपराधों और साइबर अपराध के प्रति लोटन कोतवाली पुलिस द्वारा जागरूक किया गया। बुधवार को थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में साइबर सेल टीम ने निबियाहवा गांव के लोगों को साईबर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत साइबर अपराधों से बचने के सम्बन्ध मे जानकारी दी गयी। अपराधों के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 और एनसीआरपी पोर्टल पर रिपोर्टिंग निर्देशों से अवगत कराया गया ।सभी ऑनलाइन खातों के लिए एक ही पासवर्ड का उपयोग करने से बचें। व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी कभी भी किसी अज्ञात फोन कॉल या ईमेल पर साझा न करें।अज्ञात स्त्रोतों से आए लिंक पर क्लिक करने या अटैचमेंट खोलने से बचें। अपने सभी उपकरणों पर एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें और उसे अपडेट रखें।सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी बरतें।

डुमरियागंज में भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को मारी टक्कर; युवती की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवम गेस्ट हाउस के पास बुधवार को लगभग 3:30 बजे हुए एक हृदयविदारक सड़क हादसे में एक युवती की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा डुमरियागंज-इटवा मार्ग पर स्थित शिवम गेस्ट हाउस के सामने हुआ, जहां स्कूटी से गिरने के बाद युवती ट्रक की चपेट में आ गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस्ती जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के बनरही गांव निवासी साधना (23) अपने भाई गोरखनाथ के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए शाहपुर आई थी। समारोह से लौटते समय डुमरियागंज-इटवा मार्ग पर उनकी मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। बाइक के पीछे बैठी साधना संतुलन खोकर सड़क पर जा गिरी।

इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक की चपेट में आने से साधना गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को देखकर आसपास मौजूद लोग स्तब्ध रह गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डुमरियागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दुर्घटना में शामिल ट्रक को भी कब्जे में ले लिया गया है।

थाना प्रभारी डुमरियागंज श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दुर्घटना में शामिल वाहन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है और प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। हादसे की खबर मिलते ही मृतका के परिजन घटनास्थल और अस्पताल पहुंच गए। बेटी की असामयिक मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। क्षेत्र के लोगों ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के इटवा-बिस्कोहर मार्ग पर बुधवार शाम हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा कठौतिया रामनाथ स्थित मंदिर के सामने शाम करीब पांच बजे हुई है। गजपुर महादेव निवासी प्रदीप चौरसिया (38) पुत्र राम प्रसाद चौरसिया बाइक से इटवा जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक पिकअप से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रदीप ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल पिकअप को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेल्थ स्कीम कार्ड बनाने के लिए स्पेशल कैंप लगाए जा रहे हैं - डिप्टी कमिश्नर

मानसा– लोगों से मुख्यमंत्री हेल्थ स्कीम कार्ड बनवाने की अपील मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत, जिला प्रशासन 28 जून तक गांवों में स्पेशल कैंप लगा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर श्रीमती नवजोत कौर ने बताया कि इन कैंपों के दौरान लोगों के हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड बनाने के लिए मौके पर ही ऑनलाइन एंट्री की जाएगी। लोगों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हेल्थ कार्ड बनवाने के लिए वे अपने साथ आधार कार्ड और वोटर कार्ड की कॉपी जरूर लाएं। उन्होंने कहा कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे का हेल्थ कार्ड बनाने के लिए आधार कार्ड और बर्थ सर्टिफिकेट ज़रूरी होगा। उन्होंने कहा कि ये स्पेशल कैंप 28 जून तक मानसा सब-डिवीजन के गवर्नमेंट हाई स्कूल बुर्ज राठी, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल कोटली कलां, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल कोटरा कलां, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल (मुंडे) भीखी, एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ऑफिस, नगर काउंसिल, मानसा, गवर्नमेंट हाई स्कूल माखा चहलां, रविदास धर्मशाला, वीर नगर मोहल्ला, मानसा में लगेंगे। उन्होंने कहा कि जिन सभी बेनिफिशियरी ने अभी तक चीफ मिनिस्टर हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम कार्ड के लिए अप्लाई नहीं किया है, वे इन जगहों पर जाकर अपना हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम कार्ड बनवा सकते हैं।

दिल्ली में उधार लिए 150 रुपये न देने पर किशोर की चाकू मारकर हत्या, 3 नाबालिग दबोचे

नई दिल्ली। तीन नाबालिगों ने तिलक नगर इलाके में एक 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। वजह यह थी कि युवक ने उनमें से एक से उधार लिए 150 रुपये लौटाने से इंकार कर दिया था। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और जांच के आधार पर आरोपितों को पकड़ लिया है। पीड़ित पारस को 21 जून की रात हमले में कई चाकू के घाव लगे थे। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, नाबालिगों ने घटना वाली रात रुपये के विवाद को लेकर पारस को घेर लिया था। पुलिस ने बताया कि झड़प होने के बाद वह मौके से भाग गया लेकिन तीनों ने लगभग 12:15 बजे रात फिर से उसे ढूंढ निकाला और हमला कर दिया। हमले के दौरान एक नाबालिग ने बार-बार चाकू से पारस को गोदा। पुलिस को पीड़ित की बहन से पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें उसने बताया कि उसके भाई को चाकू मार दिया गया है और उसे दीप दयाल उपाध्याय अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल के पास खून के निशान पाए। पीड़ित की बहन ने पुलिस को बताया कि वह अपने भाई को घर के पास घायल और बेहोश हालत में पड़ी हुई पाई थी और उसे हमलावरों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और जानकारी जुटानी शुरू कर दी। जांच के आधार पर तीन नाबालिगों को मंगलवार को चौखंडी इलाके के एक पार्क से दबोच लिया गया। पूछताछ में नाबालिगों ने खुलासा किया कि करीब 40-45 दिन पहले मृतक ने उनमें से एक से 150 रुपये उधार लिए थे और उसे लौटाने से मना कर दिया था। इसी के बाद से विवाद बढ़ता चला गया था।

2004 कॉल, 238 घंटे बातचीत.... केतन को धक्का देने वाली सिया और उसके बॉयफ्रेंड को लेकर खुले कई और राज

● केतन को धक्का देकर मारने वाली सिया और उसके बॉयफ्रेंड के बीच कॉल डिटेल की जानकारी सामने आ गई है. दोनों एक दूसरे को कितने लंबे समय से जानते थे ये भी पता चल गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबईः पुणे की सिया ने बॉयफ्रेंड चेतन के लिए मंगेतर केतन को लोहागढ़ किले से खाई में धक्का देकर मार दिया. इस साजिश से जुड़ी कुछ एक्सक्लूसिव जानकारी सामने आई है. सिया गोयल सिया और चेतन चौधरी ने नवंबर 2025 से बात करना शुरू किया था. दोनों ने सात महीनों में एक दूसरे को कुल 2,004 फोन कॉल किए थे. उनके बीच 238 घंटे की कॉल हिस्ट्री मिली है. ये जानकारी पुलिस सूत्रों के हवाले से सामने आई है। दोनों आरोपियों के बीच कुल 238 घंटे की कॉल हिस्ट्री से ये साबित होता है कि केतन अग्रवाल से सगाई होने के बावजूद सिया लगातार बॉयफ्रेंड चेतन के संपर्क में थी. जांच में ये भी पता चला है कि यह समानांतर रोमांटिक रिश्ता नवंबर 2025 में शुरू हुआ था, जब दोनों परिवार शादी की तैयारियों में जुटे हुए थे।

केतन की हत्या मामले में बड़ा खुलासा

सिया ने जब चेतन को 350 फुट गहरी खाई में धक्का दिया उस समय चेतन चौधरी लोहागढ़ किले में मौजूद था. वह 20 से 30 फीट नजदीक खड़े होकर सिया और केतन की हर एक गतिविधि पर नजर रखे हुए था. जांच टीमों को मामले से जुड़ा अहम CCTV फुटेज मिला है, जिसमें चेतन एक खास हुडी पहने दिख रहा है. उसने इस हुड़ी से अपनी पहचान छिपाई थी. वह किले के रास्तों पर केतन और सिया का पीछा कर रहा था। केतन के पिता ने कहा कि सिया के परिवार के साथ उनके 35 से 40 साल पुराने करीबी रिश्ते थे. आरोप है कि सिया के परिवार ने शादी पक्की करने के लिए बेटी के अफेयर की बात छिपाई थी. सिया की हत्या की पहली कोशिश 14 जून को नाकाम हो गई थी. जब सिया ने केतन को किले पर धक्का दिया लेकिन उस दिन तो पहाड़ी की ढलान पर एक झाड़ी को पकड़े से उसकी जान बच गई. उस पर शक न हो इसलिए उसने ध्यान भटकाने के लिए नकली सांप दिखने की बात कहकर शोर मचाया और डरे हुए केतन को गले लगा लिया।

सिया का प्लान C क्या था?

केस फाइलों से पता चला है कि दोनों ने 19 जून को सिया के 20वें जन्मदिन के लिए हत्या का एक बैकअप प्लान यानी प्लान C भी तैयार किया था. अगर सिया का 18 जून वाला प्लान फेल हो जाता तो उसने केतन को महाबलेश्वर में मारने की योजना बनाई थी।

परिवार को कैसे हुआ सिया पर शक?

बहन के एक शक से केतन अग्रवाल की मौत का राज खुल गया. 18 जून को जह केतन लोहागढ़ किले से नीचे गिरा तो शुरुआत में इसे एक हादसा मानकर लोनावाला ग्रामीण पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ का मामला दर्ज कर लिया. केतन के अंतिम संस्कार के बाद भी उसकी बहन के मन में घटना को लेकर कई सवाल थे. घटना के चार दिन बाद सिया गोयल सांत्वना देने अग्रवाल परिवार के पास पहुंची. इस दौरान केतन की बहन ने सिया से लोहागढ़ की घटना को लेकर विस्तार से सवाल पूछे। केतन और सिया तीन बार 31 मई, 14 जून और 18 जून को लोहागढ़ में ट्रेकिंग के लिए गए थे. सिया के जवाबों में विसंगति और टालमटोल दिखने से बहन का शक और गहरा हो गया. उसने अपना शक परिवार को बताया, जिसके बाद मामला दोबारा पुलिस के पास पहुंचा।

सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को मिली नई दिशा

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी सबूतों की जांच और संबंधित लोगों से पूछताछ शुरू की. जांच के दौरान सीसीटीवी में एक युवक की संदिग्ध गतिविधियां नजर आई, जिससे जांच को नई दिशा मिली. पुलिस को सिया गोयल और चेतन चौधरी के बीच कथित प्रेम प्रसंग की जानकारी मिली. जिसके बाद पुलिस ने सिया गोयल और चेतन चौधरी को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों के गोलमोल जवाब देने के बाद पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की और जांच तेज कर दी. जांच में यह साफ होने लगा कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि साजिश रचकर की गई हत्या थी. 23 जून को पुलिस ने सिया गोयल और चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल पुलिस इस मामले की आगे की जांच कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल है?

उर्वशी रौतेला ने खरीदी दो लग्जरी कार, महंगे शौक के लिए खर्च किए 90 करोड़

● उर्वशी रौतेला ने दो लग्जरी कारें खरीदने के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार जूनियर और ड्रेक जैसे बड़े सेलेब्स की लिस्ट में शुमार हो गई हैं जो लग्जरी कारों के शौकीन हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्लीः ग्लोबल स्टार उर्वशी रौतेला ने अपनी शानदार लाइफस्टाइल में एक और बेहतरीन चीज शामिल करके दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा है.खबर है कि इस एक्ट्रेस और इंटरनेशनल परफॉर्मर ने एक नहीं, बल्कि दो बेहद खास बुगाटी टर्बिलॉन हाइपरकार खरीदी हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 90 करोड़ रुपये है. इस शानदार खरीदारी के साथ उर्वशी दुनिया भर की उन मशहूर हस्तियों और स्पोर्ट्स आइकन के खास ग्रुप में शामिल हो गई हैं, जिन्हें अनोखी और बेहतरीन कारें पसंद हैं। इस ग्रुप में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार जूनियर और ड्रेक जैसे नाम शामिल हैं. बुगाटी टर्बिलॉन को अब तक की सबसे एडवांस्ड और खास हाइपरकार में से एक माना जाता है. यह इंजीनियरिंग, लग्जरी और रुतबे का बेहतरीन नमूना है, इसलिए

दुनिया के सबसे अमीर लोग इसे पाना चाहते हैं. ग्लोबल सुपरस्टार और सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस-परफॉर्मर उर्वशी रौतेला के दुनिया भर में 200 मिलियन से ज्यादा पक्के फैन हैं. वह एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह क्यों एक ग्लोबल आइकन हैं. उनका असर सिर्फ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री तक ही सीमित नहीं है. दुनिया भर में लाखों लोग उनके सफर को फॉलो करते हैं. चाहे उनके ब्लॉकबस्टर प्रोजेक्ट हों, इंटरनेशनल इवेंट्स में शामिल होना हो, फैशन स्टेटमेंट हो या रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धियां–उर्वशी हमेशा दुनिया भर में चर्चा में रहती हैं। बुगाटी टर्बिलॉन हाइपरकार की खरीदारी को उर्वशी के बढ़ते ग्लोबल रुतबे और शानदार सफलता का एक और सबूत माना जा रहा है. यह गाड़ी अपने आप में खास है. दुनिया भर में इसकी बहुत कम संख्या में ही बनने की उम्मीद है, इसलिए इसका मालिक बनना कुछ चुनिंदा लोगों के लिए ही संभव है।

हज 2027 के लिए आवेदन शुरू, 20 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

भदोही। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रमेश चंद्र ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज-2027 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक हज यात्री 20 जुलाई 2026 तक हज कमेटी की वेबसाइट तथा 'हज सुविधा' मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की सुविधा 22 जून से शुरू हो चुकी है। जुलाई के अंतिम सप्ताह में डिजिटल रैंडम चयन (कुर्रा) प्रक्रिया के बाद चयनित हज यात्रियों को 10 अगस्त 2026 तक 1.52 लाख रुपये की अग्रिम धनराशि जमा करनी होगी। आवेदन के लिए 31 दिसंबर 2027 तक वैध मशीन पठनीय अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट, पासपोर्ट आकार का नवीन फोटो, बैंक पासबुक अथवा निरस्त चेक तथा पते का प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि इच्छुक आवेदक आवेदन से पूर्व हज-2027 की नीति एवं दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर अपनी पात्रता सुनिश्चित कर लें। निर्धारित समय सीमा के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

भाजपा नेता पंजाबियों को मूर्ख कहकर उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचा रहे हैं और पंजाबियों से वोट भी मांग रहे हैं- बावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– अब समय आ गया है कि 'आप' सरकार एक साल पहले बांटे गए लोन के बदले मां, बहन और बेटियों को 1000 रुपये प्रति महीना देने का वादा पूरा करे भाजपा नेता पंजाबियों को मूर्ख कहकर उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचा रहे हैं, जो निंदनीय काम है। ये शब्द सीनियर कांग्रेस नेता किशन कुमार बावा, कोऑर्डिनेटर कूल हिंद कांग्रेस (ओबीसी) इंचार्ज हिमाचल प्रदेश ने एक लिखित बयान जारी करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि पंजाबियों का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्होंने हमेशा देश की रक्षा, देश के संविधान और लोकतंत्र, अपने परिवार के साथ मां, बहन और बेटियों, भारत की सुरक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान की है। लेकिन भाजपा नेता द्वारा कहे गए शब्द कि पंजाबी मूर्ख हैं, पंजाबियों के दिलों को दुख पहुंचाने वाले शब्द हैं। इस समय श्री बावा ने कहा कि कसमें, वादे, घोषणाएं और गारंटी देने वाली 'आप' सरकार, जिसके नेता कंजरीवाल यह कहते नहीं थकते थे कि वह बंगला नहीं लेंगे, सुरक्षा नहीं लेंगे, लाइट नहीं लेंगे, उन्हें दिल्ली में सरकारी बंगले

का विस्तार करके, उसके रेनोवेशन पर 33 करोड़ खर्च करके सत्ता में आना चाहिए था और आज पंजाबियों के अधिकारों का उल्लंघन करके, दूसरे राज्यों से रिटायर्ड अधिकारियों और दिल्ली से 'आप' के नेताओं को ऊंचे राजनीतिक पदों पर नियुक्त करना पंजाब में 'आप' पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बहुत बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा कि एक साल पहले हमारी माताओं और बहनों को 1000 रुपये प्रति माह देने का वादा पूरा करने की बात करना एक मजाक है। उन्होंने कहा कि घड़े का घड़ा बार-बार नहीं चढ़ता। अब पंजाबी 'आप' की बिसात बिछाने के लिए तैयार हैं। इस समय श्री बावा ने प्रदेश कांग्रेस की चुनी हुई समर्थ कमेटी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस हाईकमान की हरी झंडी है।

मॉनसून की तैयारी: म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने जवाबदेही तय की

● अधिकारियों को फील्ड में एक्टिव रहने और पहले से सभी तैयारी करने का निर्देश दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना– बुड्ढा नदी, अंदरूनी नालों और सीवर लाइनों की सफाई; बुड्ढा नदी के किनारों को मजबूत करना, फॉगिंग को प्राथमिकता में शामिल किया गया; अधिकारियों को किए गए काम का सर्टिफिकेट जमा करने का निर्देश दिया गया म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन 'मॉनसून वॉर रूम' बनाएगा; लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर जल्द ही जारी किया जाएगा मंगलवार को म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ज़ोन ष्ठ ऑफिस में मॉनसून की तैयारी के लिए एक पूरी रिव्यू मीटिंग करते हुए, म्युनिसिपल कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने संबंधित म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों की जवाबदेही तय की और सख्त आदेश दिए हैं कि मॉनसून की तैयारी के मामले में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बुड्ढा नदी और दूसरे अंदरूनी नालों की सफाई, सीवर लाइनों की सफाई, बुड्ढा नदी के किनारों को मजबूत करना, फॉगिंग, मैनहोल बंद करना/ ढकना पक्का करना और रोड नेट की सफाई वगैरह म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार द्वारा तय की गई प्राथमिकताओं में शामिल हैं। यह कहते

हुए कि हर ब्रांच को किए जाने वाले काम की साफ़ समझ है, म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने सीनियर अधिकारियों को ग्राउंड लेवल पर किए गए काम के बारे में सर्टिफिकेट जमा करने का निर्देश दिया। मीटिंग में जॉइंट कमिश्नर विनीत कुमार, जॉइंट कमिश्नर अमनप्रीत सिंह, जॉइंट कमिश्नर तपन भनोट, ज़ोनल कमिश्नर नीरज जैन, ज़ोनल कमिश्नर गुरपाल सिंह, ज़ोनल कमिश्नर जसदेव सेखों और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सभी ब्रांचों के सीनियर अधिकारी मौजूद थे। म्युनिसिपल कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने कहा कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एक 'मॉनसून वॉर रूम' भी बना रहा है और जल्द ही लोगों के लिए एक हेल्पलाइन नंबर शुरू किया जाएगा। लोगों को पानी से होने वाली और मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए, संबंधित अधिकारियों को सही क्लोरीनेशन और फॉगिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। म्युनिसिपल कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने कहा कि अधिकारियों को साफ़ और सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसी भी गड़बड़ी के मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जॉइंट कमिश्नरों और ज़ोनल कमिश्नरों को भी अपने-अपने इलाकों में स्थिति पर रेगुलर नज़र रखने का निर्देश दिया गया है। वे ग्राउंड लेवल पर स्थिति का जायज़ा लेने के लिए खुद भी इंस्पेक्शन करेंगे।

एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया का सख्त

● राज्यों द्वारा फंड के इस्तेमाल के पहलू पर विचार-विमर्श करने के लिए छह मई को एक बैठक बुलाई जाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना/लुधियाना– कानून सबके लिए समान, सरकारी वाहनों पर भी लागू होगी जीरो टॉलरेंस नीति, कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं कर सकेगा उल्लंघन 6 दिनों में काली फिल्म और जाली लगे 85 वाहनों के चालान, पुलिस जैसी लाल-नीली लाइट लगाने वाले भी पकड़े गए पुलिस जिला खन्ना में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने एक महत्वपूर्ण और जनहित में फैसला लिया है। उन्होंने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करते हुए काली फिल्म, जालियां, हूटर और लाल बत्ती लगे वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के आदेश दिए हैं। एसएसपी के ये निर्देश सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी समान रूप से लागू होंगे। यदि कोई भी इन नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने अपने आदेशों में स्पष्ट किया है कि वर्तमान समय में कई असामाजिक तत्व वाहनों पर काली फिल्म और जालियां लगाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने का प्रयास करते हैं। इससे न केवल जांच एजेंसियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने पूरे जिले में सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।विशेष बात यह है कि एसएसपी ने केवल आम जनता के लिए ही नहीं, बल्कि पुलिस और अन्य सरकारी अधिकारियों के लिए भी समान नियम लागू किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी सरकारी वाहन पर काली फिल्म या अवैध जाली नहीं होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी के सरकारी वाहन में इस प्रकार का उल्लंघन पाया गया तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस फैसले को लोग पारदर्शी और निष्पक्ष प्रशासन की मिसाल के रूप में देख रहे हैं।एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मोबाइल नाकाबंदी करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान काली फिल्म, अवैध जाली, हूटर और लाल बत्ती लगे वाहनों की जांच कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अधिक से अधिक चालान करने तथा आवश्यकता पड़ने पर वाहनों को जब्त करने के लिए कहा गया है।एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने बताया कि 16 जून से 22 जून तक खन्ना ट्रैफिक पुलिस द्वारा काली

फिल्म और जाली लगाने के मामलों में 85 वाहनों के चालान किए गए। वहीं पुलिस वाहनों की तरह लाल-नीली लाइट लगाने वाले 4 वाहनों के भी चालान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस अभियान को और तेज किया जाएगा।लोगों और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया के इस फैसले की सराहना की जा रही है। उनका मानना है कि ऐसे अभियानों से अपराधी तत्वों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी और आम नागरिक खुद को अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे।कानून के शासन को मजबूत करने के लिए जाने जाते एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया का यह कदम न केवल यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करेगा, बल्कि जिले में शांति और कानून-व्यवस्था को भी और मजबूत बनाएगा। उनका यह निर्णय स्पष्ट संदेश देता है कि कानून सबके लिए समान है और किसी भी प्रकार का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो का सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर: केंद्रीय सचिवालय होगा 'ट्रिपल इंटरचेंज', 9 भूमिगत स्टेशन बनेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सेंट्रल विस्टा क्षेत्र को मेट्रो नेटवर्क से जोडने का काम शुरू हो गया है। बुधवार को दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस कॉरिडोर का काम पूरा होने पर मध्य दिल्ली में मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे लगभग 60 हजार कर्मियों व अन्य लोगों को लाभ होगा। सड़कों से वाहनों का बोझ कम कर मध्य दिल्ली में आवागमन सुगम बनाने में भी मदद मिलेगी। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने निर्माण कार्य शुरू कराया। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन और शहरी मंत्रालय के सचिव एवं डीएमआरसी के अध्यक्ष कटिकिथला श्रीनिवास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह कॉरिडोर फेज पांच (ए) के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है, जो वर्तमान मजेंटा लाइन का जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम मार्ग का विस्तार है। यह सेंट्रल विस्टा क्षेत्र से होकर गुजरेगा और सभी कर्तव्य भवनों को जोड़ेगा। 9,570.40 करोड़ रुपये लागत वाली इस परियोजना पर दिल्ली सरकार 2,337.24 करोड़ रुपये खर्च करेगी। केंद्रीय सचिवालय स्टेशन को ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां पर येलो, वायलेट मजेंटा लाइन के यात्री मेट्रो ट्रेन बदल सकेंगे। यह कार्य 33 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्र सरकार ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में मेट्रो फेज- पांच(ए) परियोजना को स्वीकृत किया था। इस चरण में 16 किलोमीटर की लंबाई वाले तीन नए कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। स्वीकृत किए गए तीन कारिडोर में आरके आश्रम से इंद्रप्रस्थ (सेंट्रल विस्टा के रास्ते), एरोसिटी से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट डोमेस्टिक टर्मिनल-1 और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज शामिल हैं। डीएमआरसी के प्रधान अधिशासी निदेशक अनुज दयाल का कहना है कि सेंट्रल विस्टा परियोजना से नई दिल्ली के मुख्य हिस्से से कनेक्टिविटी बेहतर होगी। मुख्य सरकारी कार्यालयों, न्यायिक संस्थानों, राष्ट्रीय स्मारकों और कन्वेंशन सेंटर्स तक सुगम पहुंच प्रदान करने के साथ-साथ समग्र नेटवर्क दक्षता और यात्री सुविधा को बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

'राम मंदिर से चढ़ावा चोरी करने वालों के खिलाफ हो फास्ट ट्रैक सुनवाई', विहिप ने अपनाया कड़ा रुख

नई दिल्ली। राम मंदिर आंदोलन की अगुवाई करने वाली विहिप ने मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण पर कठोर रुख अपनाया है। विहिप ने अयोध्या स्थित रामलला मंदिर में चंदा चोरी मामले में एसआइटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद दोषियों के विरूद्ध तत्काल एफआइआर दर्ज कराने की मांग की है।

'बढ़ाया जाए जांच का दायरा'

विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि इस मामले में दोषियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। साथ ही जांच का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए। विहिप अध्यक्ष ने इस मामले में एक पोस्टर भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया है, जिसमें मांग करते हुए कहा है कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो। साथ ही दोष सिद्ध होने पर कठोर दंड दिया जाना चाहिए। ज्ञात हो कि विहिप ने चढ़ावा चोरी के मद्देनजर अयोध्या में कल से आयोजित होने वाली पांच दिवसीय शीर्ष बैठकें भी स्थगित कर दी है।

'हेलमेट न पहनना और नशे में होना, हादसे की वजह नहीं हो सकती', MACT का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के (MACT) ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की ओर से शराब का सेवन करना यह साबित नहीं करता कि हादसे में उसकी भी लापरवाही थी। सभी तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करने के बाद ट्रिब्यूनल ने ट्रक चालक और मालिक को वर्ष 2018 में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए युवक को संयुक्त रूप से 30.77 लाख रुपये मुआवजा ब्याज सहित अदा करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति शराब का सेवन करता है तो इसका यह अर्थ नहीं है कि दूसरे वाहन चालक को लापरवाही से वाहन चलाने और उसे टक्कर मारने की छूट मिल जाती है। केवल शराब सेवन के आधार पर पीड़ित की लापरवाही नहीं मानी जा सकती।

हादसा ट्रक चालक की लापरवाही से हुआ

ट्रिब्यूनल ने यह भी कहा कि हेलमेट नहीं पहनना कानून का उल्लंघन हो सकता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि दुर्घटना होने में उसी की भूमिका थी। रिकॉर्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह साबित हो कि हेलमेट नहीं पहनना दुर्घटना का कारण बना। आदेश में कहा गया कि ट्रक चालक इस मामले का सबसे महत्वपूर्ण गवाह था, लेकिन वह स्वयं ट्रिब्यूनल के समक्ष पेश नहीं हुआ। वहीं रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों से यह साबित होता है कि दुर्घटना ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुई थी। पीठासीन अधिकारी शिरीष अग्रवाल याचिकाकर्ता सचिन धवन की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता के अनुसार पांच जुलाई 2018 को वह पूसा गेट के पास मोटरसाइकिल से जा रहा था।

हादसे के बाद 40 प्रतिशत दिव्यांगता आई

तभी तेज और लापरवाही से चलाए जा रहे एक ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक बाइक को कुछ दूरी

तक घसीटता ले गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके बाएं पैर में 40 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता हो गई। सुनवाई के दौरान ट्रक चालक और मालिक की ओर से दावा किया गया कि दुर्घटना के समय युवक ने शराब पी रखी थी और उसने हेलमेट भी नहीं पहना था। हालांकि ट्रिब्यूनल ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि मेडिकल लीगल रिपोर्ट (एमएलसी) में युवक के मुंह से शराब की गंध आने का उल्लेख है, लेकिन रिकॉर्ड पर यह नहीं है कि उसने कितनी मात्रा में शराब का सेवन किया था। ऐसे में यह मान लेना उचित नहीं होगा कि वह निर्धारित सीमा से अधिक शराब पीकर वाहन चला रहा था।

पेयजल समस्याओं को लेकर व्यापार मंडल ने ईओ को सौंपा ज्ञापन

गोपीगंज। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल ने बुधवार को नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नगर की पेयजल व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की। उन्होंने बरगदा हनुमान मंदिर पर खराब हैंडपंप की मरम्मत व स्थापित समरसेबल से तत्काल जलापूर्ति शुरू कराने के साथ ही वार्ड संख्या 10 में खराब समरसेबल के स्थान पर नई बोरिंग कराने की मांग की। उन्होंने जनहित में मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की भी मांग उठाई।

दिल्ली में डेंगू के 347 केसों से हड़कंप, मानसून से पहले बढ़ाई सरकार की चिंता

● दिल्ली में मानसून से पहले ही डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले बढ़ गए हैं, जिससे सरकार की चिंता बढ़ गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने समीक्षा बैठक कर रोकथाम के उपायों को सख्ती से लागू करने और जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मानसून से पहले ही डेंगू , मलेरिया और चिकनगुनिया अपना प्रभाव दिखाने लगे हैं। दिल्ली में अब तक दिल्ली में डेंगू के 347, मलेरिया के 87 और चिकनगुनिया के 19 मामले सामने आए हैं। इस स्थिति ने सरकार को चिंता में डाल दिया है, उसकी चिंता मानसून के दौरान इन मामलों के तेजी से बढ़ने को लेकर है। एमसीडी की तैयारियां इसे लेकर माकूल नजर नहीं आ रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने लिया तैयारियों का जायजा

इसे लेकर बुधवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने समीक्षा बैठक में मौजूदा स्थिति और तैयारियों का जायजा लिया तथा सभी एजेंसियों को रोकथाम संबंधी उपायों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही सरकारी और निजी अस्पतालों तथा प्रयोगशालाओं को इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफार्मेशन प्लेटफॉर्म (आईएचआइपी) के माध्यम से रियल टाइम रिपोर्टिंग के निर्देश भी दिए, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। 35 सेंटिनल सर्विलांस अस्पताल सक्रिय रूप से मामलों की निगरानी कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बैठक में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मामलों, निगरानी व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारियों, मच्छर नियंत्रण गतिविधियों और जन-जागरूकता अभियानों की भी समीक्षा की। इस बात को लेकर नाराजगी भी जताई कि अब तक इसे लेकर सजगता और सतर्कता में ढिलाई बरती जा रही थी। बैठक में एमसीडी के 20 जून 2026 तक के आंकड़ों के हवाले से जानकारी दी गई कि दिल्ली में डेंगू के 347, मलेरिया के 87 और चिकनगुनिया के 19 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि अभी तक डेंगू या मलेरिया से किसी मौत की आधिकारिक जानकारी

नहीं हुई है। इस पर डॉ. पंकज सिंह ने सभी को निर्देशित किया कि वह सभी मच्छरजनित बीमारियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने बताया कि अब इसके लिए डीजीएचएस मुख्यालय में कंट्रोल रूम संचालित किया जा रहा है और जांच किट, दवाइयों, रक्त एवं अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जा रही है। नगर निगम, एनडीएमसी और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड क्षेत्रों में मच्छर नियंत्रण गतिविधियां भी तेज की गई हैं। डॉ. पंकज सिंह ने नागरिकों से कूलर, गमले और अन्य पात्रों में पानी जमा नहीं होने देने, सप्ताह में एक दिन 'ड्राई डे' मनाने तथा बुखार जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। कहा कि डेंगू की रोकथाम में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।